# खुशियों और समृद्धि से भरी हो दीपावली

अंधकार से प्रकाश की ओर दीपों का पावन पर्व दीपावली भी यही संदेश देता है यह अंधकार पर प्रकाश की जीत का पर्व है। दीपावली का अर्थ है दीपों की श्रृंखला। दीपावली शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के दो शब्दों दीप एवं आवलीअर्थात श्रृंखला के मिश्रण से हुई है। दीपावली का पर्व कार्तिक अमावस्या को मनाया जाता है। वास्तव में दीपावली एक दिवसीय पर्व नहीं है, अपितु यह कई त्यौहारों का समूह है, जिनमें धन त्रयोदशी

अर्थात धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज सम्मिलित हैं। दीपावली का अर्थ है दीपों की पंक्ति । दीपावली शब्द 'दीप' एवं 'आवली' की संधि से बना है । आवली अर्थात पंक्ति, इस प्रकार दीपावली शब्द का अर्थ है, दीपों की पंक्ति । भारतवर्ष में मनाए जानेवाले सभी त्यौहारों में दीपावली का सामाजिक और धार्मिक दोनों दृष्टि से अत्यधिक महत्व है । इसे दीपोत्सव भी कहते हैं । 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अर्थात् 'अंधेरे से ज्योति अर्थात प्रकाश की ओर जाइए' यह उपनिषदों की आज्ञा है । इसे सिख, बौद्ध तथा जैन धर्म के लोग भी मनाते हैं ।माना जाता है कि दीपावली के दिन अयोध्या के राजा श्री रामचंद्र अपने चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात लौटे थे । अयोध्यावासियों का हृदय अपने परम प्रिय राजा के आगमन से उल्लसित था । श्री राम के स्वागत में अयोध्यावासियों ने घी के दीए जलाए ।कार्तिक मास की सघन काली अमावस्या की वह रात्रि दीयों की रोशनी से जगमगा उठी । तब से आज तक भारतीय प्रति वर्ष यह प्रकाश-पर्व हर्ष व उल्लास से मनाते हैं। यह पर्व अधिकतर ग्रिगेरियन कैलण्डर के अनुसार अक्तूबर या नवंबर महीने में पड़ता है । दीपावली दीपों का त्योहार है । इसे दीवाली या दीपावली भी कहते हैं । दीवाली अँधेरे से रोशनी में जाने का प्रतीक है । भारतियों का विश्वास है कि सत्य की सदा जीत होती है झूठ का नाश होता है । दीपावली स्वच्छता व प्रकाश का पर्व है । कई सप्ताह पूर्व ही दीपावली की तैयारियाँ आरंभ हो जाती है । लोग अपने घरों, दुकानों आदि की सफाई का कार्य आरंभ कर देते हैं ।घरों में मरम्मत, रंग-रोगन, सफेदी आदि का कार्य होने लगता हैं । लोग दुकानों को भी साफ सुथरा कर सजाते हैं ।बाजारों में गलियों को भी सुनहरी झंडियों से सजाया जाता है । दीपावली से पहले ही घर-मोहल्ले, बाजार सब साफ-सुधरे व सजे-धजे नजर आते हैं । दीप जलाने की प्रथा के पीछे अलग-अलग कारण या कहानियाँ हैं । राम भक्तों के अनुसार दीवाली वाले दिन अयोध्या के राजा राम लंका के अत्याचारी राजा रावण का वध करके अयोध्या लौटे थे उनके लौटने कि खुशी मे आज भी लोग यह पर्व मनाते हैं । कृष्ण भक्तिधारा के लोगों का मत है कि इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने अत्याचारी राजा नरकासुर का वध किया था । इस नृशंस राक्षस के वध से जनता में अपार हर्ष फैल गया और प्रसन्नता से भरे लोगों ने घी के दीए जलाए । एक पौराणिक कथा के अनुसार विष्णु ने नरसिंह रुप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था, तथा इसी दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए । दीपावली से दो दिन पूर्व धनतेरस का त्योहार आता है । इस दिन बाजारों में चारों तरफ जनसमूह उमड़ पड़ता है । बरतनों की दुकानों पर विशेष साज-सज्जा व भीड़ दिखाई देती है । धनतेरस के दिन बरतन खरीदना शुभ माना जाता है अत- प्रत्येक परिवार अपनी-अपनी आवश्यकता अनुसार कुछ न कुछ खरीदारी करता है । इस दिन तुलसी या घर के द्वार पर एक दीपक जलाया जाता है । इससे अगले दिन नरक चतुर्दशी या छोटी दीपावली होती है । इस दिन यम पूजा हेतु दीपक जलाए जाते हैं । अगले दिन दीपावली आती है । इस दिन घरों में सुबह से ही तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं । बाजारों में खील-बताशे, मिठाइयाँ, खांड़ के खिलौने, लक्ष्मी-गणेश आदि की मूर्तियाँ बिकने लगती हैं । स्थान-स्थान पर आतिशबाजी और पटाखों की दूकानें सजी होती हैं । सुबह से ही लोग रिश्तेदारों, मित्रों, सगे-संबंधियों के घर मिठाइयाँ व उपहार बाँटने लगते हैं

**भरत सिंह चौहान**
संपादक

**दीपावली की शाम लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा की जाती है । पूजा के बाद लोग अपने-अपने घरों के बाहर दीपक व मोमबत्तियाँ जलाकर रखते हैं ।चारों ओर चमकते दीपक अत्यंत सुंदर दिखाई देते हैं । रंग-बिरंगे बिजली के बल्बों से बाजार व गलियाँ जगमगा उठते हैं । बच्चे तरह-तरह के पटाखों व आतिशबाजियों का आनंद लेते हैं । रंग-बिरंगी फुलझडियाँ आतिशबाजियाँ व अनारों के जलने का आनंद प्रत्येक आयु के लोग लेते हैं । देर रात तक कार्तिक की अँधेरी रात पूर्णिमा से भी अधिक प्रकाशयुक्त दिखाई पड़ती है ।**

# पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्ष 06, अंक 09, नवंबर 2020,

मूल्य 30 रु, पृष्ठ 44

| | |
|---|---|
| संरक्षक | बहादुर सिंह चौहान |
| संपादक | भरत सिंह चौहान |
| प्रबंध संपादक | शैलेश सिंह कुशवाह |
| उपसंपादक | अरविंद सिंह नरवरिया |
| | अर्पित गुप्ता |
| | प्रदीप नागेन्द्र सिकरवार |
| | शशिभूषण चौहान (मप्र) |
| कानूनी सलाहकार | एड. आर. के. जोशी |
| ऑल इंडिया रिपोर्टर | अन्जू भरमोरिया |
| राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी | आर एस रजक |

ब्यूरो प्रमुख

| | | |
|---|---|---|
| पंकज त्रिपाठी | : | मध्य प्रदेश |
| राजानल शर्मा | : | छत्तीसगढ़ |
| नरेन्द्र शर्मा | : | हरियाणा |
| अभिषेक मिश्रा | : | हिमाचल प्रदेश |
| अमित कुमार | : | जम्मू-कश्मीर (यूटी) |
| अमन राय | : | बर्दवान पश्चिम बंगाल |
| नारायण लाल | : | बेंगलुरु |
| दीपक रलहन | : | पंजाब |
| नैनाराम सिरवी | : | पाली, राजस्थान |
| संदीप प्रधान | : | ग्वालियर संभाग |
| केवल राम मालवीय | : | इंदौर |
| राजा दुबे | : | सीहोर |
| केशव प्रसाद शर्मा | : | मुरैना |
| राजेश लोधी | : | रायसेन |
| रीतेश कटरे | : | बालाघाट |
| सुरजीत राजावत | : | ग्वालियर |
| विनोद पाठक | : | श्योपुर |
| हरिनिवास दुबे | : | मथुरा (उत्तर प्रदेश) |
| सोनू कुमार माथुर | : | एटा, (उत्तर प्रदेश) |
| प्रवेन्द्र सिंह | : | आगरा (उत्तर प्रदेश) |
| अरविंद प्रताप सिंह | : | कन्नौज (उत्तर प्रदेश) |
| रूपसिंह | : | इटावा, (उत्तर प्रदेश) |
| किरण राठौर | : | औरैया, (उत्तर प्रदेश) |
| अरूण शुक्ला | : | भिण्ड |
| मोहन मांझी | : | गोहद |
| अमित शर्मा | : | ग्वालियर |

कार्यालय

ए-ब्लॉक 404 भाऊसाहब पोतनीस, इन्क्लेव, मुरार रोड गोले का मंदिर ग्वालियर मध्य प्रदेश

संपर्क: 8269307478, 7999246560

www.pushpanjalitoday.com, Email-pushpanjalitoday@gmail.com

# इस अंक में

## पुष्पांजली टुडे टीम

| | | |
|---|---|---|
| अनिल पाराशर | : | मध्य प्रदेश क्राइम रिपोर्टर |
| कुसुम भदौरिया | : | मध्य प्रदेश |
| महेन्द्र शर्मा | : | चम्बल संभाग |
| गौरव शर्मा | : | चम्बल संभाग |
| योगेश शर्मा | : | चम्बल संभाग |
| राधा तोमर | : | अम्बाह |
| जितेन्द्र सिंह | : | खेरागढ़, आगरा |
| भीमसेन तोमर | : | अम्बाह |
| सुनील सिंह तोमर | : | अम्बाह |
| रवीकांत पाठक | : | पिछोर |
| रंजीत बघेल | : | सेंवढ़ा, दतिया |
| राहुल कुमार | : | आगरा |
| छोटे सिंह भदौरिया | : | मालनपुर |
| सूर्यप्रताप सिंह | : | कोलारस |
| संतोष सिंह भदौरिया | : | गोरमी |
| राजेश नरवरिया | : | भिण्ड |
| हरिओम चतुर्वेदी | : | करैरा |
| अरिमर्दन सिंह भदौरिया | : | भिण्ड, क्राइम रिपोर्टर |
| निर्मला | : | भिण्ड |
| राहुल खन्ना | : | इंदौर |
| राजकुमार | : | खेरागढ़, आगरा |
| शिवकांत ओझा | : | रौन |
| आदित्य सिकरवार | : | पोरसा |
| शिल्पा डोगरा | : | ग्वालियर |
| वासुदेव मिश्रा | : | ग्वालियर |
| शहनवाज खान | : | श्योपुर |

अमेरिका चुनाव.... 12

बंगाल में अमित शाह 10

फरवरी तक आ सकती है वैक्सीन 08

सिनेमा 40



स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान। कंचन प्रिंटिंग प्रेस निम्बालकर का बाड़ा, तेजी की बजरिया नियर पी.एंड.एन. बैंक नया बाजार लश्कर ग्वालियर म.प्र. से मुद्रित तथा दीपू इलेक्ट्रोनिक्स हनुमान मंदिर के पास, गोवर्धन कॉलोनी भिण्ड रोड, गोला का मंदिर जिला ग्वालियर म.प्र. से प्रकाशित। संपादक भरत सिंह चौहान। (समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) दूरभाष 8269307478

# दीपावली का उल्लास

## अंधेरे पर प्रकाश की जीत का पर्व है दीपावली

**अंधकार से प्रकाश की ओर दीपों का पावन पर्व दीपावली भी यही संदेश देता है यह अंधकार पर प्रकाश की जीत का पर्व है। दीपावली का अर्थ है दीपों की श्रृंखला। दीपावली शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के दो शब्दों दीप एवं आवलीअर्थात श्रृंखला के मिश्रण से हुई है। दीपावली का पर्व कार्तिक अमावस्या को मनाया जाता है। वास्तव में दीपावली एक दिवसीय पर्व नहीं है, अपितु यह कई त्यौहारों का समूह है, जिनमें धन त्रयोदशी अर्थात धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज सम्मिलित हैं।**

दीपावली महोत्सव कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी से शुक्ल पक्ष की दूज तक हर्षोल्लास से मनाया जाता है। धनतेरस के दिन बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। तुलसी या घर के द्वार पर दीप जलाया जाता है। नरक चतुर्दशी के दिन यम की पूजा के लिए दीप जलाए जाते हैं। गोवर्धन पूजा के दिन लोग गाय-बैलों को सजाते हैं तथा गोबर का पर्वत बनाकर उसकी पूजा करते हैं। भैया दूज पर बहन अपने भाई के माथे पर तिलक लगाकर उसके लिए मंगल कामना करती है। इस दिन यमुना नदी में स्नान करने की भी परंपरा है। प्राचीन हिंदू ग्रंथ रामायण के अनुसार दीपावली के दिन श्रीरामचंद्र अपने चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात अयोध्या लौटे थे। अयोध्यावासियों ने श्रीराम के स्वागत में घी के दीप जलाए थे।

**प्राचीन हिंदू ग्रंथ रामायण के अनुसार दीपावली के दिन श्रीरामचंद्र अपने चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात अयोध्या लौटे थे। अयोध्यावासियों ने श्रीराम के स्वागत में घी के दीप जलाए थे। प्राचीन हिन्दू महाकाव्य महाभारत के अनुसार दीपावली के दिन ही 12 वर्षों के वनवास एवं एक वर्ष के अज्ञातवास के बाद पांडवों की वापसी हुई थी। मान्यता यह भी है कि दीपावली का पर्व भगवान विष्णु की पत्नी देवी लक्ष्मी से संबंधित है। अन्य हिन्दू त्यौहारों की भांति दीपावली भी देश के अन्य राज्यों में विभिन्न रूपों में मनाई जाती है। बंगाल और ओडिशा में दीपावली काली पूजा के रूप में मनाई जाती है। इस दिन यहां के हिन्दू देवी लक्ष्मी के स्थान पर काली की पूजा-अर्चना करते हैं। उत्तर प्रदेश के मथुरा और उत्तर मध्य क्षेत्रों में इसे भगवान श्री कृष्ण से जुड़ा पर्व माना जाता है। गोवर्धन पूजा या अन्नकूट पर श्रीकृष्ण के लिए 56 या 108 विभिन्न व्यंजनों का भोग लगाया जाता है।**

प्राचीन हिन्दू महाकाव्य महाभारत के अनुसार दीपावली के दिन ही 12 वर्षों के वनवास एवं एक वर्ष के अज्ञातवास के बाद पांडवों की वापसी हुई थी। मान्यता यह भी है कि दीपावली का पर्व भगवान विष्णु की पत्नी देवी लक्ष्मी से संबंधित है। दीपावली का पांच दिवसीय महोत्सव देवताओं और राक्षसों द्वारा दूध के लौकिक सागर के मंथन से पैदा हुई लक्ष्मी के जन्म दिवस से प्रारंभ होता है। समुद्र मंथन से प्राप्त चौदह रत्नों में लक्ष्मी भी एक थीं, जिनका प्रादुर्भाव कार्तिक मास की अमावस्या को हुआ था। उस दिन से कार्तिक की अमावस्या लक्ष्मी-पूजन का त्यौहार बन गया। दीपावली की रात को लक्ष्मी ने अपने पति के रूप में विष्णु को चुना और फिर उनसे विवाह किया था। मान्यता है कि दीपावली के दिन विष्णु की बैकुंठ धाम में वापसी हुई थी। कृष्ण भक्तों के अनुसार इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अत्याचारी राजा नरकासुर का वध किया था. एक पौराणिक कथा के अनुसार भगवान विष्णु ने नरसिंह रूप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था। यह भी कहा जाता है कि इसी दिन समुद्र मंथन के पश्चात धन्वंतरि प्रकट हुए। मान्यता है कि इस दिन देवी लक्ष्मी प्रसन्न रहती हैं। जो लोग इस दिन देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं, उन पर देवी की विशेष कृपा होती है। लोग लक्ष्मी के साथ-साथ संकट विमोचक गणेश, विद्या की देवी सरस्वती और धन के देवता कुबेर की भी पूजा-अर्चना करते हैं।

अन्य हिन्दू त्यौहारों की भांति दीपावली भी देश के अन्य राज्यों में विभिन्न रूपों में मनाई जाती है। बंगाल और ओडिशा में दीपावली काली पूजा के रूप में मनाई जाती है। इस दिन यहां के हिन्दू देवी लक्ष्मी के स्थान पर काली की पूजा-अर्चना करते हैं। उत्तर प्रदेश के मथुरा और उत्तर मध्य क्षेत्रों में इसे भगवान श्री कृष्ण से जुड़ा पर्व माना जाता है। गोवर्धन पूजा या अन्नकूट पर श्रीकृष्ण के लिए 56 या 108 विभिन्न व्यंजनों का भोग लगाया जाता है। दीपावली का ऐतिहासिक महत्व भी है। हिन्दू राजाओं की भांति मुगल सम्राट भी दीपावली का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया करते थे। सम्राट अकबर के शासनकाल में दीपावली के दिन दौलतखाने के सामने ऊंचे बांस पर एक बड़ा आकाशदीप लटकाया जाता था। बादशाह जहांगीर और मुगल वंश के अंतिम सम्राट बहादुर शाह जफर ने भी इस परंपरा को बनाए रखा। दीपावली के अवसर पर वे कई समारोह आयोजित किया करते थे। शाह आलम द्वितीय के समय में भी पूरे

महल को दीपों से सुसज्जित किया जाता था। कई महापुरुषों से भी दीपावली का संबंध है। स्वामी रामतीर्थ का जन्म एवं महाप्रयाण दोनों दीपावली के दिन ही हुआ था। उन्होंने दीपावली के दिन गंगातट पर स्नान करते समय समाधि ले ली थी। आर्य समाज के संस्थापाक महर्षि दयानंद ने दीपावली के दिन अवसान लिया था।

जैन और सिख समुदाय के लोगों के लिए भी दीपावली महत्वपूर्ण है। जैन समाज के लोग दीपावली को महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस के रूप में मनाते हैं। जैन मतावलंबियों के अनुसार चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी को इस दिन मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। इसी दिन संध्याकाल में उनके प्रथम शिष्य गौतम गणधर को केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। जैन धर्म के मतानुसार लक्ष्मी का अर्थ है निर्वाण और सरस्वती का अर्थ है ज्ञान। इसलिए प्रातःकाल जैन मंदिरों में भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण उत्सव मनाया जाता है और लड्डू का भोग लगाया जाता है। सिख समुदाय के लिए दीपावली का दिन इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन अमृतसर में वर्ष 1577 में स्वर्ण मंदिर का शिलान्यास हुआ था। वर्ष 1619 में दीपावली के दिन ही सिखों के छठे गुरु हरगोबिन्द सिंह जी को जेल से रिहा किया गया था। दीपावली से पूर्व लोग अपने घरों, दुकानों आदि की सफाई करते हैं। घरों में मरम्मत, रंग-रोगन, सफ़ेदी आदि का कार्य कराते हैं। दीपावली पर लोग नये वस्त्र पहनते हैं। एक-दूसरे को मिष्ठान और उपहार देकर उनकी सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। घरों में रंगोली बनाई जाती है, दीप जलाए जाते हैं। मोमबत्तियां जलाई जाती हैं। घरों व अन्य इमारतों को बिजली के रंग-बिरंगे बल्बों की झालरों से सजाया जाता है। रात में चहुंओर प्रकाश ही प्रकाश दिखाई देता है। आतिशबाज़ी भी की जाती है। अमावस की रात में आकाश में आतिशबाज़ी का प्रकाश बहुत ही मनोहारी दृश्य बनाता है। दीपावली का धार्मिक ही नहीं, सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व भी है। दीपावली पर खेतों में खड़ी खरीफ़ की फसल पकने लगती है, जिसे देखकर किसान फूला नहीं समाता। इस दिन व्यापारी अपना पुराना हिसाब-किताब निपटाकर नये बही-खाते तैयार करते हैं। दीपावली बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, लेकिन कुछ लोग इस दिन दुआ खेलते हैं और शराब पीते हैं। अत्यधिक आतिशबाज़ी के कारण ध्वनि और वायु प्रदूषण भी बढ़ता है। इसलिए इस बात की आवश्यकता है कि दीपों के इस पावन पर्व के संदेश को समझते हुए इसे पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाए।

# त्योहार पर मर्यादा में रहें, सैनिकों के लिए एक दीया जरूर जलाएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेडियो कार्यक्रम मन की बात के जरिए देश को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने सीमा पर तैनात सैनिकों को भी याद किया और लोगों ने कहा कि भारत माता के इन वीर बेटे-बेटियों के सम्मान में भी घर में एक दीया जरूर जलाना है। मोदी ने कहा हमें अपने उन जांबाजों को भी याद रखना है जो इन त्योहारों में भी सीमाओं पर डटे हैं और भारत माता की सेवा और सुरक्षा कर रहे हैं। हमें उनको याद करके ही अपने त्योहार मनाने हैं। हमें घर में एक दीया, भारत माता के इन वीर बेटे-बेटियों के सम्मान में भी जलाना है। उन्होंने कहा कि आज विजयादशमी यानी दशहरे का पर्व है। इस पावन अवसर पर आप सभी को ढेरों शुभकामनाएं। दशहरे का ये पर्व,असत्य पर सत्य की जीत का पर्व है। आज आप सभी बहुत संयम के साथ जी रहे हैं, त्योहार मना रहे हैं, इसलिए जो लड़ाई हम लड़ रहे हैं,उसमें जीत भी सुनिश्चित है। मोदी ने कहा जब हम त्योहार की बात करते हैं, तो सबसे पहले मन में यही आता है कि बाज़ार कब जाना हैं? इस बार जब आप खरीदारी करने जाएं तो विकल फ़ॉर लोकल का अपना संकल्प अवश्य याद रखें। बाज़ार से सामान खरीदते समय हमें स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देनी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के कनॉट प्लेस के खादी स्टोर में इस बार गांधी जयंती पर एक ही दिन में एक करोड़ रुपए से ज़्यादा की खरीदारी हुई। इसी तरह कोरोना समय में खादी के मास्क भी बहुत लोकप्रिय हो रहे हैं। देशभर में कई जगह सेल्फ हेल्प ग्रुप और दूसरी संस्थाएं खादी के मास्क बना रहे है। पीएम ने कहा, सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जन्म जयंती 31 अक्टूबर को हम राष्ट्रीय एकता दिव के तौर पर मनाएंगे। बहुत कम लोग मिलेंगे जिनके व्यक्तित्व में एक साथ कई तत्व मौजूद हों-वैचारिक गहराई, नैतिक साहस, राजनैतिक विलक्षणता, कृषि क्षेत्र का गहरा ज्ञान और राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पण।

## आत्मनिर्भर भारत सिर्फ एक परिकल्पना नहीं, सुनियोजित आर्थिक रणनीतिः मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक निवेशकों से न सिर्फ बड़े बल्कि छोटे शहरों में भी निवेश करने की अपील करते हुए गुरुवार को कहा कि आत्मनिर्भर भारत सिर्फ परिकल्पना नहीं है बल्कि यह एक सुनियोजित आर्थिक रणनीति है। पीएम मोदी ने आज वुर्चअल वैश्विक निवेशक गोलमेज की अध्यक्षता करते हुए कहा कि भारत ने इस वर्ष मजबूती से वैश्विक महामारी का सामना किया है और पूरी दुनिया ने भारत की राष्ट्रीय छवि को देखी है जो भारत की सच्ची ताकत है। उन्होंने कहा कि महामारी को एक जिम्मेदारी की तरह लिया गया है और इसमें राष्ट्रीय एकता एवं नवाचार को देखा गया है जिसके भारतीय जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि नए भारत का निमार्ण किया जा रहा है जो पुरानी नीतियों से मुक्त होगा और अभी भारत बेहतर के लिए बदल रहा है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर सिर्फ एक परिकल्पना नहीं है बल्कि श्ह सुनियोजित आर्थिक रणनीति है। इस रणनीति में भारतीय कारोबार की क्षमता और भारत को वैश्विक विनिमार्ण का प्रमुख केन्द्र बनाने में दक्ष श्रमिकों के कौशल का समावेश है। उन्होंने कहा कि देश की प्रौद्योगिकी की शक्ति को वैश्विक नवाचार केन्द्र के रूप में उपयोग करने का लक्ष्य तय किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि निवेशक अब अपनी कंपनियों को वहां लेकर जा रहे हैं जहां उच्च पयार्वरणीय, सामाजिक और गवनेर्स है। उन्होंने भारत को एक ऐसे देश के रूप में प्रदर्शित किया जहां कंपनियों को बेहतर सुविधायें मिल रही है और कारोबारी महौल में भी सुधार हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत निवेशक लोकतंत्र, जनसांख्यिकी विधिधता, मांग के साथ ही विविधिता की पेशकश करता है। इससे निवेशकों को एक ही बाजार में बहु बाजार मिल सकते हैं। उन्होंने कहा कि विनिमार्ण क्षमता में सुधार के लिए कई पहल किए गए हैं। इसमें जीएसटी, सबसे कम कापोर्रेट कर और नए विनिमार्ताओं के लिए फेसलेस आईटी अस्सेसमेंट की सुविधा शामिल है। नए श्रमिक कानून से श्रमिकों के कल्याण को संतुलित किया गया और नियोक्ताओं के लिए सुगम कारोबारी माहौल बनाया गया है। उन्होंने कहा कि नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन के तहत 1.5 लाख करोड़ डॉलर के निवेश का महत्वकांक्षी योजना बनाई गई है। इसके तहत शुरू की जाने वाली विभिन्न परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले पांच महीने में वर्ष 2019 की समान अवधि की तुलना में एफडीआई में 13 प्रतिशत की बढोतरी दर्ज की गई है।

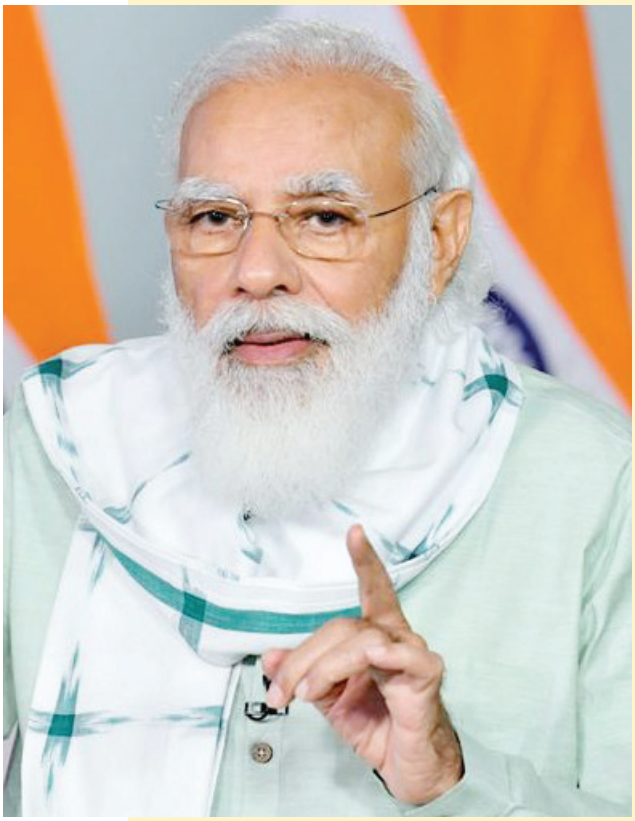

# पीएम मोदी ने शुरू की देश की पहली सी-प्लेन सेवा की शुरुआत, खुद भरी उड़ान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने गृह राज्य गुजरात के नर्मदा जिले में केवड़िया, जहाँ दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी स्थित है, से अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट के बीच उड़ान भर कर देश की पहली सी प्लेन सेवा की विधिवत शुरुआत की। मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 145 वी जयंती पर उनकी 182 मीटर ऊँची प्रतिमा पर पुष्पांजलि और मनोहारी एकता परेड का निरीक्षण करने के बाद यहां तालाब संख्या 3 स्थित वोटर ऐरोड्रोम से उड़ान भर कर इस सेवा की शुरुआत की। जब वह पहाड़?यों से घिरे इस जलीय हवाई अड्डे पर विमान में सवार होने वाले थे उससे पहले उन्हें चालक दल के एक सदस्य ने आपातकालीन सुरक्षा सम्बंधी जानकारी दी और उन्होंने इसे गौर से सुना।इस सेवा के लिए निजी उड्डयन सेवा प्रदाता कम्पनी स्पाइस जेट 19 सीटों वाले एक विमान का इस्तेमाल कर रही है जिसमें शुरुआत में 12 सीटों का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह केवड़ि?या और अहमदाबाद के बीच की लगभग 200 किमी की दूरी सड़क मार्ग के करीब 4 घंटे की बजाय मात्र 45 मिनट में तय करेगी। केंद्र सरकार की उड़ान योजना के तहत शुरू होने वाली इस

योजना के लिए इसी साल जुलाई में केंद्र, राज्य और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के बीच त्रिपक्षीय समझौता हुआ था। स्टेच्यू ऑफ यूनिटी और और अहमदाबाद के साबरमती नदी रिवरफ्रंट दोनो मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट रहे हैं। आधिकारिक सूचना के अनुसार शुरुआत में दोनो के बीच इस सी प्लेन सेवा के दो दैनिक फेरे रखने की योजना है। किराया एक तरफ से प्रति व्यक्ति 1500 रुपए होगा। पानी और जमीन दोनो से उड़ान भरने में सक्षम इस विमान को कनाडा में बनाया गया है और इसे स्पाइस जेट मालदीव से ख़रीद कर यहां लायी है। आम विमान की तुलना में काफी नीचे उड़ने वाले इस विमान का वजन 3377 किलो है और यह 5570 किलो वजन उठा सकता है।

# डब्ल्यूएचओ ने दुनियाभर के नेताओं को चेताया, कहा- अगली महामारी के लिए रहें तैयार

**"कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया के स्वरूप को बदलकर रख दिया है। कोरोना महामारी से लाखों लोगों की मौतें हुई हैं और दुनियाभर की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है। अगली महामारी कब आएगी, यह किसी को नहीं पता, मगर उससे पहले ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आगामी माहमारी को लेकर दुनिया भर के नेताओं को चेता दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपने 73वें विश्व स्वास्थ्य सभा के दौरान शुक्रवार को विश्व नेताओं से कहा कि वे अगले महामारी की तैयारी करें।**

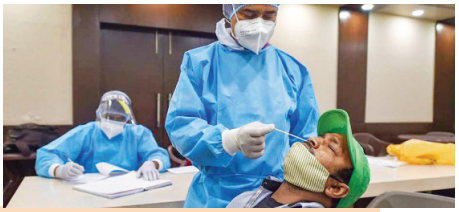



विश्व स्वास्थ्य सभा की यह बैठक वर्चुअल हुई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपने बयान में कहा कि हमें अब अगले महामारी की तैयारी करनी चाहिए। हमने इस साल देखा है कि मजबूत स्वास्थ्य आपातकालीन बुनियादी ढांचे वाले देश कोरोना वायरस वायरस के प्रसार को रोकने और इस पर काबू पाने में तेजी से कार्य करने में सक्षम हैं। डब्ल्यूएचओ ने इस बात को भी हाइलाइट किया कि एक स्थिर दुनिया की नींव तभी संभव है, जब देश कोई स्वास्थ्य सेवाओं पर पर्याप्त ध्यान देगा। अंतरराष्ट्रीय निकाय ने कहा कि कोरोना महामारी एक तरह से रिमाइंडर है, जो हमें याद दिला रहा है कि स्वास्थ्य (हेल्थ) सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता की नींव है। कोरोना वायरस के प्रसार पर सफलतापूर्वक काबू पाने वाले देशों की सराहना करते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि हालांकि यह एक वैश्विक संकट है, मगर कई देशों और शहरों ने व्यापक साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण (एविडेंस बेस्ड अप्रोच) के साथ सफलतापूर्वक वायरस के प्रसार को रोका है या नियंत्रित किया है। हालांकि, डब्ल्यूएचओ ने यह भी कहा कि कोविड-19 को विज्ञान, समाधान और एकजुटता के संयोजन से ही निपटाया जा सकता है। कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई में राष्ट्रों के योगदान पर प्रकाश डालते हुए अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने कहा कि यह एक अभूतपूर्व घटना है, जहां पूरी दुनिया वैक्सीन की खरीद रणनीतियों को विकसित करने के लिए एक साथ काम कर रही है और साथ मिलकर ही स्वास्थ्य सेवा की समग्र गुणवत्ता में सुधार रही है। बयान में कहा गया है कि कोरोना वैक्सीन को बनाने और उसके ट्रायल के विकास में तेजी लाने की योजना में पूरी दुनिया ने साथ मिलकर काम किया है, मगर अब हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि जब वैक्सीन बनकर दुनिया में आ जाए तो समानता के आधार पर सभी देशों के लिए भी यह उपलब्ध हो।

## कोरोना के टीके पर बड़ी खुशखबरी, फरवरी तक आ सकती है देसी वैक्सीन

कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच दुनियाभर के लोगों को इसकी एक सुरक्षित और कारगर वैक्सीन का इंतजार है। भारत में तीन वैक्सीन इस रेस में आगे चल रही हैं और कामयाबी से बस कुछ ही कदम दूर हैं। तीनों वैक्सीन कैंडिडेट्स अंतिम चरणों के ट्रायल में हैं। भारत




की देसी कोरोना वैक्सीन से देश को बड़ी उम्मीदें हैं। भारत बायोटेक कंपनी ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान के साथ मिलकर यह वैक्सीन बनाई है। शुरुआती चरणों के ट्रायल में इस वैक्सीन ने अच्छा असर दिखाया है। देशभर के लोगों के मन में यही सवाल है कि यह वैक्सीन आखिर कब लॉन्च होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत बायोटेक की देसी कोरोना वैक्सीन फरवरी में आ सकती है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सरकार से जुड़े एक वैज्ञानिक के हवाले से यह जानकारी दी है। कहा जा रहा है कि वैक्सीन फरवरी में आती है तो इसकी लॉन्चिंग अनुमानित समय से काफी पहले होगी, क्योंकि अबतक कहा जा रहा था कि यह वैक्सीन अगले साल की दूसरी तिमाही यानी 2021 के अप्रैल से जून के बीच आएगी। इससे पहले भारत बायोटेक के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी निदेशक साई प्रसाद ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत में कहा था कि आखिरी चरण के ट्रायल्स में वैक्सीन की प्रभावकारिता और सुरक्षित होने का मजबूत डेटा स्थापित करने के बाद अगर हमें अप्रूवल मिल जाता है तो हमारा लक्ष्य साल 2021 की दूसरी तिमाही तक वैक्सीन लॉन्च करने का है। भारत बायोटेक के अधिकारी ने कहा था कि कंपनी का फोकस फिलहाल देशभर में वैक्सीन के तीसरे चरण के ट्रायल को सफलतापूर्वक पूरा करने पर है। बता दें कि भारत बायोटेक ने ष्टश्1ड्ड×द्बठ्ठ को राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान में विकसित स्न्नस्-ष्टश्1-2 के इनएक्टिवेटेड स्ट्रेन से तैयार किया गया है। ट्रायल पूरा होने पर नियामक की मंजूरी ली जाएगी और मंजूरी के साथ ही वैक्सीन लॉन्च करने की योजना है। साई प्रसाद ने सोमवार को बताया था कि कि वैक्सीन के फेज तीन ट्रायल की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। देश के 14 राज्यों में से करीब 30 जगहों पर वैक्सीन का ट्रायल किए जाने की योजना है। हर वॉलेंटियर को वैक्सीन या प्लेसीबो की दो डोज दी जाएंगी। कंपनी का यह भी कहना है कि हर अस्पताल में करीब दो हजार वॉलेंटियर्स ट्रायल में शामिल होंगे भारत बायोटेक की योजना है कि सरकार के अलावा निजी कंपनियों को भी कोरोना वैक्सीन की आपूर्ति की जाएगी। प्रसाद ने कहा, हम सरकारी और निजी, दोनों बाजारों को वैक्सीन सप्लाई करने की संभावना पर विचार कर रहे हैं। बाकी देशों से भी संभावित आपूर्ति को लेकर कंपनी चर्चा के शुरुआती चरण में हैं। वैक्सीन की कीमत के सवाल पर उन्होंने कहा है कि कीमत अभी तय नहीं की गई है।

# तेजस्वी ने सेट किया बिहार का अजेंडा

बिहार में तेजस्वी यादव के दस लाख युवाओं को नौकरी देने के वादे ने बेरोजगारी को चुनाव का एक बड़ा मुद्दा बना दिया शुरुआत में तो एनडीए की तरफ से इस वादे का मजाक बनाने की कोशिश हुई लेकिन असर को भांपने के बाद लगभग सभी पार्टियां किसी न किसी रूप में युवाओं को रोजगार देना का वादा करती दिखीं। महागठबंधन का नेतृत्व कर रहे तेजस्वी यादव को राजनीत का नौसखिया माना जा रहा था लेकिन उन्होंने ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचने के लिए 250 से अधिक रैलियां कर एक रेकार्ड भी बनाया। कांग्रेस ने भी पूरी ताकत झोंकी और पार्टी के सीनियर नेता रणदीप सुरजेवाला के नेतृत्व में एक दर्जन से अधिक नेता तीन हफ्ते के दौरान राज्य में कैंप करते रहे। पार्टी को गठबंधन में 70 सीटें दी गईं। गठबंधन में लेफ्ट को जगह मिलने के बाद उसे भी खुद को राज्य में उभरने का एक मौका मिला है और खासकर माले का कॉडर इस बार जमीन पर सक्रिय दिखा। मध्य बिहार की कई सीटों पर माले का प्रभाव क्षेत्र रहा है। पहले दो चरणों की वोटिंग में कांटे की टक्कर के अनुमान के बाद तीसरे चरण के लिए सभी गठबंधनों ने अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया है। तीसरे चरण वाले मतदान का बड़ा हिस्सा मुस्लिम बहुल माना जाता है। तेजस्वी यादव इस इलाके में दो दिनों तक कैंप करते रहे तो कांग्रेस ने अपना हेडक्वार्टर भी पटना से उठाकर पूर्णिया कर दिया। महागठबंधन की सबसे अधिक कोशिश मुस्लिम-यादव वोट बैंक आगे बढ़ाने की रही है। इसी वजह से तेजस्वी यादव सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की बात करते रहे हैं। प्रचार में लालू प्रसाद का नाम भी कम लिया गया और वे पोस्टर से दूर रखे गए। कुल मिलाकर विपक्षी गठबंधन नीतीश के पंद्रह सालों की एंटी इनकंबेंसी और रोजगार के मुद्दे को ही केंद्र में रखकर चुनाव लड़ता रहा।

जेडीयू और बीजेपी की अगुआई वाला एनडीए चुनाव में उतरा तो शुरू में उसकी जीत पर कोई संदेह नहीं था। मोदी और नीतीश की जोड़ी को अजेय माना जा रहा था। एनडीए को न तो एंटी इनकंबेंसी फैक्टर का असर दिखने का अंदाजा था और न ही तेजस्वी से परिपक्वता दिखाने की कोई आशंका थी लेकिन लेकिन चुनाव अभियान जैसे जैसे आगे बढ़ा, एनडीए को जमीनी हालात देखकर परेशानी का सामना करना पड़ा। एनडीए ने अपना प्रचार मूल रूप से केंद्र और राज्य सरकार के कामकाज पर ही केंद्रित किया। अभियान के दौरान एनडीए को अपनी चुनावी रणनीति भी बदलनी पड़ी। महागठबंधन के आक्रामक चुनाव अभियान को काउंटर करने के लिए आक्रामक तेवर अपनाने का फैसला हुआ। दूसरे चरण से ठीक पहले नरेंद्र मोदी की अगुआई में एनडीए ने जंगलराज की याद ताजा करते हुए तगड़ा हमला किया। फिर पूरा एनडीए विपक्ष पर हमलावर हुआ। एनडीए की मूल चिंता अपने वोट बैंक के बिखराव को रोकने की रही है। रणनीति बदलने के बाद एनडीए नेताओं को भरोसा है कि वे अपने वोट बैंक का बिखराव रोकने में कामयाब रहे हैं। जो संदेश वे वोटर तक पहुंचाना चाहते थे, उसमें भी वे कामयाब रहे हैं। नीतीश कुमार ने महिला वोटरों को अपने पक्ष में बनाए रखने में पूरी ताकत लगाई। दूसरे चरण में महिलाओं का पुरुष के मुकाबले पड़े 6 फीसदी से अधिक वोट को एनडीए ने अपने पक्ष में माना। साथ ही अंतिम चरण में मुस्लिम बहुल सीटों पर ध्रुवीकरण के कारण एनडीए का मानना है कि उसे लाभ होगा। इसके पीछे हालिया ट्रेंड भी है जिसमें ऐसी सीटों पर बीजेपी उम्मीद से बेहतर करती रही है। कुल मिलाकर एनडीए ने शुरू में लड़खड़ाने के बाद संभलने का संदेश दिया। एनडीए की तरफ से यह उम्मीद भी की जा रही थी कि महागठबंधन का कोई न कोई नेता हिट विकेट होकर उसे बढ़त बनाने का मौका दे देगा लेकिन इस बार महागठबंधन के नेताओं ने इस तरह के मौके एनडीए को दिए नहीं।

## पश्चिम बंगाल में बोले अमित शाह

# दो-तिहाई बहुमत से बनाएंगे सरकार

**अमित शाह का ममता बनर्जी पर बड़ा अटैक, कहा- भतीजे, वोटबैंक और जनता के लिए अलग-अलग कानून**

केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह पश्चिम बंगाल दौरे उन्होंने वे बांकुरा पहुंचे हैं। यहां उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा को पुष्पांजलि अर्पित की। वे यहां भाजपा संगठन की बैठक में हिस्सा लेने के साथ आदिवासी के घर भोजन करेंगे। माना जा रहा है कि शाह का यह दौरा अगले साल राज्य में होने वाले चुनाव की तैयारियों की शुरुआत है। राज्य पहुंचकर उन्होंने कहा, कल रात से मैं बंगाल में हूं। जहां भी मैं गया, इसी प्रकार का उत्साह और ताकत दिखाई पड़ती है। एक तरफ ममता सरकार के खिलाफ भयंकर जन आक्रोश दिखाई पड़ता है। दूसरी ओर नरेंद्र मोदी जी के प्रति एक आशा और श्रद्धा दिखती है कि बंगाल में परिवर्तन मोदी जी के नेतृत्व में ही आ सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, मैं लोगों की नजर में पश्चिम बंगाल में बदलाव की उम्मीद देख सकता हूं जो हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में ही संभव है। मैं यहां बंगाल के लोगों से अपील कर रहा हूं कि इसके सीमावर्ती राज्य और देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अपने युवाओं को रोजगार देने के लिए, आपको ममता सरकार के स्थान पर भाजपा सरकार बनाने की

जरूरत है। हम फिर से सोनार बांग्लाबनाएंगे। शाह ने कहा, गरीबों, दलितों और पिछड़े वर्गों को लाभ पहुंचाने वाली मोदी सरकार की 80 से अधिक योजनाएं पश्चिम बंगाल में जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच रही हैं और यह समय बदलाव लाने का है। मैं यह आश्वासन दे सकता हूं कि आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, जिस प्रकार के दमन का चक्र, विशेषकर भाजपा के कार्यकर्ताओं पर ममता सरकार ने चलाया है, मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि ममता सरकार का आखिरी समय आ गया है और आने वाले दिनों में यहां भाजपा की सरकार दो तिहाई बहुमत से बनने जा रही है। गृहमंत्री अमित शाह ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जोरदार हमला किया और 200 से अधिक सीटों के साथ राज्य में बीजेपी की सरकार बनाने का दावि किया है। अमित शाह ने कहा कि ममता बनर्जी ने प्रशासन का राजनीतिकरण कर दिया है, राजनीति का अपराधीकरण कर दिया तो भ्रष्टाचार को संस्थागत कर दिया है। उन्होंने कहा कि टीएमसी कैडर ने साइक्लोन और कोरोना महामारी में सहायता वितरण में भी भ्रष्टाचार किया। टीएमसी सरकार पर तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए गृहमंत्री ने कहा कि बंगाल में कई लोगों के मन में दूसरी श्रेणी के नागरिक होने की भावना है। उन्होंने कहा, बंगाल में तीन तरह के कानून हैं, भतीजे के लिए अलग, अपने वोट बैंक के लिए अलग, आप समझ ही रहे होंगे कि मैं क्या कह रहा हूं, और जनता के लिए अलग कानून है।

# देशभर में सुर्खियों में रहा उपचुनाव

मध्य प्रदेश का हालिया उपचुनाव आचार संहिता के उल्लंघन और आपत्तिजनक बयानबाजियों के लिये सुर्खियों में रहा है। राजनेताओं की फिसलती जुबान और फिर यह कहने की परंपरा पुरानी है कि उनका यह मंतव्य नहीं था। कुछ मामलों में चुनाव आयोग कार्रवाई करता भी है लेकिन आम धारणा है कि केंद्र में सत्तारूढ़ दल के प्रति आयोग का रवैया उदार रहता है। निस्संदेह आयोग को इस तरह की आलोचनाओं का सामना करना चाहिए और अपनी विश्वसनीयता बनाये रखने के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए क्योंकि भारतीय लोकतंत्र की बुनियाद चुनाव कराने वाली प्रतिनिधि संस्था चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर टिकी है। हाल ही में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता कमलनाथ विवादों में रहे। यह मामला एक महिला नेत्री को लेकर व्यक्त किये गये उनके अभद्र संबोधन को लेकर था, जिस पर खासा राजनीतिक विवाद हुआ। जिसकी चुनाव आयोग से शिकायत भी की गई। निस्संदेह कोरोना काल में चुनाव को सुरक्षा और संक्रमण रोकने के प्रयासों के बीच कराना बड़ी चुनौती रहा है। इसी चुनौती के साथ बिहार विधानसभा और मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों के उपचुनाव भी शामिल रहे। इसी बीच कमलनाथ की विवादित टिप्पणी पर राज्य सरकार ने चुनाव आयोग से शिकायत की। आयोग ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए कमलनाथ का कांग्रेस पार्टी में स्टार प्रचारक का दर्जा छीन लिया। इस निर्णय को राजनीतिक दबाव में लिया गया निर्णय बताते हुए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने देश की शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इसके उपरांत सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के स्टार प्रचारक के दर्जे को रद्द किया गया था। दरअसल, अदालत की प्रतिक्रिया थी कि इस कार्रवाई में पूरी प्रक्रिया का निर्वहन नहीं हुआ। साथ ही आयोग की कार्रवाई पर सवाल उठाया गया कि किसी राजनीतिक दल के ऐसे निर्णयों पर क्या आयोग को दखल देने का अधिकार है? दरअसल, कमलनाथ द्वारा भाजपा प्रत्याशी इमरती देवी के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को पार्टी ने लपक लिया। यहां तक कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह इसके

विरोध में हुए कार्यक्रम में भागीदारी करते नजर आये। दरअसल, महिलाओं से जुड़े संवेदनशील मुद्दे को चुनाव अभियान में राजनीतिक हथियार बनाने की कोशिश हुई। वहीं चुनाव आयोग का आरोप रहा है कि कमलनाथ ने बार-बार आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है। साथ ही इस बाबत जारी एडवाइजरी को पूरी तरह अस्वीकृत कर दिया। वहीं दूसरी ओर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का आरोप था कि आयोग ने बिना कारण बताओ नोटिस जारी किये तथा बिना शिकायत की सुनवाई किये ही उनके खिलाफ कार्रवाई कर दी। मामले में सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से पूछा कि आयोग इस बात का निर्धारण कैसे करेगा कि किसी राजनीतिक दल का नेता कौन होगा? वहीं चुनाव आयोग का कहना था कि वादी की दलीलें निष्प्रभावी हैं क्योंकि फैसला चुनाव अभियान को प्रभावित नहीं करता। बहरहाल यह पहला मौका नहीं है जब चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों पर चुनाव आयोग द्वारा सत्तारूढ़ दल के पक्ष में उदारता दिखाने के आरोप लगे हों। निस्संदेह चुनाव आयोग को इस तरह के आरोपों से सतर्क रहने और पक्षपातपूर्ण कहे जाने वाले फैसलों से बचने की जरूरत है। सही मायनो में यदि चुनाव आयोग सभी तरह की शिकायतों से निपटने के लिये एक जैसे मानकों को अपनाता है तो किसी भी पक्ष को उसके फैसलों पर संदेह करने का मौका नहीं मिलेगा। उल्लेखनीय है कि इस साल की शुरुआत में चुनाव आयोग ने भाजपा को आदेश दिया था कि वह विवादित भाषणों के चलते दिल्ली विधानसभा के चुनाव में स्टार प्रचारकों की लिस्ट में से कुछ नेताओं के नाम हटाये। साथ ही चुनाव आयोग ने कुछ दिनों के लिये ऐसे नेताओं को चुनाव प्रचार करने तक से रोक दिया था क्योंकि नोटिस के जवाब में उनके तर्क असंतोषजनक पाये गये थे। निस्संदेह ऐसी प्रक्रिया कमलनाथ के मामले में नहीं दोहरायी गई। तभी उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया। ऐसे में आयोग से निष्पक्ष व्यवहार की उम्मीद की जानी चाहिए।

# अमेरिकी चुनावः साल 1900 के बाद इस बार रिकॉर्ड मतदान, 16 करोड़ लोगों ने डाला वोट

अमेरिका में इस वर्ष हुए राष्ट्रपति चुनाव में करीब 16 करोड़ लोगों ने अपने मताधिकारों का इस्तेमाल किया है। 120 साल के इतिहास में यह ऐसा पहला चुनाव है, जिसमें सबसे अधिक मतदान हुआ है। इस बार वर्ष 1900 के बाद सर्वाधिक मतदान हुआ है। वहीं, चुनाव पर नजर रखने वाली साइट यूएस इलेक्शन प्रोजेक्ट के प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक इस वर्ष 23 करोड़ 90 लाख लोग मतदान करने के योग्य थे। उनमें से करीब 16 करोड़ लोगों ने मतदान किया। आने वाले सप्ताह में यह संख्या और बढ़ सकती है। इस बार तीन नवंबर के चुनाव में रिकॉर्ड 66.9 फीसदी मतदान हुआ, जो वर्ष 1900 के बाद का सर्वाधिक मतदान है। वर्ष 1900 के चुनाव में 73.7 फीसदी मतदान हुआ था। यूएस इलेक्शन प्रोजेक्ट के प्रमुख एवं फ्लोरिडा विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर माइकल पी मैकडॉनल्ड ने कहा कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में 120 वर्षों में मतदान दर सर्वाधिक रही। यूएस इलेक्शन प्रोजेक्ट के अनुसार मिनेसोटा और मेन में इस वर्ष सर्वाधिक 79.2 प्रतिशत मतदान हुआ, उसके बाद आयोवा में यह 78.6 प्रतिशत रहा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मेन और आयोवा से जीते हैं और मिनेसोटा से बाइडेन ने जीत दर्ज की है। अमेरिका का राष्ट्रपत कौन होगा, इसके लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। हालांकि, अब तक के नतीजों से साफ है कि डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन की रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर बढ़त बरकरार है। इस बीच शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) एक बार फिर से जो बाइडेन ने अपने समर्थकों और अमेरिकी नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की और ट्रंप का नाम लिए

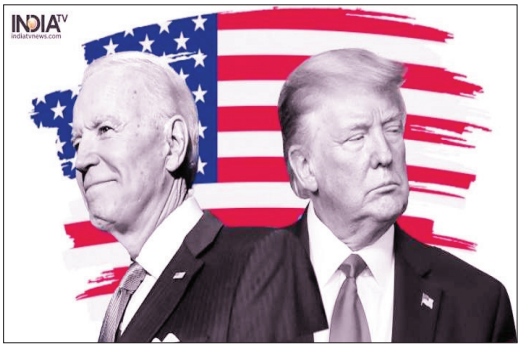


बगैर कहा कि हम विरोधी हो सकते हैं, मगर दुश्मन नहीं। डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडन ने अमेरिकियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम इस रेस में जीतने जा रहे हैं। बता दें कि व्हाइट हाउस पहुंचने के लिए किसी को भी 538 इलेक्टोरल कॉलेज वोट में से 270 वोट हासिल करना जरूरी है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार जो बाइडेन ने कहा कि हम 300 से अधिक इलेक्टोरल कॉलेज वोट हासिल करने की राह पर हैं। हम इस वायरस को नियंत्रित करने के लिए पहले ही दिन से अपनी योजना को अमल में लाने जा रहे हैं। उन्होंने अपने समर्थकों से कहा कि जो परिणाम आए हैं, उससे पता चल रहा है कि कौन जीत रहा है। उन्होंने कहा, अभी चुनाव के नतीजों की फाइनल घोषणा नहीं हुई है, मगर नतीजों के नंबर हमारी कहानी बयां कर रहे हैं कि हम जीत रहे हैं। हम इस रेस को जीतने जा रहे हैं। उनका यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब अब से 24 घंटे पहले डेमोक्रेट पेंसिल्वेनिया और जॉर्जिया में पीछे चल रहे थे मगर वर्तमान में दोनों राज्यों में डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन लीड कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम एरिजोना में जीत रहे हैं, हम नेवाडा में जीत रहे हैं, सच कहें तो नेवाडा में हम दोगुने के अंतर से लीड कर रहे हैं। हमें यहां 74 मिलियन से अधिक वोट मिले हैं और हमारे साथ देश है। मुझे गर्व है कि हमने पूरे अमेरिका में कितना अच्छा प्रदर्शन किया है। हमने 2016 में उखड़ी हुई नीली दीवार को फिर से बनाया है। हम 24 साल बाद एरिज़ोना और 28 साल बाद जॉर्जिया को जीतेंगे। जो बाइडेन के साथ कमला हैरिस भी थीं, जो डेमोक्रेट की ओर से उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैं। उन्होंने वोटों की गिनती के दौरान अमेरिकी नागरिकों से संयम बरतने और शांत रहने की अपील की। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी नागरिकों ने डेमोक्रेट्स को कोरोना वायरस संकट, आर्थिक मंदी और नस्लवाद की समस्या पर कार्रवाई करने के लिए चुना है।

# देश की नींव कमजोर करने वाले हैं नए कृषि कानूनः राहुल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, मुझे दुख हो रहा है कि देश में किसानों पर आक्रमण हो रहा है। मैंने कुछ दिनों पहले बिहार में चुनावी भाषण में कहा था कि समर्थन मूल्य और मंडियों की जरूरी जगह है। यह किसानों और मजदूरों की रक्षा करते हैं। यदि इस व्यवस्था को खत्म कर देंगे, तब हमारे किसान और मजदूर नष्ट हो जाएंगे। नींव कमजोर हो जाएगी। इसलिए हम कृषि से संबंधित तीन कानूनों के खिलाफ पूरे देश में लड़ रहे हैं। राहुल ने कहा, उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा है कि इस विषय पर वह फिर से सोचें। मंडी और समर्थन मूल्य की प्रणाली में कोई कमी है, तब उसे सुधारा जाए, लेकिन व्यवस्था को खत्म न किया जाए। मुझे पूरा भरोसा है कि देश के किसानों की भावनाएं सामने आएंगी, तब प्रधानमंत्री किसानों की भावनाओं को समझते हुए इन तीन कानूनों पर पुनर्विचार करेंगे। राज्योत्सव के प्रथम चरण के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य के 18.38 लाख किसानों के खाते में राजीव गांधी किसान न्याय योजना की तीसरी किश्त का अंतरण किया। वहीं इस कार्यक्रम में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल योजना और मुख्यमंत्री शहरी झुग्गी बस्ती स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत राज्य के 30 नगरीय झुग्गी इलाकों में सचल अस्पताल सह प्रयोगशाला का शुभारंभ किया गया। गांधी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के पास जल, जंगल, जमीन सब है। छत्तीसगढ़ गरीब प्रदेश नहीं है, यहां की जनता गरीब है। छत्तीसगढ़ में जो धन है वह चुने हुए हाथों में नहीं जाना चाहिए। यह धन प्रत्येक नागरिक का है। सभी के हाथ में जाना चाहिए। यह छत्तीसगढ़ को बनाने के लिए जाना चाहिए। स्कूल और कॉलेज में जाना चाहिए विश्वविद्यालय, अस्पताल खोलने में जाना चाहिए। मुझे खुशी है कि हमारी पूरी टीम मिलकर छत्तीसगढ़ में यह काम कर रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ उनके मंत्रिमंडल के सदस्य, विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत, नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक समेत राज्य के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश के लोगों से झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए कहा कि झूठ बोलने के मामले में प्रधानमंत्री का कोई मुकाबला नहीं है। गांधी ने पश्चिम चंपारण जिले के मधुबनी प्रखंड के दौनहा मिडिल स्कूल मैदान में एक चुनावी सभा में रोजगार एवं कृषि सुधार कानून के मुद्दे पर मोदी पर जमकर निशाना साधा और कहा कि प्रधानमंत्री ने दो करोड़ रोजगार की बात कही थी। अब यदि प्रधानमंत्री दो करोड़ रोजगार की बात बोल दें तो शायद भीड़ उन्हें भगा देगी। कुछ साल पहले मोदी यहां आए थे और कहा था कि ये गन्ने का इलाका है, चीनी मिल चालू करूंगा और अगली बार आऊंगा तो यहां की चीनी चाय में मिलाकर पिऊंगा। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि पिछले वादे के अनुसार प्रधानमंत्री ने यहां के लोगों के साथ चाय नहीं पी। कांग्रेस नेता ने रोजगार का मुद्दा उठाया और मोदी के साथ-साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भी आलोचना करते हुए कहा कि बिहार के लोगों को दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, बेंगलुरु में रोजगार मिलता है लेकिन बिहार में नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि रोजगार उपलब्ध नहीं करा पाने के लिए कुमार और मोदी सीधे तौर पर जिम्मेवार हैं। गांधी ने कहा, ''हम रोजगार देना जानते हैं, बाकी तमाम विकास करना जानते हैं लेकिन हमारे अंदर एक कमी है। मैं इस बात को स्वीकारता हूं कि हम झूठ बोलना नहीं जानते हैं, इस मामले में हमारा उनसे कोई मुकाबला ही नहीं है।'' कांग्रेस नेता ने कृषि कानूनों

का मुद्दा उठाते हुए कहा कि आम तौर पर दशहरे पर रावण के पुतले जलाए जाते हैं लेकिन पंजाब में इस बार प्रधानमंत्री और अडाणी के पुतले जलाए गए। इस बार पूरे पंजाब में दशहरा पर रावण नहीं बल्कि मोदी के साथ उद्योगपति अंबानी और अडाणी के पुतले जलाये गये। ये दुख की बात है, लेकिन ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि किसान परेशान हैं। गांधी ने लॉकडाउन के दौरान पैदल चलकर बिहार लौटे पर मजदूरों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि देश के विभिन्न इलाकों में कार्यरत लाखों मजदूरों के लिए प्रधानमंत्री ने कोई इंतजाम नहीं किया। मजदूरों को मजबूरन पैदल ही अपने घर लौटने को मजबूर होना पड़ा।

# साहस, शौर्य और समर्पण की मिसाल भारतीय नौसेना

इंडियन एयरफोर्स डे की 88वीं परेड गुरुवार को उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद स्थित हिंडन एयरबेस पर हुई। इसमें पहली बार राफेल जेट भी शामिल हुआ। राफेल ने हॉकी के मैदान से भी छोटे रेडियस में टर्न कर 8 की शेप बनाई। सेरेमनी में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत, आर्मी चीफ जनरल मनोज मुकुंद नरवणे, चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल करमबीर सिंह और एयरफोर्स चीफ एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया मौजूद रहे। भदौरिया ने कहा कि उत्तरी सीमा पर मौजूदा विवाद के बीच हमारे एयर वॉरियर्स ने जोरदार तेजी दिखाई। हमने कम समय में लड़ाकू एसेट्स तैनात किए और आर्मी की सभी जरूरतों को देखते हुए सपोर्ट दिया। इस बार परेड में कुल 56 एयरक्राफ्ट्स ने हिस्सा लिया। फ्लाइ पास्ट में राफेल के अलावा, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस, जगुआर, मिग-29, मिग-21, सुखोई-30 भी शामिल हुए। एयरफोर्स चीफ भदौरिया ने अपने संबोधन में कहा,भारतीय वायुसेना ट्रांसफॉर्मेशनल

बदलाव के दौर में है। हम एक ऐसे दौर में जा रहे हैं, जिसमें नए सिरे से वायुसेना की ताकत का इस्तेमाल होगा और इंटीग्रेटेड मल्टी-डोमेन ऑपरेशंस चलाए जाएंगे। यह साल असाधारण है। दुनियाभर में कोरोना संक्रमण के बीच हमारे देश का रेस्पॉन्स मजबूत रहा। हमारे एयर वॉरियर्स के संकल्प को देखते हुए यह तय है कि वायुसेना मौजूदा दौर में पूरी क्षमता के साथ काम करती रहेगी। मैं देश को भरोसा देना चाहता हूं कि वायुसेना हर हाल में देश की सुरक्षा के लिए तैयार रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वायुसेना की जानकारी से जुड़ा वीडियो शेयर कर जवानों को बधाई दी। उन्होंने लिखा, एयर फोर्स डे पर भारतीय वायुसेना के सभी वीर योद्धाओं को बहुत-बहुत बधाई। आप न सिर्फ देश के आसमान को सुरक्षित रखते हैं, बल्कि आपदा के समय मानवता की सेवा में भी अग्रणी भूमिका निभाते हैं। मां भारती की रक्षा के लिए आपका साहस, शौर्य और समर्पण हर किसी को प्रेरित करने वाला है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने लिखा, हमें अपने एयर वॉरियर और उनके परिवारों पर गर्व है। हमारे आसमान की सुरक्षा करने और आपदा के वक्त मदद करने के लिए देश वायुसेना का कर्जदार है। 2 इंजन वाले राफेल फाइटर जेट में 2 पायलट बैठ सकते हैं। यह जेट एक मिनट में 60 हजार फुट की ऊंचाई तक जा सकता है। इसी साल 29 जुलाई को फ्रांस से 5 राफेल जेट भारत आए थे। इन्हें 10 सितंबर को एयरफोर्स में शामिल किया गया था। अभी भारत को 36 राफेल विमान मिलने हैं, जिनमें 18 अंबाला और 18 बंगाल के हासीमारा एयरबेस पर रखे जाएंगे। हासीमारा एयरबेस चीन और भूटान सीमा के करीब है।

# रक्षा मंत्री राजनाथ की दो टूक, कहा–भारत अपनी संप्रभुता और अखंडता की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत 'एकपक्षवाद और आक्रामकता' से अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। सिंह का यह बयान पूर्वी लद्दाख में सीमा पर चीन के साथ सात महीने से जारी गतिरोध के बीच आया है। रक्षामंत्री ने साथ ही कहा कि भारत संवाद से मतभेदों के शांतिपूर्ण समाधान को महत्व देता है और सीमा पर शांति कायम रखने से जुड़े विभिन्न समझौतों का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय द्वारा आयोजित डिजिटल संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, बहरहाल, भारत एकपक्षवाद और आक्रामकता से अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत शांतिप्रिय देश है और उसका मानना है कि मतभेद, विवाद में तब्दील नहीं होने चाहिए। गौरतलब है कि भारत और चीन के बीच सीमा पर गतिरोध की शुरुआत छह मई को हुई और इससे दोनों देशों के रिश्ते काफी प्रभावित हुए हैं। दोनों पक्ष गतिरोध दूर करने के लिए राजनयिक और सैन्य स्तर पर कई दौर की बातचीत कर चुके हैं। अबतक गतिरोध का समाधान नहीं निकला है।भारत और चीन के बीच आठवें दौर की कोर कमांडर स्तर की वार्ता शुक्रवार को होने की उम्मीद है। राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में भारत की सैन्य शक्ति बढ़ाने और रक्षा क्षेत्र के साजो-सामान का घरेलू स्तर पर उत्पादन के लिए उठाए जा रहे कदमों का भी उल्लेख किया। सिंह ने कहा, युद्ध रोकने की प्रतिरोधी क्षमता हासिल कर के ही शांति सुनिश्चित की जा सकती है। हमने क्षमता विकास और स्वदेशीकरण के साथ प्रतिरोधी क्षमता निर्माण करने की कोशिश की है। रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान के बारे में कहा कि वह आतंकवाद को राजकीय नीति के तौर पर इस्तेमाल करने पर आमादा है।

## देश की भूमि का एक इंच भी किसी को लेने नहीं देंगे

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में एक अहम सैन्य अड्डे पर शस्त्र पूजा की। इस सैन्य केंद्र पर सिक्किम सेक्टर में चीन से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की रक्षा की जिम्मेदारी है। जब रक्षा मंत्री भारतीय सेना की 33 कोर के सुकना स्थित मुख्यालय में पूजा कर रहे थे, उस समय सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे तथा सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अधिकारियों ने बताया कि सिंह को सिक्किम में वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास ऊंचाई वाले सीमावर्ती इलाके शेरथांग में पूजा करने का कार्यक्रम था, लेकिन वह खराब मौसम की वजह से वहां नहीं जा सके। रणनीतिक तौर पर अहम सैन्य अड्डे पर सिंह ने ऐसे समय शस्त्र पूजा की है जब भारत और चीन के बीच बीते पांच महीने से पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में गतिरोध चल रहा है। गतिरोध का हवाला देते हुए सिंह ने कहा कि भारत तनाव को खत्म करना और शांति बहाल करना चाहता है। साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि भारत के सशस्त्र बल देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के लिए समर्पित हैं और वे देश की भूमि का एक इंच भी किसी को लेने नहीं देंगे। उन्होंने कहा, भारत तनाव खत्म करना और शांति बहाल करना चाहता है। मुझे पूरा यकीन है कि हमारी सेना भारत की एक इंच भी भूमि अन्य के हाथों में नहीं पड़ने देगी। सिंह दशहरा पर पिछले कई साल से शस्त्र पूजा कर रहे हैं। उन्होंने राजग की पिछली सरकार के कार्यकाल में गृह मंत्री रहने के दौरान भी यह पूजा की थी। भारतीय सेना पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ तनाव के मद्देनजर बहुत ऊंचाई वाले इलाकों में स्थित एलएसी पर सतर्क है। दोनों पक्षों ने इस गतिरोध को खत्म करने के लिए राजनयिक और सैन्य स्तर की वार्ताएं की हैं लेकिन कोई कामयाबी नहीं मिली। जवानों के एक समूह को शनिवार शाम को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा था कि भारत ने हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन समय-समय पर ऐसे हालात पैदा हुए जब देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए उसके सशस्त्र बलों को सर्वोच्च बलिदान देना पड़ा।

# बेरोजगारी से बढ़ता असंतोष

आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन इस देश के लिए कोई नई बात नहीं है। हालांकि कुछ लोगों को यह बात थोड़ी अजीब जरूर लग सकती है कि इस समय जब देश एक महामारी से संघर्ष कर रहा है, तब आंदोलन जैसी कोई बात नहीं होनी चाहिए। ऐसे आंदोलन मास्क लगाकर नहीं होते और सामाजिक दूरी का कोई सिद्धांत यहां नहीं दिखता है। लेकिन यह भी सच है कि ऐसे आंदोलन अक्सर असंतोष की उपज होते हैं और इस समय असंतोष चरम पर है। लॉकडाउन शुरू होने के बाद जिस तरह देश में बेरोजगारी बढ़ी है, उसे देखते हुए असंतोष के कारणों को समझा जा सकता है। ऐसे में, जब अर्थव्यवस्था के पटरी पर लौटने के दावे किए जा रहे हैं, बेरोजगारी कम होने के बजाय बढ़ रही है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी द्वारा जारी आंकड़े बता रहे हैं कि सितंबर के मुकाबले अक्तूबर में बेरोजगारी दर और बढ़ी है। भारत में राजनीति हमेशा से ही कुछ इस तरह से चलती रही है कि लोग रोजगार की मांग को लेकर सड़कों पर उतना नहीं उतरते, जितना आरक्षण की मांग को लेकर उतरते हैं। हालांकि यह आंदोलन चलाने वाले भी जानते हैं कि इसके जरिए कुछ लोगों को नौकरी जरूर मिल सकती है, लेकिन इससे पूरी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। राजस्थान में गुर्जर समुदाय के आंदोलनकारी फिलहाल आरक्षण की मांग को लेकर जिस तरह से सड़कों और रेल पटरियों पर जमे हुए हैं, उनके असंतोष को भी हमें इसी तरह से समझना होगा। वैसे गुर्जर समुदाय को पिछड़ी जाति के तौर पर आरक्षण का लाभ दिया जाता है, लेकिन यह आरक्षण उन्हें संतुष्ट करने में समर्थ नहीं है और वे चाहते हैं कि उन्हें अति-पिछड़ी जाति के तौर पर आरक्षण दिया जाए। वैसे यह मांग भी कोई नई नहीं है और कई बार पहले भी उठ चुकी है। एकाध बार तो ऐसे आंदोलन सामुदायिक तनाव और संघर्ष में भी बदले हैं, लेकिन आमतौर पर ऐसे आंदोलन चुनाव के आस-पास होते हैं और उन्हें राजनीति का हिस्सा मान लिया जाता है। लेकिन इस

बार जहां आंदोलन चल रहा है, वहां कोई चुनाव सामने नहीं है, इसीलिए इस असंतोष को बढ़ती बेरोजगारी के संदर्भ में समझना जरूरी है। आमतौर पर ऐसे आंदोलनों की आग में एक और चीज घी डालने का काम करती है, वह है कृषक समुदाय की बदहाली। लगातार बदहाली के कारण अब किसान परिवारों के युवा कृषि में अपना भविष्य नहीं देखते, लेकिन जब वे अपने पुश्तैनी काम के बाहर कोई रोजगार खोजते हैं, तो इसके अवसर वहां बहुत ज्यादा उपलब्ध नहीं हैं। उन्हें लगता है कि आरक्षण उनके अवसरों को थोड़ा बढ़ा सकता है। फिर अपने देश में जो राजनीति चल रही है, उसमें आरक्षण सिर्फ समुदाय के सामाजिक उत्थान का ही मामला नहीं है, बल्कि उसकी राजनीतिक ताकत का प्रतीक भी बन गया है। सरकारों के लिए यह संकट का समय भी होता है और उसके राजनीतिक कौशल की परीक्षा का भी। अगर आप सीधे से आरक्षण दे दें, तो कई दूसरे समुदायों के संगठन भी ऐसी ही मांग के साथ आगे आ जाएंगे। पिछले दिनों केरल में आर्थिक रूप से कमजोर तबकों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई, तो इसके खिलाफ ही आंदोलन शुरू हो गया। इस असंतोष का सही समाधान तो बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर

# पंजाब के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा केंद्र

पंजाब कांग्रेस कृषि कानूनों समेत अन्य मुद्दों को लेकर राजधानी दिल्ली में है. खुद मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह समे लाव लश्कर के साथ दिल्ली पहुंचे हैं. इस दौरान उन्होंने अपने मुद्दों को लेकर राष्ट्रपति से मिलने की इच्छा जाहिर की. राष्ट्रपति ने मिलने की लिए वक्त नहीं दिया तो मुख्यमंत्री मंत्री और वरिष्ठ नेता नवजोत सिंह सिद्धू समेत तमाम कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता जंतर मंतर पहुंचे. यहां प्रदर्शन के बाद राजघाट पर धरने पर बैठ गए. इस दौरान मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने कहा कि मैंने यह स्पष्ट कर दिया है कि केंद्र का हमारे किसानों के प्रति रवैया और राज्य के अधिकारों को कम आंकना सही नहीं है. सीएम के तौर पर मेरे राज्य और मेरे लोगों की सुरक्षा और सुविधा का ध्यान रखना मेरा काम है. उन्होंने कहा कि ये कोई मोर्चा बंदी नहीं है, बल्कि अपनी आवाज को पहुंचाने का तरीका है.

सीएम ने केंद्र सरकार पर सौतेले व्यवहार का आरोप भी लगाया. उन्होंने कहा कि हम राष्ट्रीय ग्रिड से उन फंडों से बिजली खरीद रहे हैं, जिनके साथ हम बचे हैं. यही नहीं त्रैमासिक जीएसटी प्राप्त करने की संवैधानिक गारंटी मार्च से पूरी नहीं हुई है और लंबित है. 10,000 करोड़ रुपए अब तक देय है. ऐसा सौतेला व्यवहार ठीक नहीं है. सीएम अमरिंदर ने कहा कि हमने प्रदेश के हालातों के बारे में बताने के लिए राष्ट्रपति से समय मांगा, जो उन्होंने नहीं दिया. फिलहाल हमने पीएम से समय नहीं मांगा है, लेकिन सही समय आने पर उनके पास भी जाएंगे. मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के साथ वरिष्ठ नेता नवजोत सिंह सिद्धू भी नजर आए. उन्होंने भी कहा कि प्रदेश के किसानों के और गरीबों के साथ दोहरा व्यवहार कर रही है केंद्र सरकार.

# वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने अपने काम की वजह से नई पहचान बनाई

सत्यदेव शर्मा

इटावा में पुलिस की कमान संभाले वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर 2013 के बेच के आईपीएस अधिकारी हैं इटावा में आते ही उन्होंने पुलिस व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन करते हुए प्रशासनिक व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त की पुलिस की छवि को बहुत हद तक सुधार किया जनमानस की समस्याओं को लेकर गंभीर हुए और उनका तुरंत निराकरण भी कराया शिक्षा के दृष्टिकोण से देखें तो वह स्वयं इंजीनियर हैं और सोशल इंजीनियरिंग का पालन करते हुए उन्होंने जनमानस की समस्या को निजी समस्या समझ कर सदैव त्वरित समाधान के लिए तत्पर रहते हैं ऐसे पुलिस अधीक्षक जनमानस के दिल में अपना वशिष्ठ स्थान बनाते हैं जिसके कारण क्षेत्र में उनकी प्रसिद्धि दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है वह लोकप्रिय प्रशासनिक अधिकारी के तौर पर सदैव जनहित के मुद्दों को आगे रखकर काम करते हैं ऐसे प्रशासनिक अधिकारी सदैव जनता के हितार्थ काम करते हैं कोरोना काल के दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों को सहजता के साथ समझाया तो स्थानी जनमानस ने भी उनकी भावनाओं की कद्र करते हुए पूरा सहयोग प्रदान किया कोरोना महामारी को लोगों ने गंभीरता से लिया और स्वता प्रशासनिक दिशानिर्देशों का पालन कर पुलिस का सहयोग किया एक तरफ वह ईमानदार कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी का रोल अदा करते हैं तो दूसरी ओर सख्त पुलिस अधिकारी बनकर बदमाशों और अपराधियों के प्रति ठोस रवैया अख्तियार करते हैं उनके सख्त व्यवहार से अपराधी भी थरथर कांपते हैं यही कारण है कि उनके आने के बाद क्षेत्र के अपराधी बिलों में दुबक गए हैं या फिर इटावा छोड़कर

दूसरी ओर पलायन कर गए इटावा पुलिस ने चोरी किए गए 55 लाख के 12 ट्रैक्टर पकड़े, ARTO दफ्तर की मिलीभगत से चल रहा था खेल गहनों से भरा पर्स सड़क पर मिला, पुलिसकर्मियों ने महिला को ढूंढकर वापस लौटाय पुलिस द्वारा अवैध रुप से पटाखों का परिवहन करने वाले 02 अभियुक्तों को लगभग 1.5 क्विंटल (अनुमानित कीमत लगभग 1.5 लाख रुपये) पटाखों सहित किया गिरफ्तार।

## भाजपा को पंजाब में पहले नंबर की पार्टी बनाने का संकल्प लेना होगाः नड्डा

भारतीय जनता पार्टी ( भाजपा ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा है कि भाजपा को पंजाब में पहले नंबर की पार्टी बनने का संकल्प लेना होगा। भाजपा अध्यक्ष ने आज यहां पंजाब के पूर्व दिवंगत प्रदेश अध्यक्ष कमल शर्मा की पहली पुण्यतिथि पर आयोजित स्मृति व्याख्यान में कहा कि कमल शर्मा जी को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब भाजपा पंजाब में सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनकर उभरेगी। उन्होंने कहा ''कमल शर्मा का व्यक्तित्व अपने विचारों से लोगों को प्रभावित करने वाला था। उन्होने राष्ट्रवाद के विचारों से ओत प्रोत होकर पूरी ताकत से

भाजपा की विचारधारा को आगे बढ़ाने का काम किया ।''नड्डा ने इस मौके पर बिना किसी राजनीतिक दल का नाम लिए आरोप लगाया ''पंजाब में राजनीतिक दल किसानों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें किसानों के भले से कोई लेना देना नहीं, बल्कि अपना राजनीतिक स्वार्थ सिद्ध करना है। ऐसे में भाजपा की जिम्मेदारी है कि लोगों के सामने सच्चाई आ सके।'' उन्होने कहा कि किसानों की तकदीर बदलने के बारे में किसी ने नहीं सोचा था, अगर किसी ने ये काम गंभीरता से किया तो वह देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं नड्डा ने कहा कि मोदी जी ने स्वामीनाथन रिपोर्ट की धूल फांक रही सिफारिशों को लागू किया किया और किसान को उसके उत्पादों का डेढ़ गुना देने का फैसला किया । इसके अलावा मोदी जी ने वायदे के अनुसार किसान सम्मान योजना निधि की किश्तें जारी की। इस योजना में आठ करोड़ 56 लाख किसानों को दो दो हज़ार की किश्तें जारी की गई। उन्होंने कहा ''क्या किसानों को आज़ादी नहीं मिलनी चाहिए। किसान अगर अपने खेत से कोई उत्पाद पैदा करता है तो उसे कहीं भी बेचने की बंदिश क्यों थी।'' भाजपा अध्यक्ष ने कहा ''मोदी जी ने कृषि कानूनों के जरिए किसान को आजादी देने का काम किया है। अब किसान अपने उत्पादों को कहीं भी और कभी भी बेचने के लिए स्वतंत्र है।'' उन्होने दोहराया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य हमेशा जारी रहेगा बल्कि मोदी सरकार ने उसे बढ़ाया भी है। नड्डा ने पंजाब के मुख्यमंत्री से पूछा ''वह साफ करें कि 2019 के लोकसभा चुनाव के कांग्रेस के घोषणापत्र में लिखा गया था या नहीं कि कांग्रेस आवश्यक वस्तु अधिनियम को निरस्त करेगी और समझौता खेती को सुदृढ़ बनाएगी।

## बिना पटाखों के मनेगी इस साल की दिवाली, किन-किन राज्यों में लगा बैन

कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण और प्रदूषण को देखते हुए देश में इस साल राजधानी दिल्ली समेत कई राज्यों में दिवाली पर पटाखे नहीं छुटेंगे। जिन राज्यों में पटाखों पर बैन लगा है उसमें दिल्ली समेत पश्चिम बंगाल और सिक्किम शामिल हैं। वहीं, इस बार की दिवाली पर चाइनीज पटाखों पर भी प्रशासन की नजर रहेगी। दिल्ली में बेकाबू होते कोरोना और प्रदूषण के मद्देजनर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार शाम कई विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर हालात की समीक्षा की। केजरीवाल ने आज कहा कि बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण दिल्ली में कोविड-19 की स्थिति बदतर होती जा रही है। इसके चलते उन्होंने इस बार भी लोगों से पटाखे नहीं फोड़ने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली इस समय कोविड-19 और बढ़ते वायु प्रदूषण का सामना कर रही है और आप सरकार इससे निपटने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने लोगों से दिवाली पर पटाखे नहीं फोड़ने की

अपील करते हुए कहा कि बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण दिल्ली में कोविड-19 की स्थिति बदतर होती जा रही है। ऐसे में अगर हम इस दिवाली पर पटाखे फोड़ते हैं, तो हम अपने बच्चों और परिवारों के साथ खेल रहे हैं।

## गुर्जर आंदोलन उग्र, चार जिलों में इंटरनेट बंद, 60 ट्रेनें डायवर्ट

राजस्थान में सबसे पिछड़ा वर्ग (एमबीसी) में बैकलॉग की भर्तियों, पांच प्रतिशत आरक्षण सहित अन्य मांगों को लेकर गुर्जरों ने एक बार फिर से आंदोलन शुरू कर दिया है. रविवार को रोडवेज के पांच बड़े डिपो दौसा, हिंडौन, करौली, भरतपुर और बयाना की लगभग 220 बसों को रोक दिया गया. वहीं भरतपुर, करौली, दौसा, सवाई माधोपुर और जयपुर जिले की कई तहसीलों में इंटरनेट सेवाएं बंद हैं. कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के गुट के लोग रविवार को रेलवे ट्रैक पर धरने पर बैठ गए. उनका ये धरना आज सोमवार 2 नवम्बर को भी जारी है. एक प्रदर्शनकारी ने कहा, इस बार हमारा प्रतिनिधिमंडल सरकार के साथ बातचीत करने के लिए कहीं नहीं जाएगा. अगर सरकार बात करना चाहती है, तो वे रेलवे ट्रैक पर आकर हमसे मिल सकती है. गुर्जर आंदोलन की वजह से भरतपुर, करौली, दौसा, सवाई माधोपुर और जयपुर जिले की कई तहसीलों में इंटरनेट सेवा बंद है. प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक की फिश प्लेटें उखाड़ दीं. इसके चलते रविवार को 40 मालगाडियों सहित 60 ट्रेनें डायवर्ट करनी पड़ीं. दिल्ली-मुंबई की ट्रेनों को डायवर्ट करना पड़ा और दो ट्रेनें रद्द करनी पड़ीं.आरक्षण को लेकर प्रदर्शन कर रहे गुर्जर समुदाय ने राज्य की अशोक गहलोत सरकार से पांच प्रतिशत आरक्षण देने की अपनी मांग दोहराई है. इसके अलावा वे समझौता और

घोषणापत्र में वादे के मुताबिक बैकलॉग की भर्तियां निकाले जाने, आरक्षण आंदोलन में मारे गए लोगों के परिजनों को सरकारी नौकरी और मुआवजा देने, आरक्षण विधेयक को नौवीं अनुसूची में शामिल करने, एमबीसी कोटे से भर्ती 1252 कर्मचारियों को रेगुलर पे-स्केल देने और देव नारायण योजना में विकास योजनाओं के लिए बजट दिए जाने की भी मांग कर रहे हैं. अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली सरकार की तरफ से खेल मंत्री अशोक चांदना रविवार को कर्नल बैंसला से बात करने के लिए गए थे, लेकिन उन्हें खाली हाथ ही जयपुर वापस लौटना पड़ा.

# अब जम्मू-कश्मीर में कोई भी खरीद सकता है जमीन, मोदी सरकार ने बदला नियम

संविधान के अनुच्छेद 370 और 35ए के निरस्त होने के एक साल बाद केंद्र सरकार ने कई कानूनों में संशोधन करके जम्मू-कश्मीर के बाहर के लोगों के लिए केंद्र शासित प्रदेश में जमीन खरीदने का मार्ग प्रशस्त कर दिया।इस संबंध में जारी एक राजपत्र

अधिसूचना में, केंद्र ने केंद्र शासित प्रदेश में भूमि से संबंधित जम्मू-कश्मीर विकास अधिनियम की धारा 17 से राज्य के स्थायी निवासी वाक्यांश को हटा दिया है। गौरतलब है कि पिछले साल अगस्त में अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35-ए को निरस्त करने से पहले, गैर-निवासी जम्मू-कश्मीर में कोई अचल संपत्ति नहीं खरीद सकते थे। हालांकि, ताजा बदलावों ने गैर-निवासियों के लिए केंद्र शासित प्रदेश में जमीन खरीदने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने संवाददाताओं से कहा कि इन संशोधनों में गैर-कृषकों को कृषि भूमि देने की अनुमति नहीं दी गई है।

# लव जिहाद रोकने के लिए बनाएंगे सख्त कानून, नहीं सुधरे तो राम नाम सत्य की यात्रा निकलेगी: योगी

केवल शादी के लिए धर्म परिवर्तन को वैध नहीं ठहराया जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट की इस टिप्पणी के बाद अब उत्तर प्रदेश की योगी सरकार लव जिहाद पर जल्द अंकुश लगाने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को देवरिया में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि लव जिहाद को रोकने के लिए हम सख्त कानून बनाने जा रहे हैं। कानून बनाने की घोषणा के साथ हीं सीएम योगी ने चेतावनी भी दे डाली। अपने संबोधन में सीएम योगी ने कहा, कल हाईकोर्ट का एक फैसला आया है कि सिर्फ शादी के लिए धर्म परिवर्तन वैध नहीं है। सरकार लव जिहाद पर जल्द अंकुश लगाने जा रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए यह भी कहा कि मैं उन लोगों को चेतावनी देता हूं जो पहचान छिपाते हैं और हमारी बहनों के सम्मान के साथ खेलते हैं। यदि आप नहीं सुधरते हैं तो आपकी राम नाम सत्य यात्रा निकलेगी। सीएम योगी ने कहा, उत्तर प्रदेश में लव जिहाद को कुचलने के लिए हम कड़े क़ानून बनाएंगे। अपनी पहचान छुपाकर हमारी बेटियों की इज़्ज़तसे खिलवाड़ करने वालों को मैं चेतावनी देता हूँ कि वे अगर अपने रास्ते नहीं बदलते है तो उनकी 'राम नाम सत्य' की यात्रा शुरू होगी।

# राजधानी दिल्ली में प्रदूषण और कोरोना की दोहरी मार

राजधानी के मौसम में सर्दी का असर बढ़ने के साथ ही लोगों पर दोहरी मार पड़ रही है। एक तरफ प्रदूषण बढ़ने से आबोहवा दिन प्रतिदिन खराब हो रही है तो पिछले कई दिनों से कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण का प्रकोप भी लगातार बढ़ता ही जा रहा है।दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने राजधानी की आबोहवा का जो सूचकांक जारी किया है वह बहुत ही चिंताजनक है। दिल्ली में आज प्रातःकाल सात बजे प्रदूषण का स्तर 360 है। आकाश में धुआं छाया हुआ है। यह मौसम सांस की बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिये कतई भी अनुकूल नहीं है। डीपीसीसी के अनुसार दिल्ली की हवा आज भी 'बेहद खराब' की श्रेणी में है। राजधानी का अलीपुर इलाका 442 वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के साथ सबसे प्रदूषित क्षेत्र है। रोहिणी में 391 और द्वारका में 390 ,आनंद विहार में 387 जबकि आर के पुरम में एक्यूआई 333 दर्ज किया गया। गुरुवार शाम के आंकड़ों के मुताबिक कोरोना संक्रमण के 3882 नये मामले दर्ज किए गए और 35 मरीजों की मौत हुई है। इस वैश्विक महामारी से राजधानी में कुल संक्रमित 344318 और मरने वालों की संख्या 6163 है।

# मप्र सरकार ने 30 दिन में चौथी बार बाजार से लिया 1 हजार करोड़ का कर्ज

कोरोना महामारी के चलते प्रदेश का आर्थिक संकट लगातार गहराता जा रहा है। शिवराज सरकार 30 दिन में चौथी बार बुधवार को बाजार से 1 हजार करोड़ रुपए का कर्ज लिया है। इससे पहले 7, 13 और 21 अक्टूबर को सरकार ने बाजार से 1-1 हजार करोड़ रुपए का कर्ज ले चुकी है। शिवराज सरकार अपने 7 माह के कार्यकाल में 9वीं बार कर्ज ले रही है। वित्त विभाग के नोटिफिकेशन के मुताबिक, 4 अक्टूबर को एक हजार करोड़ रुपए 20 साल के लिए एक हजार करोड़ रुपए का कर्ज लेने की प्रक्रिया पूरी की गई हैद्य मंत्रालय सूत्रों ने बताया कि सरकार की माली हालत पहले से ही खराब थी। कोरोना के कारण सरकार के राजस्व में भारी कमी आई है। जीएसटी में लगातार कमी के कारण सरकार की आर्थिक संकट की स्थिति में है। सरकार पर जनवरी से अब तक 22 हजार करोड़ का कर्ज बढ़ा है। केंद्र से 4440 करोड़

का अतिरिक्त कर्ज लेने की पात्रता मिली है। नोटिफिकेशन के मुताबिक सरकार विकास कार्यों के लिए यह कर्ज लिया है। मध्य प्रदेश सरकार सिर्फ ब्याज पर ही करीब 15 हजार करोड़ रुपए खर्च कर रही हैद्य 2017 में यह ब्याज 12695 करोड़ों रुपए था, जो 2018 में 14432 करोड रुपए हो गयाद्य जबकि 2019 में 13751 करोड रुपए तथा 2020 में यह बढ़कर 16460 करोड़ रुपए होने की उम्मीद हैद्य सरकार आरबीआई के माध्यम से कर्ज लेती है। इसमें सरकार को यह बताना होता है कि इस राशि को कहां और कैसे खर्च करना है। इसके लिए सरकार नोटिफिकेशन जारी करती है। इसमें कर्ज लेने के कारण की जानकारी दी जाती है। आरबीआई की अनुशंसा के बाद सरकार इस कर्ज को लेती है। यह पैसा आरबीआई में रजिस्टर्ड वित्तीय संस्थाएं देती हैं।

# कृषि का अध्ययन करने के बाद एक सफल उद्यमी कैसे बनें

उद्यमिता आजकल हर जगह पाई जा सकती है। हर पेशे में एक उद्यमी क्षेत्र होता है। उस विशेष क्षेत्र में कृषि निश्चित रूप से बहुत अहम भूमिका निभाता है। उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी। उद्यमिता क्षेत्र के किसान आजकल अपने खेतों को व्यवसाय मानते हैं और वे उन्हें ऐसा ही मानेंगे। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं, वे नई और इनोवेटिव तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और सामान्य तौर पर वे अपनी सामर्थ्य के हिसाब से सब कुछ करेंगे जो उन विचारों के साथ आएंगे जो उनके लाभ को अधिकतम करेंगे, उनके प्रयास को कम करेंगे और उनके व्यवसाय को बढ़ाएंगे।आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए उद्यमियों की भूमिका को मान्यता देते हुए विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर में कई पाठ्य कार्यक्रमों ने छात्रों के उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए एक विषय के रूप में उद्यमिता को शामिल किया है। हालांकि, मौजूदा समय में नौकरियों को भरने के लिए कॉलेज में इस विषय का अध्ययन करने वाले पर्याप्त छात्र नहीं हैं। और इसके परिणामस्वरूप सफल कृषि व्यवसाय चलाने के अनुभव वाले कम लोग ही होंगे। प्रक्रिया का **पहला चरण**- यदि उद्यमिता की अवधारणा के साथ खुद को परिचित करना है तो आपको यह समझने की आवश्यकता है कि उद्यमशीलता क्या है और यह आपके खेत को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

**दूसरा कदम**- कृषि की दुनिया के सभी नए नए विचारों के बारे में सीखना है। नई सामग्रियों और उर्वरकों से लेकर नई मशीनों और प्रौद्योगिकियों तक। इससे आपको अपने खेत को एक वास्तविक बड़े व्यवसाय के रूप में

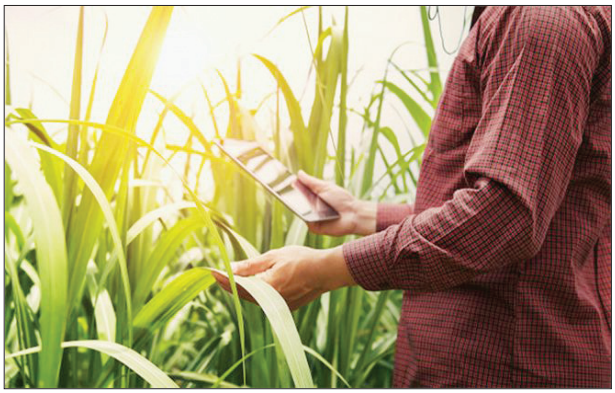

कल्पना करने में और उन सभी छोटी छोटी चीज़ों को व्यवस्थित करने में, जो आपको याद आ रही हैं, काफी मदद मिलेगी।

**तीसरा कदम**- एक साझेदारी बनाना है। एक उद्यमी के रूप में सफल होने के लिए ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी और आपको उन चीजों को प्रदान करने के लिए किसी की आवश्यकता भी संभवतः हो सकती है। उन लोगों के साथ सही साझेदारी बनाएं, जो आपके सपने और सफलता की महत्वाकांक्षा को साझा करते हैं।

**चौथा कदम**- कृषि के क्षेत्र में धमाकेदार के साथ अपना नया स्टार्ट-अप व्यवसाय शुरू करना है। आपको एक बहुत मजबूत और ठोस व्यवसाय योजना की आवश्यकता है। आपको कुछ जोखिम भी उठाने पड़ सकते हैं। यह जानना कि आप किस उद्देश्य से काम कर रहे हैं, सही व्यवसाय योजना बनाना बहुत कठिन काम नहीं है। आपके लिए यह याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि साझेदारी आपके कृषि व्यवसाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि आप वास्तव में सफल उद्यमी बनना चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जो भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं, उसका ठीक से उपयोग करेंगे।

**सब्जी की खेती**-सब्जियां हमारे दैनिक भोजन का एक बड़ा हिस्सा हैं। आप अपने सूप, सलाद, सॉस और सैंडविच में सब्जियों का उपयोग करते हैं और वे अपने उच्च पोषण लाभ और स्वस्थ भोजन तैयार करने के महत्व के कारण उच्च मांग में हैं। सब्जी की खेती के लिए थोड़ी पूंजी की आवश्यकता होती है, क्योंकि आप अपने घर में सब्जी का बागान शुरू कर सकते हैं और अपने पड़ोस में भी अपनी फसल बेच सकते हैं।

# वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में हैं कॅरियर की असीम संभावनाएं

वनस्पति विज्ञान जैविक विज्ञान की एक शाखा है जो पौधों के अध्ययन से संबंधित है। वनस्पति विज्ञान पौधों के विभिन्न समूहों के बीच संरचना, विकास, प्रजनन, चयापचय, विकास, बीमारियों और रासायनिक गुणों और विकासवादी संबंधों का अध्ययन करता है। इसमें तीन सौ हजार से अधिक प्रजातियों के पौधों का अध्ययन किया गया है, जिसमें जमीन पर लगने वाले काई से लेकर विशाल पेड़ तक शामिल हैं। बॉटनी एक करियर के रूप में उन लोगों के लिए सबसे बेहतर माना जाता है, जिनका प्रकृति और पौधों के प्रति आकर्षण है। एक वनस्पति विज्ञानी आधुनिक विज्ञान और उद्योग में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वानस्पतिक अध्ययन ने कई दवाओं और दवाओं के विकास में मदद की है जो पौधों से निकाले जाते हैं और वास्तव में कई बीमारियों से लड़ने में सहायक होते हैं। यह पौधों के उत्पादन में भी मदद करता है जो कपास, रबर, कागज, रेशम, वनस्पति तेलों आदि जैसे प्राकृतिक कच्चे माल प्रदान करते हैं। ऐसे में अगर आप प्रकृति के करीब रहकर उसे गहराई से समझना चाहते हैं तो वनस्पति विज्ञान में अपना एक उज्ज्वल भविष्य देख सकते हैं-

**योग्यता**-वनस्पति विज्ञानी के रूप में कॅरियर के लिए

न्यूनतम आवश्यकता एक स्नातक की डिग्री है। हालांकि स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद आप मास्टर लेवल और डॉक्टरेट लेवल के पाठ्यक्रम भी किए जा सकते हैं। इस क्षेत्र में, वनस्पति विज्ञान के छात्र रुचि के क्षेत्र के अनुसार कई विशेषज्ञता से चुन सकते हैं। जैसे प्लांट पैथोलॉजी, प्लांट फिजियोलॉजी, प्लांट जेनेटिक्स व प्लांट इकोलॉजी आदि।

**कॅरियर की संभावनाएं**-वनस्पति विज्ञानियों के लिए नौकरी की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। एजुकेशन एक्सपर्ट कहते हैं कि उनके लिए विकल्प केवल भारत तक ही सीमित नहीं हैं, कई अवसर विदेशों में भी उपलब्ध हैं। हालांकि उनके जॉब के अवसर उनकी शैक्षणिक योग्यता व अनुभव पर करता है। आप चाहें तो विभिन्न शिक्षण संस्थानों में लेक्चरर या प्रोफेसर के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा, आप बतौर प्लांट साइंटिस्ट्स व वीड साइंटिस्ट्स भी अपना करियर आगे बढ़ा सकते हैं। एक प्लांट साइंटिस्ट्स विभिन्न राज्य विभागों, बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया, पर्यावरण संरक्षण एजेंसी आदि, औषधि कंपनियों, तेल उद्योग, रसायन उद्योग, लकड़ी और कागज़ कंपनियों, आनुवांशिक अनुसंधान उद्योग, वनस्पति उद्यान, नर्सरी, फल उत्पादकों, खाद्य कंपनियों, पुरातात्विक संग्रहालयों में भी काम कर सकतते हैं। इसके अलावा, मेडिकल प्लांट रिसर्च, प्लांट डिसीज, प्लांट ब्रीडिंग और प्लांट जेनेटिक्स जैसे क्षेत्रों में वनस्पति विज्ञानियों की मांग बढ़ रही है। कुछ वनस्पति विज्ञानी जैविक आपूर्ति घरों, बीज कंपनियों, जैव प्रौद्योगिकी फर्मों और दवा निर्माताओं के लिए प्रशासन और विपणन में काम करते हैं।

# सीखिए लैपटॉप रिपेयरिंग और बनाएं उज्ज्वल भविष्य

इस बात में कोई शक नहीं नहीं है कि लैपटॉप आज के समय में हमारे दैनिक जीवन की एक आवश्यकता बन गया है। ऑनलाइन शॉपिंग से लेकर बैंकिंग व ऑफिस के काम आदि निपटाने के लिए हर व्यक्ति लैपटॉप को प्राथमिकता देता है। कुछ समय पहले तक जहां डेस्कटॉप का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब इनसे ज्यादा लैपटॉप को तवज्जो मिलने लगी है, क्योंकि इन्हें इस्तेमाल करना अपेक्षाकृत अधिक सुविधाजनक है। ऐसे में लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में भी कॅरियर की नई संभावनाएं पैदा हुई है। तो चलिए जानते हैं कैसे बनाएं लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर-

### स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के भीतर सीखने की गहन इच्छा होनी चाहिए। इसके अलावा आपको लैपटॉप हार्डवेयर की भी अगर थोड़ी-बहुत जानकारी होगी तो यह आपके लिए अच्छा होगा। इस क्षेत्र में छात्रों में मार्केट में लॉन्च हो रहे नए लैपटॉप व उनकी क्वालिटीज के बारे पता होना चाहिए। टेक्नोलॉजी के अपडेट होने के साथ-साथ अगर आप भी खुद को अपग्रेड रखते हैं तो इससे आपको अतिरिक्त लाभ होगा।

### कोर्स

लैपटॉप रिपेयरिंग के क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों के लिए किसी विशेष शैक्षणिक योग्यता का होना जरूरी है। आप किसी भी स्ट्रीम से दसवीं व बारहवीं के बाद लैपटॉप रिपेयरिंग का कोर्स कर सकते हैं। आप इस क्षेत्र में शार्ट टर्म कोर्स से लेकर सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इनकी अवधि तीन से छह माह तक हो सकती हैं।

### संभावनाएं

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि लैपटॉप रिपेयरिंग कोर्स करने के बाद आपके पास काम की कोई कमी नहीं होती। दरअसल, आज के समय में लैपटॉप हर व्यक्ति की जरूरत बन गया है और इसलिए उसकी रिपेयरिंग के लिए एक्सपर्ट की डिमांड भी बढ़ी है। कोर्स करने के बाद आप लैपटॉप व कंप्यूटर रिपेयर शॉप्स, लैपटॉप सेल्स सेंटर, लैपटॉप शोरूम, लैपटॉप सर्विस सेंटर आदि में काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ समय के अनुभव के बाद आप खुद की लैपटॉप रिपेयरिंग शॉप भी खोल सकते हैं।

### आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी मुख्यतः आपके अनुभव और स्किल्स के आधार पर तय होती है। कोर्स करने के बाद आप शुरूआती दौर में 15000 से 20000 रूपए महीना सैलरी प्राप्त कर सकते हैं। कुछ समय के अनुभव के बाद आपकी सैलरी में इजाफा होता है। इतना ही नहीं, अगर आप खुद की लैपटॉप रिपेयरिंग शॉप खोलते हैं तो आपकी मासिक आमदनी हजारों से लेकर लाखों में हो सकती है।

# अगर आप भी चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहते हैं तो लें यह जरूरी जानकारी

भारत में कुछ बेहद प्रोफेशनल और सम्मानित पाठ्यक्रमों में से एक है चार्टर्ड अकाउंटेंट का पाठ्यक्रम! तमाम कंपनीज की फाइनेंस फॉर्मेलिटीज पूरी करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण जो व्यक्ति होता है, वह चार्टर्ड अकाउंटेंट ही होता है। कंपनी की पूरी की पूरी फाइनेंसियल जिम्मेदारी इस व्यक्ति पर होती है।

खास बात यह है कि इसमें कमाई भी काफी है। ऐसे में अगर आप भी चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहते हैं तो आइए इसके लिए जरूरी आवश्यक जानकारी लेते हैं। कॉमर्स के स्टूडेंट्स के लिए यह बेहद पसंदीदा जॉब मानी जाती है। किसी नागरिक को इनकम टैक्स का रिटर्न भरना हो या फिर फाइनेंशियल प्लानिंग करनी हो, किसी कंपनी की ऑडिट करनी हो, साथ ही टैक्सेशन से लेकर इन्वेस्टमेंट से संबंधित ट्रांजैक्शन हो, उसके लिए सीए के बिना आपका कार्य नहीं चल सकता है। ऐसे में इस कोर्स के लिए आपको कक्षा दसवीं के बाद ही अलर्ट हो जाना होता है। दसवीं के तुरंत बाद आपको इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स आफ इंडिया द्वारा आयोजित की जाने वाली सीपीटी एग्जामिनेशन में भाग लेना पड़ता है। सीपीटी, अर्थात कॉमन प्रोफिशिएंसी टेस्ट और इसमें मुख्य रूप से जनरल इकोनॉमिक्स, मार्केट, एकाउंटिंग जैसे विषय सम्मिलित होते हैं। सीपीटी के बाद आपको आईपीसीसी, अर्थात इंटीग्रेटेड प्रोफेशनल कंप्यूटर कोर्स में एडमिशन लेना पड़ता है। इस प्रोग्राम में अकाउंटेंसी के साथ-साथ ऑडिटिंग, टैक्सेशन, बिजनेस कम्युनिकेशन और इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी के जरूरी अध्याय शामिल किए जाते हैं। यह 12वीं

क्लास के बाद किया जा सकता है। इसमें मुख्य रूप से दो ग्रुप होते हैं और पहले ग्रुप में 4 तथा दूसरे ग्रुप में तीन पेपर शामिल होते हैं। आईपीसीसी के बाद आईटीटी का नंबर आता है, यानी इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी ट्रेनिंग! इस कोर्स में कम्युनिकेशन स्किल के साथ-साथ बिज़नेस एनवायरनमेंट, ऑफिस प्रोसीजर, पर्सनालिटी डेवलपमेंट, कमर्शियल एस्पेक्ट्स जैसे सब्जेक्ट शामिल किए जाते हैं। तत्पश्चात नंबर आता है आर्टिकलशिप का! आर्टिकलशिप बेहद इंपोर्टेंट ट्रेनिंग पीरियड माना जाता है। इसमें तकरीबन 3 साल के लिए किसी रजिस्टर्ड सीए के पास आपको असिस्टेंट के तौर पर कार्य करना होता है। जाहिर तौर पर यहां आप काफी कुछ सीखते हैं इतना सब कुछ करने के बाद आप सीए का फाइनल एग्जाम देते हैं और इसे पास करने के बाद आप सीए कहला सकते हैं। हालांकि इसमें आठ पेपर इंक्लूड होते हैं। इसमें रिस्क मैनेजमेंट, कारपोरेट एंड इकोनामी क्लास, एडवांस्ड ऑडिटिंग एंड प्रोफेशनल एथिक्स, फाइनेंशियल रिर्पोटिंग, फाइनेंसियल मैनेजमेंट इत्यादि विषय शामिल होते हैं। आईपीसीसी और फाइनल एग्जाम साल में दो बार यानी मई एवं नवम्बर में होते हैं। सीए का एग्जाम पास करने के बाद यह 15 दिन का एक छोटा कोर्स होता है और इसमें जनरल मैनेजमेंट के साथ-साथ कम्युनिकेशंस की ट्रेनिंग आपको दी जाती है अंत में आपको इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया में खुद को रजिस्टर्ड करना होता है और एनरोलमेंट के बाद आप अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं। ध्यान रहे, सीए किसी भी बिजनेस का सबसे महत्वपूर्ण भाग होता है। फाइनेंस पर पूरी तरह से कंट्रोल होता है। फाइनेंसियल रूप से कंपनी में क्या होता है, क्या नहीं होता है, इसकी पूरी जानकारी सीए को रखनी होती है, क्योंकि आने वाले समय में गवर्नमेंट की एजेंसीज उस कंपनी से संबंधित दस्तावेजों से पूछताछ करती हैं और उसके लिए सीए ही जवाबदेह होता है।

# फ्रेशर्स के लिए बेहद काम के हैं यह कॅरियर टिप्स

पढ़ाई कंप्लीट करने के बाद जब छात्र अपनी प्रोफेशनल लाइफ में कदम रखते हैं तो उनकी जिन्दगी काफी बदल जाती है। कॉलेज की मौज-मस्ती के बाद उन्हें अपने कॅरियर को लेकर काफी सजग होना पड़ता है, ताकि वह अपना बेहतर भविष्य बना सके। कॅरियर में ग्रोथ के लिए यह जरूरी नहीं है कि आप बार-बार अपनी जॉब या कंपनी बदलें, बल्कि आपकी पहली जॉब ही आपको नई ऊचांइयों पर ले जा सकती है, बस जरूरत है कि आप कुछ बातों का खास ध्यान दें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको फ्रेशर्स के लिए कुछ बेहतरीन कॅरियर टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

### टीम में काम करना

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि अधिकतर कंपनियां ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हैं जो टीम में बेहद अच्छी तरह काम करना जानते हों। ऐसे में अगर आप फ्रेशर हैं और अपने कॅरियर को तेजी से आगे बढ़ाना चाहते हैं तो आपको टीम में काम करना आना चाहिए। आपको ऑफिस में कई पर्सनैलिटीज के लोग मिलेंगे, जिनके साथ आपको सहज रूप से काम करना चाहिए। साथ ही किसी भी जिम्मेदारी को उठाना आना चाहिए।

### दबाव में काम करना

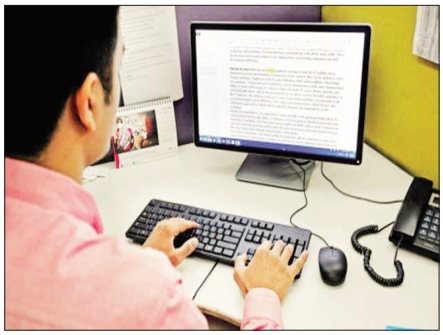

यह एक ऐसा स्किल है, जो फ्रेशर्स के अंदर कम ही देखने में मिलता है। हालांकि कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि अगर आप प्रेशर के बीच बेहतर तरीके से परफॉर्म कर सकते हैं तो यकीनन अपने कॅरियर में तेजी से ग्रोथ कर सकते हैं। अत्यधिक काम के दबाव में खुद को शांत रखते हुए सही तरीके से काम करने की कला किसी भी कंपनी में उच्चाधिकारियों को इंप्रेस कर सकती हैं।

### बेहतर कम्युनिकेशन

यह एक ऐसा कॅरियर टिप्स है, जो सिर्फ फ्रेशर्स के लिए ही नहीं, बल्कि हर युवा के लिए जरूरी है। आप अपने काम में चाहें कितना भी माहिर हों, लेकिन अगर आपके कम्युनिकेशन स्किल बेहतर नहीं है तो आप उसे सबके साथ पेश नहीं कर सकते, जिससे आपको अपने कॅरियर में ग्रोथ नहीं मिलती। इसलिए अपने वर्क स्किल्स के साथ-साथ आपको मौखिक व लिखित कम्युनिकेशन स्किल्स को शॉर्प करने पर भी फोकस करना चाहिए।

### अन्य स्किल्स

इनके अलावा भी ऐसी कई बाते हैं जो आपके कॅरियर को प्रभावित कर सकती है। मसलन, आपका टाइम मैनेजमेंट कैसा है, आप अपने काम को लेकर कितना फलेक्सिबल हैं या फिर आप अपने वाडरोब पर कितना ध्यान देते हैं। जैसी कई छोटी-छोटी बातें आपके कॅरियर को बना भी सकती हैं और बिगाड़ भी सकती हैं। इसलिए इन सभी बातों पर आपको पूरा ध्यान देना चाहिए।

# घर बैठे करें यह 5 कोर्सेज और खुद को बनाएं अधिक काबिल

अगर कोई व्यक्ति सीखना चाहे, कोई व्यक्ति कुछ नया करना चाहे तो निश्चित रूप से वह कभी भी यह कर सकता है। वर्तमान में कोविड 19 के कारण लोगों की जीवनचर्या में खासा परिवर्तन आ चुका है। तमाम स्कूल-कॉलेज लर्न फ्रॉम होम पर जोर दे रहे हैं, तो कई कंपनियां वर्क फ्रॉम होम का ऑप्शन अपने एम्पलाइज को दे रहे हैं। पर यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि कई लोगों की जॉब इस महामारी के कारण जा चुकी है, तो कई अपना प्रोफेशन चेंज करने को मजबूर हो गए हैं। ऐसे में उनके सामने कुछ नया करने के, कुछ नया सीखने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है।हालाँकि, जो लोग जॉब में हैं, वह भी सम्बंधित फिल्ड में नयी चीजें सीखकर आगे बढ़ सकते हैं।इसी कड़ी में आपको हम पांच कोर्सेज के बारे में बता रहे हैं, जो घर बैठे आसानी से सीखे जा सकते हैं और इस तरह से आप अपने कॅरियर को धार दे सकते हैं।

### कंटेंट राइटिंग

संभवतः यह ऐसी स्किल है, जो हर कोई थोड़ा बहुत जानता है। बचपन से ही किसी बच्चे को स्कूल में, कॉलेज में निबंध लिखना सिखाया जाता है। ज़ाहिर तौर पर आपके अंदर यह स्किल पहले से है और इंटरनेट पर बैठकर आप अपनी इसी स्किल को और ज्यादा अच्छे ढंग से शार्प कर सकते हैं। इसके लिए तमाम कोर्सेज फ्री हैं, तो कुछ पेड कोर्सेज भी आप कर सकते हैं। सबसे ज्यादा आसान रास्ता यह है कि आप नई-नई चीजों को लगातार पढ़ें, खासकर जिस तरह के कंटेंट आफ लिखना चाहते हैं, उस तरह का कंटेंट ज्यादा से

ज्यादा पढना पड़ेगा। इसके अलावा कई सारी ऑनलाइन मीटिंग, वेबिनर इत्यादि हो रहे हैं, उस ऑनलाइन मीटिंग को अटेंड करें। कई सारे राइटर्स को आप पसंद करते होंगे, उन लेखकों से संपर्क करने की कोशिश करें और लगातार अभ्यास करें।

### वीडियो एडिटर

वर्तमान में यह सर्वाधिक चलने वाली चीज बन चुकी है। आप ने कई सफल यूट्यूबर की कहानी सुनी ही होगी। कई बार उन यूट्यूबर का वीडियो भी देखा होगा। आप यह जान लें कि एक सक्सेसफुल यूट्यूबर का रुतबा किसी प्रकार से एक सेलिब्रिटी से कम नहीं होता है। उसकी अपनी फैन-फॉलोइंग होती है, तो उसका टशन भी होता है। एक वीडियो एडिटर के तौर पर आपके सामने खुद का चैनल स्टार्ट करके एक सफल यूट्यूबर बनने का विकल्प होता है तो कई यूट्यूब चैनल्स में कार्य भी कर सकते हैं।

इस प्रकार से तमाम इलेक्ट्रॉनिक न्यूज़ चैनल्स में भी वीडियो एडिटर्स की डिमांड बढ़ती ही जा रही है। यह सारी चीजें वीडियो एडिटर के तौर पर आपको अच्छा खासा पैसा दे सकती हैं। एक प्रोफेशनल के तौर पर भी आपके सामने वीडियो एडिटिंग के कई आप्शन उपलब्ध हैं।

### शेयर मार्केट के बारे में जानें

रातों-रात अमीर बनने के सपने शेयर मार्केट द्वारा कइयों के लिए संभव हुआ है। हालांकि यह इतना आसान नहीं है, लेकिन शेयर मार्केट की एबीसीडी समझकर आप एक कंसल्टेंट के तौर पर जरूर कार्य कर सकते हैं और इस दुनिया में अपने नए सफर की शुरुआत भी कर सकते हैं।यह कॅरियर आपके लिए काफी लकी साबित हो सकता है। इसे सीखने के बाद आप पार्ट टाइम या फुल टाइम जॉब भी कर सकते हैं। हां, इसके लिए आपको थोड़ा अलर्ट रहना पड़ेगा और प्रोएक्टिव रहना पड़ेगा और तब जाकर आप इस मार्केट की बारीकियों को समझ पाएंगे।

# सेना में अफ़सर बनना है तो चुनें नेशनल डिफेंस एकेडमी

आर्मी ऑफिसर का अपना अंदाज़ और सबसे अलहदा कॅरियर होता है, जिससे तमाम युवा प्रेरित होते हैं और खुद को देश सेवा के लिए समर्पित करना चाहते हैं। ना केवल इंडियन आर्मी, बल्कि इंडियन एयर फोर्स और इंडियन नेवी में जाने का रास्ता भी एनडीए से होकर गुजरता है। प्रश्न उठता है कि इसकी तैयारी किस प्रकार की जानी चाहिए और आखिर कौन इसके लिए एलिजिबल है? वास्तव में एनडीए की परीक्षा, यूपीएससी (यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन) अरेंज करती है और यह प्रत्येक साल आयोजित की जाती है। इसमें अगर आपको भाग लेना है तो आपको इससे संबंधित शर्तें ठीक ढंग से जान लेनी चाहिए। इसकी परीक्षा में बैठने के लिए 12वीं में मुख्य सब्जेक्ट मैथ और फिजिक्स होने चाहिए, तभी आप इंडियन एयरफोर्स और नेवी में जा सकते हैं। हालांकि इंडियन आर्मी में अगर आप जाना चाहते हैं तो आप किसी भी सब्जेक्ट से 12वीं पास होने चाहिए। इसके अलावा आपका अविवाहित होना अनिवार्य है, तो फिजिकल फिटनेस में किसी भी प्रकार का किंतु-परंतु नहीं होना चाहिए। मतलब मानकों पर पूरी तरह से फिट होना एक अनिवार्य शर्त है एनडीए में जाने के लिए। खास बात यह भी है कि आपकी उम्र साढ़े 16 से 19 साल के बीच में होनी चाहिए, तो आपकी हाइट 157 सेंटीमीटर से कम नहीं होनी चाहिए। वस्तुतः एनडीए में जाना लाखों बच्चों का सपना होता है, इसीलिए यह काफी टफ कॉम्पीटेटिव

एग्जाम माना जाता है। यह जान लें कि अगर आप आर्मी, एयर फोर्स या नेवी ऑफिसर बनना चाहते हैं, तो आपको जी तोड़ मेहनत करनी पड़ेगी और बेहद सतर्कता से अपनी तैयारी को अंजाम देना होगाअनियमित तैयारी के बल पर अगर आप एनडीए एग्जाम पास करने की सोचते हैं, तो यह आपकी गलती है!बल्कि रेगुलर टाइम टेबल बनाकर आपको इसके लिए महीनों तक लगातार तैयारी करनी पड़ेगी। इसके अलावा एनडीए एग्जाम के लिए बेहतरीन से बेहतरीन अध्ययन सामग्री का चुनाव आपकी प्राथमिकता में होना चाहिए। साथ ही, कम से कम बीते 5 साल और अधिकतम 10 साल के पुराने एनडीए के पेपर को लगातार हल करें और उसका पैटर्न आपको काफी कुछ इस एग्जाम के बारे में समझा देगा। ध्यान रखें, मोक पेपर आपको सिर्फ समझने के लिए, न कि रट्टा मारने के लिए 12वीं का फाइनल एग्जाम होने के पहले ही कई युवक एनडीए (राष्ट्रीय रक्षा अकादमी) का एंट्रेंस देते हैं। चूंकि प्रत्येक वर्ष अप्रैल और सितंबर में एग्जाम का दो बार आयोजन होता है और इसके फॉर्म प्रत्येक वर्ष जून और दिसंबर में आपको मिल जाते हैं। ऑनलाइन भी यूपीएससी की वेबसाइट से फॉर्म भरे जा सकते हैं। हालांकि सिर्फ एंट्रेंस एग्जाम निकालने भर से ही आप एनडीए में भर्ती नहीं हो जाएंगे, बल्कि अगर आप एंट्रेंस एग्जाम निकाल लेते हैं तो आपको एसएसबी, यानी सर्विस सिलेक्शन बोर्ड का इंटरव्यू क्लियर करना होता है। इस इंटरव्यू में फिजिकल टेस्ट के अलावा एप्टिट्यूड टेस्ट, जीडी अर्थात ग्रुप डिस्कशन और पर्सनल इंटरव्यू जैसे परीक्षाओं के कई राउंड होते हैं, जो आपको क्लियर करना होता हैअगर आप सौभाग्यशाली रहे और एसएसबी आपने क्लियर कर लिया, तो तमाम एग्जाम के बाद आपको 3 साल के लिए ट्रेनिंग हेतु भेजा जाता है। इस ट्रेनिंग को सफलतापूर्वक करने के बाद आप भारतीय सेना के तीनों अंगों में से किसी एक में जाते हैं और तब आप का स्वप्न साकार होता है, जिसे आप ने बरसों से देखा होता है।

# प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले फिलहाल क्या करें?

ऐसे लाखों बच्चे होंगे जो मन में सपने सजाये होंगे कि 12वीं के बाद वह किसी इंजीनियरिंग या मेडिकल संस्थान में दाखिला लेंगे और कॅरियर के पड़ाव में अगला कदम रखेंगे। मुसीबत यह है कि कोविड-19 के काल ने हर एक की योजनाओं पर कुठाराघात कर दिया है।सबसे मुश्किल उन बच्चों के सामने है, जिन्होंने 12वीं का एग्जाम देकर सुनहरे कॅरियर के सपने संजोए थे। इस समय वह किंमकर्तव्यविमूढ़ हो गए हैं।

### तन और मन को रखें स्वस्थ

जी हां! किसी भी प्रकार की चिंता करने की बजाय आपको खुद को स्वस्थ रखना कहीं ज्यादा आवश्यक है। आगे क्या होगा, कौन सा कॅरियर आप चुनेंगे, इसको लेकर बेवजह का तनाव आपको नहीं लेना चाहिए। बल्कि, इसकी बजाय आपको जितना संभव हो व्यायाम के माध्यम से खुद को तंदुरुस्त रखने की कोशिश करनी चाहिए। क्योंकि फिजिकल एक्टिविटी के नाम पर इस वक्त आप कम्युनिटी में खेल भी नहीं सकते, इसलिए यह और ज्यादा इंपॉर्टेंट हो जाता है कि अपनी दिनचर्या को नियमित रखते हुए तन को स्वस्थ रखा जाए। इसी प्रकार यह अवस्था ऐसी है कि मन

भटकाव के दौर में गुजरता है, इसलिए हर किसी के घर में गीता रामायण जैसी किताबें भी होती हैं, उसका अध्ययन करके आप अपने मन को शांत और स्थिर रखने का प्रयत्न करें। ऑनलाइन भी कई सारी बुक्स उपलब्ध हैं, यहां तक कि ऑडियो और वीडियो बुक्स का भी आप सहारा ले सकते हैं, लेकिन आवश्यक है कि तन और मन को पूरी तरह से स्वस्थ रखा जाए। कई बार बच्चे जल्दबाजी में तमाम कोर्सेज में एडमिशन लेने का फैसला कर बैठते हैं। वर्तमान में कई सारी कोचिंग संस्थाएं और दूसरे एजुकेशनल इंस्टीट्यूट ऑनलाइन ट्रेनिंग और कोचिंग देने के नाम पर भारी-भरकम फीस वसूलने लगे हैं, पर विडंबना यह है कि ऑनलाइन ट्रेनिंग देने की उनके पास खुद बेसिक सुविधाएं नहीं हैं। कइयों के पास, उनके शिक्षक ऑनलाइन ट्रेनिंग देने में और काउंसलिंग करने में दक्ष ही नहीं हैं, और ना ही उनके पास इससे संबंधित बढ़िया इंफ्रास्ट्रक्चर है। ऐसे में अगर आप जल्दबाजी में किसी इंस्टिट्यूट के ऑनलाइन कोर्स में एडमिशन लेने का फैसला लेते हैं तो कहीं ना कहीं बाद में आपको निराशा हाथ लगेगी। इसकी बजाय आवश्यक है कि इंटरनेट पर पहले सम्बंधित संस्थान का फ्री डेमो देखने का प्रयत्न करें और फ्री डेमो से अगर संतुष्ट हो जाते हैं तो पार्टिकुलर संस्थान के बारे में रिव्यू देखें। इसके बाद आप प्राइस कंपैरिजन करके किसी निश्चित कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। लेकिन यह समझना आवश्यक है कि दाखिला लेने के पश्चात आप उपयुक्त कोर्स का कितना यूटिलाइजेशन कर सकेंगे, सिर्फ एडमिशन लेने के लिए पैसे और समय की बर्बादी न करें, बल्कि उसका उपयोगी होना सुनिश्चित करें।

# रिज्यूम लिखते समय इन रूल्स को करें फॉलो, जरूर मिलेगी जॉब

अगर यह कहा जाए कि रिज्यूम एक अच्छी और मनपसंद जॉब मिलने की पहली सीढ़ी है तो गलत नहीं होगा। किसी भी कंपनी में जॉब के लिए अप्लाई करते हुए हम सभी अपना रिज्यूम ही देते हैं और उसी के आधार पर यह तय होता है कि आपको जॉब इंटरव्यू के लिए कॉल आएगा या नहीं। इस लिहाज से रिज्यूम एक बेहद ही महत्वपूर्ण दस्तावेज है, जिसे बिल्कुल भी हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। अक्सर ऐसा होता है कि कम एक्सपीरियंस के लोगों को भी एक बेहतरीन जॉब मिल जाती है और इसका कारण होता है उनका बेहतर तरीके से रिज्यूम लिखना। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे रूल्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें रिज्यूम लिखते समय आपको जरूर फॉलो करना चाहिए-

### सिर्फ एक पेज ही

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि अधिकतर कंपनियों में हाईरिंग मैनेजर किसी के भी रिज्यूम पर एक मिनट से ज्यादा का वक्त नहीं लगाते। हो सकता है कि वह रिज्यूम में पेज पलटकर भी ना देखें। इसलिए कोशिश करें कि आपका रिज्यूम छोटा और बेहद आकर्षक होना चाहिए। याद रखें कि यह आपके द्वारा किए गए हर काम को प्रदर्शित करने के लिए नहीं है, बल्कि यह दिखाने के लिए है कि आपके पास काम के लिए पृष्ठभूमि, कौशल और अनुभव है।

### ना हो गलतियां

यह एक बेहद जरूरी चीज है, जिस पर खासतौर से ध्यान

दिया जाना चाहिए। कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, हमेशा रिज्यूम लिखने के बाद उसे कई बार चेक किया जाना चाहिए। हमेशा इस बात का ख्याल रखें कि आपके रिज्यूम में स्पेलिंग या व्याकरण संबंधी कोई त्रुटियां ना हों। इसके अलावा, रिज्यूम में लिखे गए वाक्यों के आप टेंस अर्थात काल को भी जरूर चेक करें। ऐसे रिज्यूम को एचआर द्वारा शुरूआत में ही रिजेक्ट कर दिया जाता है।

### पीडीएफ में भेजें रिज्यूम

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि आपको अपने रिज्यूम को वर्ड या डॉक्यूमेंट के स्थान पर पीडीएफ के रूप में सेव करना और भेजना चाहिए। इससे आप यह सुनिश्चित करते हैं कि हायरिंग मैनेजर्स आपके रिज्यूम को वैसे ही देखते हैं, जैसा कि आपने उसे सेव किया है।यदि आप इसे किसी अन्य तरीके से भेजते हैं, तो हो सकता है कि इसका स्टाइल, प्रारूप व फ़ॉन्ट आपके कंप्यूटर से थोड़ा अलग दिखे।

### पढ़ने में हो आसान

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, एक पेज का रिज्यूम लिखने का अर्थ यह कतई नहीं है कि आप उसके फॉन्ट को बेहद छोटा कर दें और फिर एचआर हेड के लिए उसे पढ़ना काफी मुश्किल हो जाए। हमेशा यह सुनिश्चित करें कि वह पढ़ने में आसान हो। कभी भी फॉन्ट साइज बहुत छोटा या बड़ा ना रखें।

### व्यवस्थित और अपीलींग हो

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि हायरिंग मैनेजर आमतौर पर आपके रिज्यूमे को देखते हुए सिर्फ छह सेकंड का समय बिताते हैं। इसलिए, अपने रिज्यूम को सुपर क्लियर और आसानी से पढ़े जाने वाला बनाएं। प्रत्येक अनुभाग बोल्ड हो और प्रत्येक नौकरी शीर्षक बोल्ड हो। टेम्पलेट का उपयोग रिज्यूम को आसान व अपीलींग बनाएं।

# फोटोग्राफी में कैरियर बनाना चाहते हैं तो जान लें यह जरूरी बातें

जैसे-जैसे 21वीं सदी एक-एक साल करके आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे नए कैरियर से जुड़े मौकों की नई राह भी खुलती जा रही है। पहले केवल ट्रेडीशनल कैरियर के ही ऑप्शन होते थे। मेडिकल और इंजीनियरिंग पढ़ाई के विकल्प के अतिरिक्त ज्यादा कुछ मौके लोगों को नज़र नहीं आते थे। अधिक से अधिक कोई सरकारी नौकरी की तैयारी करता था। पर आज के समय में कई सारे विकल्प उभर आए हैं। अब कोई फैशन इंडस्ट्री में अपनी जगह बना रहा है, तो कोई नान ट्रेडिशनल खेती करके प्रॉफिट कमा रहा है। इसी प्रकार से कोई पशुपालन कर रहा है तो कोई आईटी में स्टार्टअप कर रहा है। इस लेख में हम बात करेंगे फोटोग्राफी को कैरियर बनाने की। आप आसानी से समझ सकते हैं कि स्मार्टफोन के जमाने में फोटोग्राफी कितनी महत्वपूर्ण हो गयी है। स्मार्टफोन का एक बेहद महत्वपूर्ण भाग उसका कैमरा होता है। जिस फोन में जितना बेहतर, जितने अधिक मेगापिक्सेल का कैमरा होता है, उसे उतने अधिक खरीददार पसंद करते हैं। वैसे भी कहा गया है कि एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है। तो आइए जानते हैं कि प्रोफेशनल फोटोग्राफी में कॅरियर बनाने के लिए क्या करना चाहिए। नॉन्ट्रैडिशनल कैरियर ऑप्शंस में किसी चीज को मेजर करना बड़ा मुश्किल है। चूंकि ट्रेडिशनल कैरियर में कमाई, एक्सपोजर इत्यादि के बारे में लोग काफी कुछ जानते हैं, पर नॉन ट्रेडिशनल में ऐसा नहीं

है। ऐसी स्थिति में कई बार कन्फ्यूजन भी हो जाती है। फोटोग्राफी की तमाम पॉजिटिव बातों के साथ, एक नेगेटिव बात यह भी है कि कई बार लोग इसमें कल्पना कर लेते हैं कि फोटोग्राफी को कैरियर के तौर पर चूज करने के बाद उनकी कमाई लाखों में हो जाएगी। यह कल्पना उन्हें उनके पैशन की बजाय पैसे की ओर धकेल देती है। मुश्किल यह है कि चाहे फोटोग्राफी हो या कोई दूसरा कैरियर एकदम से किसी चीज में पैसा नहीं आता है। इसलिए जरूरी है कि लंबे समय तक टिकने के लिए, इसमें इंटरेस्ट बनाए रखिये।

पैसा भी ज़रूर आएगा, किन्तु इसके लिए बहुत ध्यान से आपको अपने पैशन को पहचाने और उसे लंबे समय तक फॉलो करने की ज़रुरत पड़ेगी। फोटोग्राफी में अगर आपकी गहन रुचि है और वह लम्बे समय तक बरकरार रख पाते हैं, तो कोई कारण नहीं है कि आप अच्छा न कर पाएं। ऐसा कई बार देखा गया है कि जब आप नया प्रयोग करते हैं, तो उसमें असफलता के चांसेस भी होते हैं। इसलिए शुरुआत में फोटोग्राफी जैसे कैरियर ऑप्शन को आपको फुल टाइम अपनाने की सलाह नहीं दी जाती है। किन्तु, अगर किसी कारणवश आपको एक बेहतर कॉलेज नहीं मिलता है, तो ज्यादा अच्छा है कि आप प्रेक्टिस करें और किसी भी फोटोग्राफी के जोन में, जैसे कि कोई फैशन फोटोग्राफर है, तो कोई प्रोडक्ट फोटोग्राफी करता है, कोई मैरिज फोटोग्राफी करता है, तो उस क्षेत्र के फोटोग्राफर के साथ आप जुड़िये और सीनियर को असिस्ट करते हुए काम सीखने की कोशिश करें। यह आपको बहुत जल्दी और बेहतर अनुभव देगा।

# नये भारत के निर्माता सरदार पटेल के योगदान को सदैव याद रखेगा देश

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ वर्ष पूर्व गुजरात के नर्मदा जिले में सरदार पटेल के स्मारक का उद्घाटन किया था। इसका नाम एकता की मूर्ति (स्टैच्यू ऑफ यूनिटी) रखा गया है। यह मूर्ति स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से दुगनी ऊंचाई 182 मीटर ऊंची बनाई गयी है। इस प्रतिमा को केवडिया के निकट साधुबेट नामक एक छोटे चट्टानी द्वीप में सरदार सरोवर बांध के सामने नर्मदा नदी के मध्य में स्थापित किया गया है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है।

देश की आजादी के संघर्ष में उन्होंने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होंने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया। पटेल राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी व नये भारत के निर्माता थे। देश के विकास में सरदार वल्लभभाई पटेल के महत्व को सदैव याद रखा जायेगा। सरदार पटेल को भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी उनको ही सौंपी गई थी। उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए छह सौ छोटी-बड़ी रियासतों का भारत में विलय कराया। देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभ भाई पटेल ने आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया।

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। अदम्य उत्साह, असीम शक्ति से उन्होंने एकीकृत देश की प्रारम्भिक कठिनाइयों का समाधान किया। भारत की स्वतंत्रता संग्राम में उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

सरदार पटेल की इस प्रतिमा को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका व्यक्तित्व कितना विशाल था। सरदार यानि नेतृत्व करने का गुण तो उनमें जन्मजात था ही। संघर्षों में तपकर उनका मनोबल लोहे की तरह दृढ़ हो गया था। अपनी इसी इच्छाशक्ति व दृढ़ मनोबल के दम पर उन्होंने देश की आजादी के बाद %एक भारत% बनाने का ऐसा मुश्किल काम कर दिखाया जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। भारत के राजनीतिक इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थीं। उनका अलग झंडा और अलग शासक था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही देशी राज्यों को भारत में मिलाने के लिये कार्य आरम्भ कर दिया था। सरदार पटेल के प्रयास से 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोड़कर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में सम्मिलित हो चुकी थीं।

जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया और इस प्रकार जूनागढ़ भी भारत में मिला लिया गया। जब हैदराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। निःसंदेह सरदार पटेल द्वारा 562 रियासतों का एकीकरण विश्व इतिहास का एक आश्चर्य था। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी। सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में गुजरात के नाडियाड में लेवा पट्टीदार जाति के एक जमींदार परिवार में हुआ था। वे अपने पिता झवेरभाई पटेल एवं माता लाड़बाई की चौथी संतान थे। सरदार पटेल ने करमसद में प्राथमिक विद्यालय और पेटलाद स्थित उच्च विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की थी। लेकिन उन्होंने अधिकांश ज्ञान स्वाध्याय से ही अर्जित किया। 16 वर्ष की आयु में उनका विवाह हो गया। 22 साल की उम्र में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास की और जिला अधिवक्ता की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। जिससे उन्हें वकालत करने की अनुमति मिली।

सरदार पटेल के पांच भाई व एक बहन थी। 1908 में पटेल की पत्नी की मृत्यु हो गई। उस समय उनके एक पुत्र और एक पुत्री थी। इसके बाद उन्होंने विधुर जीवन व्यतीत किया। वकालत के पेशे में तरक्की करने के लिए कृतसंकल्प पटेल ने अध्ययन के लिए अगस्त 1910 में

लंदन की यात्रा की। गृहमंत्री के रूप में वे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने भारतीय नागरिक सेवाओं (आई.सी.एस.) का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं (आई.ए.एस.) बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें राजभक्ति से देशभक्ति की ओर मोड़ा। यदि सरदार पटेल कुछ वर्ष और जीवित रहते तो संभवतः नौकरशाही का पूर्ण कायाकल्प हो जाता।

सरदार पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के तीन बार उम्मीदवार बने मगर तीनों ही बार महात्मा गांधी ने हस्तक्षेप कर पंडित जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस का अध्यक्ष बनवा दिया था। 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की जेल हुई। मार्च 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन की अध्यक्षता की। जनवरी 1932 में उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया गया। जुलाई 1934 में वह रिहा हुए और 1937 के चुनावों में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के संगठन को व्यवस्थित किया।

# जिला प्रशासन द्वारा दुर्गापुर में भी साइबर सेल यूनिट का शुभारंभ

आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट आम लोगों के सुरक्षा के लिए लगातार प्रयास कर रही है. देश भर में फेक न्यूज़ पोस्ट करने वालों की तादाद लगातार बढ़ रही है. कुछ अपराधी पकड़ा भी रहे हैं. इनके जाल में फंसने वाले ज्यादातर कम पढ़े लिखे लोग ही होते हैं. इन लोगों को कुछ प्रलोभन देकर अपराधी इनके बैंक अकाउंट से उनकी गाड़ी कमाई उड़ा ले जाते हैं. आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट लगातार ऐसे अपराधों पर पैनी नजर रखे हुए हैं. इसी कड़ी में कमिश्नरेट के ईस्ट जोन अरविंदो थाना मे एक साइबर सेल यूनिट का विधिवत उद्घाटन किया गया. साथ ही एक टेबलो भी लोगों की जागरूकता के लिए रवाना किया गया. जो अनुमंडल के विभिन्न क्षेत्रों का परिक्रमा करेगी.

**इस मौके पर उपस्थित थे:** जिला शासक पूर्णेन्दु माझी, आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नर सुकेश कुमार जैन, मेयर जितेंद्र तिवारी, डीएमसी के मेयर दिलीप अगस्ती, दुर्गापुर पश्चिम के विधायक विश्वनाथ पड़ियाल, डीसीपी सेंट्रल, डीसीपी डीडी, डीसीपी अभिषेक गुप्ता, एसीपी, एसबीआई बैंक के डीजीएम, विभिन्न थाना के थाना प्रभारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

## इनका कहना है

1)**जितेंद्र तिवारी, मेयर आसनसोल:** अपराधी आजकल अपराध के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं ऐसे में साइबर सेल यूनिट का होना निश्चित तौर पर लोगों के लिए फायदेमंद साबित होगा.

2) **सुकेश कुमार जैन, पुलिस कमिश्नर आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट:** ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के बढ़ने से साइबर अपराधी भी सक्रिय हो गए हैं. इसी को ध्यान में रखते हुए दुर्गापुर में भी साइबर सेल यूनिट का शुभारंभ किया गया. मुझे उम्मीद है आने वाले दिनों में क्षेत्र के लोगों को सहायता मिल पाएगी.

3) **पूर्णेन्दु माझी, डीएम पश्चिम बर्दवान:** बैंकों को भी चाहिए साइबर अपराध को रोकने के लिए अपने ग्राहकों को जागरूक करें.

4) **अभिषेक गुप्ता, डीसीपी ईस्ट:** शारद उत्सव के मौके पर हम लोगों ने संकल्प लिया है समाज में जो लोग अपराध कर रहे हैं उनको दमन करने के लिए. लोगों को जागरूक होना जरूरी है. साइबर यूनिट के शुभारंभ से मुझे उम्मीद है आने वाले दिनों में साइबर अपराधियों पर लगाम लग सकेगा.

# जयराम राठौड़ लालावत ने पैतृक गांव बिलाड़ा मे आयोजित किया सेवानिवृति समारोह

**प्रेस नारायणलाल सैणचा**

सत्य निष्ठा एवं उत्तम गुणवता व साफ छवी के साथ समयबद्ध गौरवमयी कर्तव्यपरायणता के सफलतम राजकीय सेवाओं (38 वर्षो) का सफर पूर्ण करने पर परिवार,सगे सम्बन्धी व मित्रगणो के साथ उपस्थित समाज के विभिन्न वरिष्ठ नागरिकों उच्च पदाधिकारियों सहित सभी ने दी हार्दिक बधाई तथा लालावत परिवार ने किया उपस्थित मेहमानो व माताओं बहनो का सौहार्द स्वागत मेहनत लगन व कठोर परिश्रम के साथ कर्तव्य परायण का परिणाम सदैव श्रेष्ठ ही होता हैजयराम लालावत की पारिवारिक शैक्षणिक, सामाजिक व राजकीय सेवाओं की संघर्षशील भूमिका हम नवयुवको उपरोक्त पंक्तीनुसार यही सन्देश देती है। हालाकि हमारे समाज की विभिन्न धार्मिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं मे विभिन्न पदो पर रहते हुए लालावत ने युवा अवस्था से ही व तत्पश्चात सरकारी सेवा मे रहते हुए भी अनुकरणीय सामाजिक सेवाऐं दी है आज सेवानिवृति समारोह के अवसर पर मंच के माध्यम से लालावत से आग्रह किया कि अब आप राज कार्य से मुक्त हो गये है अर्थात अपनी पूर्व सामाजिक सेवाओं मे इजाफा करते हुए विशेष जिम्मेदारी के साथ और अधिक समय देकर अधिक से अधिक सामाजिक सेवाऐं देने की अभिषंशा की गई जिससे आपके अनुभवो का लाभ

समाज को मिल सके लालावत ने आग्रह को सहर्ष स्वीकार फरमाते हुए समाज सेवा के क्रम मे सदैव तत्परता के साथ नैतिक कर्तव्य निर्वहन करने का आशिर्वाद प्रदान किया। जानकारी के तौर पर अवगत है कि. वर्तमान परिस्थियों के मध्यनजर सुरक्षा की दृष्टी से लालावत ने अपने सेवानिवृति समारोह को कार्यालय स्तर पर पृथक से आयोजन करते हुए दिनांक 28.10.2020 को अपने जोधपुर स्थित सारण नगर मे व तत्पश्चात आज दिनांक 01.11.2020 को अपने पैतृक गांव मे सेवानिवृति समारोह आयोजित किया। जिससे अपने परिवार, समाज व सगे सम्बन्धियों तथा माताओं बहनो के साथ ही कार्यालयिक स्टाफ, मित्रगण इत्यादि सभी को सोशियल डिस्टेन्स की पालना के साथ सेवानिवृति समारोह मे उपस्थित होने का सुरक्षित अवसर मिल सके वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत लालावत परिवार की तरफ से आयोजित सेवानिवृति समारोह का बहुत ही शानदार व सुरक्षित मेनेजमेन्ट रहा।

# कर्मी सभाओं को कर रहे है संबोधित मलय घटक

**अमन राय ब्यूरो चीफ**

आसनसोल नगर निगम की वार्ड संख्या 20 में सुईडी तथा रघुनाथबाटी मे तृणमूल की ओर से कर्मी सभा का आयोजन किया गया. आसनसोल उत्तर विधानसभा क्षेत्र में आगामी वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए तृणमूल की ओर से विभिन्न इलाके में कर्मी सभा का आयोजन किया जा रहा है. तृणमूल कर्मियों को संबोधित करते हुए श्रम, विधि तथा न्याय मंत्री मलय घटक ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने असहाय लोगों के लिए 44 जनहित योजनाओं को लागू की है जिसका सभी को लाभ उठाना चाहिए. कोरोना महामारी के दौरान लोगों के बीच तृणमूल की ओर से खाद्य सामग्री, वस्त्र आदि वितरण किया गया. तृणमूल द्वारा पिछले पांच सालों में की गई उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने के लिए घर-घर जाकर लोगों से मिलने तथा उनकी समस्या का समाधान करवाने के लिए कार्यकर्ताओं को अग्रसर होना होगा. उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के भ्रष्टाचार के विरोध में लोगों को जागरूक करने पर जोर देना होगा. मौके पर पूर्व पार्षद श्रावणी मंडल, दिवाकर पातर, प्रतिमा बाउरी, दारूक पाल, सपन हाजरा, दीपक मंडल, राजीव बाउरी के अलावा कई अन्य तुलमुल सदस्य उपस्थित थे.

# निकिता को न्याय दो

हरियाणा के बल्लभगढ़ में लव जेहाद के केस में बीकॉम की छात्रा निकिता तोमर की हत्या का केस देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है।यहां बता दें कि सोमवार शाम को अग्रवाल कॉलेज के बाहर बीकॉम की अंतिम वर्ष की छात्रा निकिता तोमर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।फरीदाबाद के सेक्टर-23 के संजय कॉलोनी निवासी निकिता तोमर सोमवार शाम को जब अपनी सहेली के साथ अग्रवाल कॉलेज से बाहर निकल रही थी,तब उसे पहले से ही बाहर खड़े दो युवकों ने अपहरण कर आई20 कार में बैठा कर साथ ले जाने का प्रयास किया था।जब निकिता नहीं मानी तो उन दरिंदो ने उसके सीने पर गोली मार कर हत्या कर दी।यहां बता दें कि मामले में मुख्य आरोपी तौसीफ ने वर्ष 2018 में भी निकिता का अपहरण किया था।जिसके केश थाना सिटी बल्लभगढ़ में दर्ज किया गया था।फरीदाबाद के बल्लभगढ़ की बीकॉम की छात्रा निकिता उर्फ नीतू पर आरोपी तौसीफ़ के परिवार की तरफ से भी धर्म परिवर्तन का दबाब था।दो साल पहले तौसीफ ने शादी की नीयत से भी उसका अपहरण किया था।आरोपी की माँ भी लगातार निकिता के दिमाग मे तौसीफ से शादी करने का दबाब बनाये हुए थे।मृतका निकिता तोमर के परिवारजन बताते गेन की निकिता स्कूल से समय से ही पढ़ने लिखने में बहुत होशियार थी।वह अपने स्कूल की टॉपर भी थी इसके

**अर्पित गुप्ता**
**पत्रकार/लेखक**

बाद जब कॉलेज में उसका दाखिला कराया तो उसमें भी वह अब्बल रही।परिवारजन ने बताया कि आरोपी तौसीफ निकिता के स्कूल में 12 वीं तक साथ पढ़ता था।आरोपी लगातार उसे स्किल टाइम से ही परेशान करता था निकिता ने यह बात घर में भी बताई परन्तु यह जाहिर न होने दिया कि बात ज्यादा बड़ी ही इसके बाबजूद भी वह अपनी पढ़ाई में लगाकर करती रही।वहीं बात निकलकर आती है वर्ष 2018 में निकिता के अपहरण की तो मामला यह है कि 2018 में तौसीफ ने शादी की नीयत से निकिता का अपहरण कर लिया था और पुलिस ने उस समय तौसीफ को भी ढूंढ निकाला था बात लड़की से जुड़ी हुई थी इसलिये परिवार वालो ने बदनामी से बचने के लिये बात को आगे नही बढ़ाया।तदोपरांत आरोपी के परिजनो ने निकिता के घर जाकर माफी मांगी और ऐसी गलती दोबारा न करने की बात भी कही।निकिता के पिता ने बताया कि उन्हें यह पता था कि आरोपी के दिमाग मे कुछ उठापठक चल रही है तो वहीं उन्होंने बताया कि तौसीफ की माँ निकिता को लगातार फोन पर दबाब दे थी की तुम तौसीफ से शादी करलो अब तुमसे कौन शादी करेगा।बदनामी से बचना है तो यही सही रहेगा कि तुम यहाँ आ जाओ और धर्म बदल लो। वहीं जब गिरफ्तारी के बाद आरोपी तौसीफ से पुलिस ने पूछताछ की तो उसने बताया कि निकिता किसी और से शादी करने वाली थी इसलिये उसे मार दिया गया।तौसीफ ने बताया कि मैं मेडिकल की पढ़ाई नही कर सका क्यों कि निकिता ने मुझे गिरफ्तार करा दिया रहा जिसका मैंने बदला लिया है।दरअसल 21 वर्षीय आरोपी तौसीफ फिजियोथेरेपिस्ट का कोर्स कर रहा था वहीं दूसरा आरोपी रेहान भी उसके साथ ही फिजियोथेरेपिस्ट का कोर्स कर रहा था। निकिता तोमर भारत की वह बेटी थी जिसने अपनी जान दे दी पर धर्म परिवर्तन के लिए राजी नही हुई।सनातन धर्म तुम्हारे बलिदान को कभी व्यर्थ न जाने देगा।निकिता के हत्यारे तौसीफ और रेहान जैसे कुछ दरिंदे सड़क पर घूमते हुए उस पागल भेड़िये की तरह हैं जो कभी भी किसी पर हमला कर सकते हैं इसलिए इनका इलाज जरूरी है अन्यथा की स्तिथि में हम आये दिन एक न एक निकिता खोते रहेंगे और शोक मनाते रहेंगे।याद रखो कहीं ऐसा न हो कभी आपकी बेटी ने इस्लाम नही स्वीकारा तो उसे भी गोली का शिकार न होना पड़े।लगातार मासूम बच्चियों,बेटियों की मौतों का प्रतिशत बढ़ता जा रहा पर सरकार मुँह पर ताला लगातार तमाशबीन बनी बैठी है।अब सवाल यह उठता है कि क्या वह राजनैतिक दल हरियाणा जाएंगे जैसे वह हाथरस गए थे..?क्या वह राजनैतिक दल इंडिया गेट पर कैंडल मार्च करेंगे जैसे उन्होंने असिफा के लिए किया था..? कुछ नही होने वाला सब दिखावा करते हैं।पर यह भी सत्य है अगर हम लोगो ने कोई ठोस कदम नही उठाया तो आये दिन निकिता जैसी हमारी बहन,बेटियां मारी जाती रहेंगी।

# लव जिहाद एक बड़ी समस्या है

ऐसा न जाने कितनी ही बार हुआ जब एक लड़की से झूठ बोलकर, उसे बहला-फुसला कर शादी कर ली गई और फिर सफर शुरू हुआ यातनाओं का, धर्म परिवर्तन कराये जाने का जो मान गई तो ठीक वरना जान से मार दिया गया।अभी हमने निकिता तोमर के बारे में पढ़ा कि उसे केवल इसलिए मारा गया क्योंकि उसने शादी और धर्म परिवर्तन से मना किया, ऐसी घटनाएं एक सवाल पैदा करती है कि क्या हम बेटियों की जान इतनी सस्ती है कि कोई भी मारकर चलता बने? नहीं, बिल्कुल नहीं। आपको पता है लव जिहाद की वारदातें क्यों होती है क्योंकि बहुत सारे लोग इस मुद्दे पर खुलकर बात ही नहीं करना चाहते, बहुत सारे लोग तो इसे समस्या ही नहीं मानते। शर्म आती है ऐसे लोगों की सोच पर। एक बार उस लड़की की जगह

**अंकिता जैन अवनी**
**लेखिका/कवियत्री**

स्वयं को रखकर देखिए,उसने प्यार किया, विश्वास किया पर उसे क्या मिला धोखा और मौत। हमारे देश में लव जिहाद के आंकड़े कम नहीं। आम तौर पर जब लव जिहाद का मुद्दा कोई उठाता है तो उसे कुछ लोग गलत ठहराते है पर सच सबके सामने है। यह केवल एक जात, धर्म के व्यक्ति की ही नहीं बल्कि हर उस व्यक्ति की जिम्मेदारी है जो समाज में सच में भाईचार,अमन और परस्पर सहयोग स्थापित करना चाहता है कि आप सब आगे आये और लव जिहाद जैसी दूषित मानसिकता को जड़ से खत्म करने में अपना योगदान दे। लव जिहाद कि घटनाएं, बलात्कार की घटनाओं से कम दुखदाई नहीं है बस फर्क इतना है कि बलात्कार की घटनाओं पर स लगाकर बोलने वाले बहुत है और लव जिहाद पर मौन रहने वाले। लव जिहाद को रोकने के लिए न कोई सेलेब्रिटी सड़कों पर उतरता है और न ही ज्ञापन दिए जाते। बस आम घटना मान कर सब ख़ामोश हो जाते है।अपने देश की बेटी होने के नाते बस एक सवाल पूछ रही हूं मैं उम्मीद है इसका जवाब मुझे किसी जाति, धर्म और समुदाय नहीं बल्कि इंसानियत के आधार पर प्राप्त होगा। अपनी जिहादी सोच को प्रमाणित करने के लिए आखिर कब तक लव जिहाद की आग में बेटियों की चिता सुलगाई जायेगी? आखिर कब तक?

# चौपाई (करवाचौथ)

करवा निर्जल व्रत है करती।
भूख प्यास को वह है हरती।।
रात चाँद की दर्शन करती।
जीवन के सुख दुख को हरती।।

.....

सज धज नारी पूजा करती।
प्यार पिया के हिय में भरती।।
कानों में पहने सब बाली।
माँगो में सजती है लाली।।

.....

रहे दीर्घ जीवी पति देवा।
नित्य करूँ माँ प्रभु की सेवा।।
चरण स्पर्श आशीषें पाती।
जीवन में खुशियाँ है लाती।।

.....

साजन सजनी लगते प्यारे।
आँगन उतरे चाँद सितारे।।
शिव गौरी को भोग लगाते।
पकवानों से थाल सजाते।।

.....

शिव गौरी को नीर चढ़ाये।
पति सँग पावन प्रीत बढ़ाये।।
जनम जनम का साथ निभाये।
घर आँगन में खुशियाँ लाये।।

**प्रिया देवांगन प्रियू**
पंडरिया
जिला -कबीरधाम छत्तीसगढ़

# स्वतंत्र चेतना

इस धरा की जन्मी चेतना
जहां मानवता स्वतंत्र है

नये युग का उदघोष है
जीवन चरन का मंत्र है

पल - पल चलती आंधियां
मन की माया का षड्यंत्र है

एक ज्योति पुंज में बहता तेज
सागर सा फैल रहा सर्वत्र है

जीवन के घूंट पीता काल
मोह में जकड़ा भूखंड तंत्र है

विलुप्त योनियां समेटे ब्रह्मांड
का वो रास्ता मोक्ष का यंत्र है

**स्वामी दास**
लेखक कवि, नई दिल्ली

# चाँद का दीदार

पावन पर्व की है तैयारी
झुम रही है सब नारी
सारी उम्र रहें सुहागन
रब से मांग रही नारी ।

आज चाँद का दीदार होगा
चारों तरफ प्यार होगा
करके चली सोलह श्रृंगार
पिय का इंतजार होगा ।

यूं डाल कर बांहों की हार
चुम - चुम कर करेगी प्यार
आज वहां कोई न होगा
करेंगे हम खुलकर प्यार ।

खुशहाल रहती है उम्र भर
दो घूंट पीयूष पी कर
कर देता है न्योछावर सब
प्राण प्रिय उसे समझकर ।

**ज्ञानंद चौबे, केतात , पलामू , झारखंड**

# शहादत और मोहब्बत

दुश्मन से लोहा लेने की खातिर ,
सैनिक बार्डर पर जाता है ।
छोड़ पीछे सारे रिश्तों को ,
वह अपना फर्ज निभाता है।

वतन है मेरी पहली मोहब्बत ,
प्रियतमा को ये संदेशा दे जाता है।
इस देश की खातिर मुझको,
अपना लहू बहाना है, वह ये बतलाता हैं।

देश के उस मतवाले ने
उस दिलवाले ने जान गवाई है ।
शहादत भी उसकी क्या रंग लाई जव,
मोहब्बत उसकी तिरंगे में लिपटकर आई है ।

तेरे वचनों से पहले पहले ,
देश को जो वचन दिया मैंने ।
लहू देकर अपना माटी को
देश की शान बढ़ाई मैंने ।

वीर शहीद की प्रियतमा होने पर ,
अश्रु एक ना बहाना तुम ।
मां-बाबा के संग, संग ,
अपने को भी ढ़ाढस बंधलाना तुम।

वादे किए थे जो तुमसे ,
मैं आकर फिर उसे निभाऊंगा ।
इस जन्म में ना सही तो
अगले जन्म फिर आंऊगा ।

जय हिन्द ।

**रश्मि वत्स**
मेरठ(उत्तर प्रदेश)

# सफलता के सूत्र

हम कई बार किसी सफल व्यक्ति को देखते हैं और उसी की तरह सफल होने का सोचते हैं लेकिन हम यह नहीं जानते हैं कि जिस व्यक्ति को देखकर हम सफल होने के लिए प्रेरित हुए हैं, जिसके जैसा हम बनना चाहते हैं, क्या उसके त्याग करने की भावना, एकचित्त भाव या एकाग्र मन,

गुलशल गुप्ता
(कवि/लेखक ग्वालियर)

उसके द्वारा लक्ष्य का निर्धारण करना, और उसके द्वारा किया जाने वाला अनुशासन का पालन आदि से पूर्ण रूप से परिचित हैं यदि ऐसा नहीं है तो हम उसके जैसी सफल होने की भावना नही रख सकते हैं। सर्वप्रथम हमें ये ज्ञात होना चाहिए कि उस व्यक्ति ने क्या त्याग किया है? क्या उसने जो त्याग किया है वो वास्तव में उसके लिए उचित है और उचित न हो फिर भी वो त्याग करे तो जरूर ही वह अपने लक्ष्य के प्रति ज्यादा संवेदनशील है। हम कह सकते हैं इस स्थिति में व्यक्ति उसी का त्याग कर सकता है जो उसे अत्यधिक प्रिय हो या जिससे उसे अत्यधिक लगाव हो। बचपन से ये हम सबने सुना है कि कुछ पाना है तो कुछ खोना होगा अर्थात किसी लक्ष्य को पाने के लिए त्याग करना होगा और यदि आप ऐसा करते हैं तो आप सफलता की पहली व मुख्य कड़ी पार कर लेते हैं। दूसरे स्थान पर आता है एकचित्त भाव या एकाग्र मन अर्थात हम जीवन में अपने मन को या अपने चित्त को स्थिर रखते हैं या मन को सफलता की ओर एकाग्र होता देखते हैं तो सत प्रतिशत सफल होते हैं और यदि हम अपने चित्त को सभी ओर आकर्षित करते हैं तो हम अपने मार्ग से भटक सकते हैं इसलिए हमें मन को एकचित्त या एकाग्र रखना होगा अन्यथा इसके फलस्वरूप हमें सिर्फ असफलता ही हाथ लगेगी। इसके साथ ही तीसरे स्थान पर आता है लक्ष्य का निर्धारण। जीवन में यदि कोई व्यक्ति अपने लक्ष्य का निर्धारण कर लेता है तो उसे सफल होने से नहीं रोका जा सकता क्योंकि वह अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपना सबकुछ अर्पण कर देता है और जो अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेता है वो स्वतः सफलता को प्राप्त कर लेता है। इसके विपरीत यदि कोई भी व्यक्ति अपने लक्ष्य का निर्धारण नही कर पाता है वह बस सफलता को स्वप्न में महसूस कर सकता है परंतु सफल नही हो सकता। इसी क्रम में सर्वाधिक महत्वपूर्ण हम अनुशासन को देखते हैं क्योंकि एक सफल व्यक्ति अनुशासन का उपासक होता है और इसी उपासना के बल पर ही वह सफल व्यक्ति कहलाता है। वर्तमान में अनुशासन को नाममात्र के लिए देखा जाता है और इसका परिणाम है आज का युवा अपने मार्ग से भटक रहा है। यदि एक सफल व्यक्तित्व के साथ जीना है तो अनुशासन को अपनाना होगा।उपरोक्त सभी उदाहरणों को जीवन में लागू करके हम सफलता को प्राप्त कर सकते हैं और हम कह सकते हैं कि यही सफलता की कुंजी है और इसी कुंजी के द्वारा सफलता रूपी ताले को खोल सकते हैं।

# एक मुलाकात...

कल शाम दतिया तिराहे पर एक पुलिस वाले से मुलाकात हो गई पुराना परिचय था सो शुरू आपस की बात हो गई उनकी शाम और शौकत देख कर हम तो कुछ चकरा गए बाकी बातें छोड़ कर मेन पॉइंट पर आ गए हमने उनसे पूछा हुजूर वेतन कितना पाते हैं हम तो आपके अपने हैं हमसे क्यों छुपाते हो वो मुस्कुराते हुए बोले यार वेतन निकालने की नौबत ही ही कहां आई है सारे खर्चे पूरे हो जाते हैं जो ऊपर की कमाई है

**संदीप प्रधान**
**ग्वालियर संभागीय ब्यूरो चीफ की कलम**

# 'दिवाली मन गई'

ऑबरोय हाउस में आज दिवाली की रौनक और महफ़िल खूब जमी थी। मिस्टर अशोक ऑबरोय दिल्ली के जाने माने बिल्डर और बिज़नेस मेन है और अरबपति की श्रेणी में विराजमान है। हर दिवाली उनकी हवेली दोस्तों और रिश्तेदारों की दावत और महफ़िल से गूँजती रहती है। आज भी सुबह से अशोक ऑबरोय की पत्नी मायादेवी मेहमानों की ख़ातिरदारी में व्यस्त थी। दस दिन पहले आई नई कामवाली रजनी को मायादेवी ने सारा काम समझा दिया था। रजनी बाईस साल की छरहरे नैंन नक्श वाली दिखने में सुंदर और स्मार्ट थी। पर कहते है ना गरीब के घर रतन पैदा हुआ बस उपर वाले ने वही किया एक रुपवती को गरीब की झोली में ड़ाल दिया था। बहुत कम समय में रजनी ने सारा काम बखूबी समझ लिया। अपनी काम करनेकी कुशलता और सहज स्वभाव से सबका मन जीत लिया था। हर कोई हर छोटे बड़े काम के लिए रजनी को ही आवाज़ लगाते। रोशनी, पटाखें, रंगोली, मेहमानों के ब्रांडेड कपड़े और परफ़्यूम से पूरी हवेली चहक महक रही थी। और फिर बड़े लोग, बड़ा घर बड़ी शानो शौकत की बड़ी आदतें उसमें शराब कबाब की कमी तो रहेगी ही नहीं। विहान अशोक ऑबरोय और मायादेवी का बड़े बाप का बिगड़ा हुआ बेटा था। दिवाली मनाने अपने सारे दोस्तों के साथ हवेली की पाँचवी मंज़िल पर जश्न मना रहा था। शराब, सिगरेट, जुआ और चरस के नशे में चूर सब झूम रहे थे की शराब के लिए बर्फ़ खत्म हो गई। विहान ने रजनी को इंटरकोम से बर्फ़ लाने के लिए बोला। रजनी अपनी ड्यूटी निभाते बर्फ़ लेकर पाँचवी मंज़िल पर गई। आज दिवाली थी तो मायादेवी ने रजनी को गुलाबी रंग की महंगी सलवार कमीज उपहार में दी थी। जिसमें रजनी का रुप झील में तैरते कमल सा खिल उठा था जिसे देखकर विहान के सारे दोस्तों के दिमाग में वासना के साँप लौटने लगे। जैसे ही बर्फ़ की ट्रे रखकर रजनी जाने के लिए मूड़ी एक लड़के ने

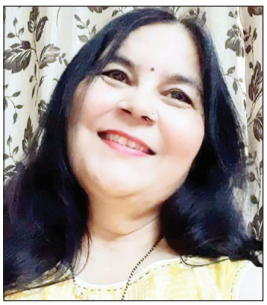

भावना ठाकर
लेखिका (बेंगलूरु)

रजनी की कलाई पकड़ ली और अपनी तरफ़ खिंचकर जबरदस्ती करने लगा, तो सारे लड़को के दिमाग पर पर कामदेव का भूत नाचने लगा। फिर क्या ? इतने सारे मजबूत हाथों की हथेलियों ने रजनी के तन को मच्छर की तरह मसल दिया। रजनी के मुँह में रजनी के ही सिने से उतरा दुपट्टा ठूँस कर ज़ालिमों ने रजनी की इज्ज़त को तार-तार कर दिया। छटपटाते हिरनी शांत हो गई। मायादेवी बहुत समझदार थे रजनी को नीचे आने में देर हुई तो समझ गए। अलमारी से एक चीज़ निकाली और पाँचवी मंज़िल पर पहुँच गए। और वहाँ का नज़ारा देखते ही समझ गए।गहरी साँस लेते बेटे का मोह त्याग कर एक बेटी की इज्ज़त का बदला लेने की ख़ातिर बिना कोई शोर शराबा किए शांत सहज और निर्लेप भाव से साड़ी के पल्लू से एक छोटा सा शस्त्र निकाल कर अपने बेटे के सर का निशाना लगाया, और पटाखों की गूँज के साथ एक चीख मिलकर हवेली के चिराग को बुझा गई। मायादेवी इतना ही बोले आज असत्य पर सत्य की विजय हुई। राम जी ने शायद रावण की देह में थोड़ी जान बख़्श दी थी जो आज शायद मेरे हाथों शांत होनी थी। मैं आज बहुत खुश हूँ मेरी दिवाली मन गई।

# पंजा साहिब एक विचित्र स्थान

सिख धर्म के प्रथम गुरू नानक देव थे। जिनका जन्म सन् 1469ई. में तलवंडी,लाहौर (पाकिस्तान) में हुआ था। उन्होंने सभी धर्मो के प्रति समान भाव रखने का उपदेश दिया। नानक देव के जीवन में वैसे अनेक चमत्कार हुये हैं,पर उनमें एक चमत्कार अविश्वासनीय हुआ। बात उस समय की है जब रावलपिंडी की हसन अब्दाल नामक जगह पर कंधारी नामक एक व्यक्ति ने पानी भरने वालों के उपर जुल्म करता था,वो उन सबसे पैसे बसूलता था। यह स्थान रावलपिंडी से 48 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जब गुरू नानक देव यात्रा करते हुये इस स्थान पर विश्राम करने के लिये रूके। कंधारी नामक व्यक्ति के मकान के पास एक पानी का एक झरना बहता था। वो पानी के बदले में लोगों से पैसे लिया करता था। कंधारी एक मुस्लिम धर्मगुरू था। गुरू नानक देव के पास प्रवचन सुनने के लिए आने लगे।यह सब देखकर कंधारी के मन में गुरू नानक देव के प्रति जलन होने लगी। जब लोगों ने उसके पास आना बंद कर दिया और सिर्फपानी भरने के लिये ही लोग आते थे। तो कंधारी ने लोगों को पानी देना बंद कर दिया और कहने लगा कि भागो यहां से और जाओ गुरू नानक से पानी मोंगो। जब लोगो ने गुरू नानक देव के पास जाकर अपनी व्यधा सुनाई तो गुरू नानक देव ने मर्दाना को कंधारी के पास जाकर लोगों को

पानी देने के लिये निवेदन करने को कहा। जब गुरूदेव ने देखा कि लोग पानी के लिये तडप रहे हैं, तो उन्होंने जमीन पर अपनी छडी मार दी जिससे जमीन में से पानी की धारा फूट पडी। गुरू नानक देव के प्रति दुश्मनी की वजाह से कंधारी ने एक दिन पहाड से एक बडा पत्थर गुरू नानक देव के उपर फेंक दिया। जब पत्थर गुरू नानक देव के पास आया तो उन्होंने अपने पंजे से उस पत्थर को वहीं रोक दिया। जब कंधारी ने यह चमत्कार देखा तो वह गुरूदेव से मांफी मांगने उनके पास आया और उसने लोगों को मुफ्त में पानी देने का वादा किया।आज भी उस पत्थर पर गुरू नानक देव का पंजा छपा हुआ है। इस स्थान पर भव्य गुरूद्वारा बनाया गया जिसका नाम पंजा साहिब रखा गया। पंजा सहिब पर लोग देश विदेश से आते हैं।

**कैसे जाये** – पंजा साहिब जाने के लिये वीजा की आवश्यकता पड़ती है। इस गुरूद्वारे की देख रेख दिल्ली गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी देखती है। अगर आपको वीजा मिल जाता है तो आपको समझौता एक्सप्रेस से अटारी तक जाना पडेगा, उसके बाद पाकिस्तान की टेऊन आपको पंजा साहिब तक ले जाएगी। ए गुरू नानक देव के जीवन की कुछ विचित्र घटना थी। इसके बाद गुरू नानक देव ने अनेक स्थानों पर घूम घूम कर उपदेश दिये ,उनके ये पवित्र उपदेश तथा शिक्षाएँ सिखों के धर्मग्रन्थ ग्रन्थ साहिब में मौजूद हैं और सन् 1539 में गुरू नानक देव परमपिता परमात्मा में विलीन हो गये।

# छत्तीसगढ का शक्तिपीठ डोंगरगढ़

दिल्ली से रायपुर रेल्वे मार्ग पर डोंगरगढ नामक रेल्वे स्टेशन मिलता है। इस डोंगरगढ में स्थित हैं मॉ बम्बलेश्वरी देवी। डोंगरगढ राजनांदगांव

जिले में स्थित है। यह स्थान दुर्ग से 67 किलोमीटर और राजनांदगांव से 35 किलोमीटर में स्थित है। डोंगरगढ का अर्थ है पहाड पर स्थित एक किला। यहॉ मॉ बम्लेश्वरी के दो मंदिर हैं एक मंदिर जो लगभग 1600 फिट की उचाई पर पहाड पर स्थित है तथा दूसरा पहाड के नीचे जिसे छोटी मॉ बम्लेश्वरी के नाम से जानते है। इस मंदिर के साथ अनेक प्रचलित कथा मौजूद है। यहां पर भगवान शिव और रामभक्त हनुमान के भी मंदिर हैं। छत्तीसगढ में इस मंदिर में एक मात्र रोपवे है। इस मंदिर में प्रतिवर्ष दो बार मेला लगता है। इन मेलों में हजारों की संख्या में श्रद्वालू भाग लेते हैं। इस मंदिर के चारो ओर हरियाली है तथा पनियाजोब जलाशय,ढारा जलाशय तथा मडियान जलाशयों से यह चारों तरफसे घिरा हुआ है।

यह बात सन् 1964 की है जब खैरागढ रियासत पर नरेश श्री राजा बहादुर तथा वीरेन्द्र बहादुर सिंह का अधिकार था। 16वीं सदी तक डोंगरगढ(डुंगराज्य) नगर गोड राजाओं के अधीन रहा था। उस समय डुंगराज्य में प्रजा सुखी थी। कुछ इतिहासकारों के अनुसार डोंगरगढ का नाम लगभग 2200 साल पहले कामाख्या नगरी था। उस समय राजा वीरसेन का शासन था। राजा वीरसेन के कोई संतान नहीं थी,राजा ने भगवान शिव और मॉ दुर्गा की कठिन उपासना की जिसके फलस्वरूप राजा को एक बर्ष पश्चात् पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। राजा वीरसेन ने पुत्र प्राप्ति से प्रसन्न होकर मॉ बम्लेश्वरी के मंदिर की स्थापना की। राजा वीरसेन के पुत्र का नाम मदनसेन था। डोगरगढ कामकन्दला और माधवनल की प्रेम कथा को अपने आप में समेटे हुये है। हम अगले अंक में कामकन्दला नर्तकी और माधवनल के प्रेम प्रसंग के बारे में प्रकाशित करेंगे।

**डोंगरगढ कैसे पहुँचे**

बस मार्ग - यह राष्ट्रीय राजमार्ग 6 पर स्थित है। यहां रायपुर,राजनांदगांव,दुर्ग तथा भंडारा(महाराष्ट्र) से बस सेवा उपलब्ध है। **रेल मार्ग**- यह मंदिर मुम्बई - हावडा तथा नई दिल्ली - रायपुर रेल्वे मार्ग पर स्थित है।

# गुरु नानक देव जी के उपदेशों को अपनाएँ, जीवन सफल बनाएँ

गुरु नानक देवजी सिखों के पहले गुरु थे। अंधविश्वास और आडंबरों के कट्टर विरोधी गुरु नानक का प्रकाश उत्सव (जन्मदिन) कार्तिक पूर्णिमा को मनाया जाता है हालांकि उनका जन्म 15 अप्रैल 1469 को हुआ था। गुरु नानक जी पंजाब के तलवंडी नामक स्थान पर एक किसान के घर जन्मे थे। उनके मस्तक पर शुरू से ही तेज आभा थी। तलवंडी जोकि पाकिस्तान के लाहौर से 30 मील पश्चिम में स्थित है, गुरु नानक का नाम साथ जुड़ने के बाद आगे चलकर ननकाना कहलाया। गुरु नानक के प्रकाश उत्सव पर प्रति वर्ष भारत से सिख श्रद्धालुओं का जत्था ननकाना साहिब जाकर वहां अरदास करता है।

### गुरु नानक का बचपन

वह बचपन से ही गंभीर प्रवृत्ति के थे। बाल्यकाल में जब उनके अन्य साथी खेल कूद में व्यस्त होते थे तो वह अपने नेत्र बंद कर चिंतन मनन में खो जाते थे। यह देख उनके पिता कालू एवं माता तृप्ता चिंतित रहते थे। उनके पिता ने पंडित हरदयाल के पास उन्हें शिक्षा ग्रहण करने के लिए भेजा लेकिन पंडितजी बालक नानक के प्रश्नों पर निरुत्तर हो जाते थे और उनके ज्ञान को देखकर समझ गए कि नानक को स्वयं ईश्वर ने पढ़ाकर संसार में भेजा है। नानक को मौलवी कुतुबुद्दीन के पास पढ़ने के लिए भेजा गया लेकिन वह भी नानक के प्रश्नों से निरुत्तर हो गए। नानक जी ने घर बार छोड़ दिया और दूर दूर के देशों में भ्रमण किया जिससे उपासना का सामान्य स्वरूप स्थिर करने में उन्हें बड़ी सहायता मिली। अंत में कबीरदास की निर्गुण उपासना का प्रचार उन्होंने पंजाब में आरंभ किया और वे सिख संप्रदाय के आदिगुरु हुए।

### गुरु नानक जी का परिवार

गुरु नानक जी का विवाह सन 1485 में बटाला निवासी कन्या सुलक्खनी से हुआ। उनके दो पुत्र श्रीचन्द और लक्ष्मीचन्द थे। गुरु नानक के पिता ने उन्हें कृषि, व्यापार आदि में लगाना चाहा किन्तु यह सारे प्रयास नाकाम साबित हुए। उनके पिता ने उन्हें घोड़ों का व्यापार करने के लिए जो राशि दी, नानक जी ने उसे साधु सेवा में लगा दिया। कुछ समय बाद नानक जी अपने बहनोई के पास सुल्तानपुर चले गये। वहां वे सुल्तानपुर के गवर्नर दौलत खां के यहां मादी रख लिये गये। नानक जी अपना काम पूरी ईमानदारी के साथ करते थे और जो भी आय होती थी उसका ज्यादातर हिस्सा साधुओं और गरीबों को दे देते थे।

### परमात्मा ने पिलाया अमृत

सिख ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि गुरु नानक नित्य बेई नदी में स्नान करने जाया करते थे। एक दिन वे स्नान करने के पश्चात वन में अन्तर्ध्यान हो गये। उस समय उन्हें परमात्मा का साक्षात्कार हुआ। परमात्मा ने उन्हें अमृत पिलाया और कहा- मैं सदैव तुम्हारे साथ हूं, जो तुम्हारे सम्पर्क में आयेंगे वे भी आनन्दित होंगे। जाओ दान दो, उपासना करो, स्वयं नाम लो और दूसरों से भी नाम स्मरण कराओ। इस घटना के पश्चात वे अपने परिवार का भार अपने श्वसुर को सौंपकर विचरण करने निकल पड़े और धर्म का प्रचार करने लगे। उन्हें देश के विभिन्न हिस्सों के साथ ही विदेशों की भी यात्राएं कीं और जन सेवा का उपदेश दिया। बाद में वे करतारपुर में बस गये और 1521 ई. से 1539 ई. तक वहीं रहे।

### गुरु के लंगर की शुरुआत

गुरु नानक देवजी ने जात-पांत को समाप्त करने और सभी को समान दृष्टि से देखने की दिशा में कदम उठाते हुए लंगर की प्रथा शुरू की थी। लंगर में सब छोटे-बड़े, अमीर-गरीब एक ही पंक्ति में बैठकर भोजन करते हैं। आज भी गुरुद्वारों में उसी लंगर की व्यवस्था चल रही है, जहां हर समय हर किसी को भोजन उपलब्ध होता है। इस में सेवा और भक्ति का भाव मुख्य होता है। नानक देवजी का जन्मदिन गुरु पूर्व के रूप में मनाया जाता है। तीन दिन पहले से ही प्रभात फेरियां निकाली जाती हैं। जगह-जगह भक्त लोग पानी और शरबत आदि की व्यवस्था करते हैं। गुरु नानक जी का निधन सन 1539 ई. में हुआ। इन्होंने गुरुगद्दी का भार गुरु अंगददेव (बाबा लहना) को सौंप दिया और स्वयं करतारपुर में ज्योति में लीन हो गए।

### गुरु नानक जी के उपदेश

गुरु नानक जी ने अपने अनुयायियों को दस उपदेश दिए जो कि सदैव प्रासंगिक बने रहेंगे। गुरु नानक जी की शिक्षा का मूल निचोड़ यही है कि परमात्मा एक, अनन्त, सर्वशक्तिमान और सत्य है। वह सर्वत्र व्याप्त है। मूर्ति-पूजा आदि निरर्थक है। नाम-स्मरण सर्वोपरि तत्त्व है और नाम गुरु के द्वारा ही प्राप्त होता है। गुरु नानक की वाणी भक्ति, ज्ञान और वैराग्य से ओत-प्रोत है।

### गुरु नानक देव जी के 10 उपदेश

1. ईश्वर एक है।
2. सदैव एक ही ईश्वर की उपासना करो।
3. ईश्वर सब जगह और प्राणी मात्र में मौजूद है।
4. ईश्वर की भक्ति करने वालों को किसी का भय नहीं रहता।
5. ईमानदारी से और मेहनत कर के उदरपूर्ति करनी चाहिए।
6. बुरा कार्य करने के बारे में न सोचें और न किसी को सताएं।
7. सदैव प्रसन्न रहना चाहिए। ईश्वर से सदा अपने लिए क्षमा मांगनी चाहिए।
8. मेहनत और ईमानदारी की कमाई में से ज़रूरतमंद को भी कुछ देना चाहिए।
9. सभी स्त्री और पुरुष बराबर हैं।
10. भोजन शरीर को ज़िंदा रखने के लिए ज़रूरी है पर लोभ-लालच व संग्रहवृति बुरी है।

# होल्कर के निधन के बाद समीकरण बदले

**डॉ. सुरेश सम्राट**
वरिष्ठ संपादक, लेखक
9406502099

महादजी सिंधिया की सही जन्मतिथि ज्ञात न होने के कारण इतिहासकारों ने महादजी का जन्म सन् 1727 के आसपास माना है। इस हिसाब से पानीपत के युद्ध के बाद लगभग 33 वर्ष की आयु में महादजी ने अपने सैन्य पराकम की जो यात्रा शुरू की, वह सन् 1994 में मृत्यूपर्यन्त्र चली। संघर्षों से भरी यह पराक्रम यात्रा जिस दौर में प्रारंभ हुई, यह यह वह समय था, जब 12 नवम्बर 1762 को रघुनाथराव उर्फ राघोवा ने महत्वाकांक्षी होकर अपने भतीजे पेशवा माधवराव को सत्ता और शरीर के साथ, अपने सम्मुख नतमस्तक होकर, जूतों पर सिर रखने के लिए विवश कर दिया था। इसी विजय-भाव से रघुनाथराव ने जब 40 हजार सैनिको के साथ, 29 दिसम्बर 1762 को मिरज के दुर्ग को घेर लिया, तब महादजी भी मालवा से दक्षिण आकर उसमें शामिल हुआ। उस समय तक, जनकोजी सिंधिया के निधन के बाद सिंधिया-परिवार की सम्पत्ति के संबंध में कोई निर्णय नहीं हो सका था। इस उत्ताराधिकार पर महादजी के दावे को रघुनाथराव रोड़े अटकाकर, कमजोर करने की लगातार कोशिश कर रहा था। लेकिन 26 अक्टूबर 1763 को जब महादजी ने गोदावरी के तट पर, पेशवा माधराव से मिलकर, उसका विश्वास अर्जित कर लिया, तो उत्तराधिकार के सवाल पर पेशवा का रूख, महादजी के अनुकूल हो गया। फलस्वरूप सन् 1763 और 1764 में ऐसे अवसर आए,जब उत्तराधिकार के संबंध में पेशवा माधराव और रघुनाथ राव ने पर स्थर विरोधी आज्ञाएं दीं। सन् 1764 की गर्मियों महादजी रघुनाथ के व्यवहार से क्षुब्ध होकर उसकी बिना अनुमति के कर्नाटक से मालवा लौट आया। इससे क्रोधिध होकर रघुनाथराव ने महादजी को विद्रोही घोषित कर दिया। लेकिन महादजी ने इसकी परवाह नहीं की और उज्जैन पहुंचकर अपने भविष्य की तैयारियां शुरू कर दीं। अगस्त1765 आते आते महादजी ने स्वयं को निजी सेना के साथ सुहढ़ और सुरक्षित बना लिया। इससे पूर्व कोड़ा के मैदान में मई 1765 में अंग्रेजों के साथ हुए युद्ध में होल्कर और उसके सहयोगियों को पराजय के साथ ही मराठों की छापामार युद्ध प्रणाली को भारी धक्का लगा। होल्कर जब इस विपत्ति के जूझ रहा था तब महादजी राजस्थान में कोटा के समीप पड़ाव डाले हुए था। विपत्ती की जानकारी मिलते ही, वह होल्कर की सहायता के लिए तुरंत चल पड़ा। लेकिन उसके पहुंचने से पहले ही, अंग्रेजों की तोपें, होल्कर के छापामार युद्ध का अन्त कर चुकी थीं। इस निराशाजनक स्थिति में, महादजी ने हौसला दिखाते हुए 10 अगस्त 1765 को पेशवा को सूचित किया कि होल्कर उस समय दतिया में और वह उससे मिलने दतिया जा रहा है। उसने यह भी सुझाव दिया कि उसकी यह उत्कत इच्छा है कि वह होल्कर के सहयोग से किसी विशाल योजना का आरंभ करें। होल्कर के साथ सहयोग की महादजी द्वारा की गई यह पहल, उत्तर भारत में मराठों क लिए सुखद साबित हो सकती थी, लेकिन महादजी का यह सपना मई 1766 में होल्कर के आकस्मिक निधन के कारण पूरा नहीं हो सका।

महादजी की संघर्ष यात्रा का जब प्रारंभिक दौर चल रहा था, तब ग्वालियर क्षेत्र में गोहद राज्य महत्वाकांक्षी हो उठा। जनवरी 1761 में पानीपत में मराठों की पराजय और ग्वालियर क्षेत्र में, मराठों की नगण्य सैन्य शक्ति जैसी परिस्थतियों का लाभ उठाते हुए, गोहद के राणा छत्रसिंह ने ग्वालियर दुर्ग पर अधिकार कर लिया छत्रसिंह को भरतपुर के जाट शासक जवाहर सिंह का संरक्षण मिल जाने से उसके मंसूबे और प्रबल हो उठे थे। लेकिन गोहद और भरतपुर दोनों की क्षेत्रों के मराठों के प्रमुत्व क्षेत्र में लगे होने के कारण इन दोनों की जाटठ राजाओं की जन्दी ही मराठों से जूझना पड़ा। अपनी खोई प्रतिष्ठा बहाल करने के लिए मराठों ने अपने प्रमुत्वक्षेत्रों में जो कदम उठाए, उसी के तहत गोहद के राणा द्वारा ग्वालियर पर अधिकार कर लेने की, मराठों ने विश्वासघात माना। इससे रूष्ट होकर महादजी ने सन् 1765 में ग्वालियर तो गोहद के राणा ने छीन लिया, लेकिन तब वह राणा को पूरी तरह परास्त न कर सका।

उधर होल्कर ने भी मालवा और बुन्देलखण्ड के मराठा प्रमुख वाले क्षेत्रों में अपनी विजय फतवा फहराते हए, दिसम्बर 1765 में झांसी और अधिकांर कर लिया। इसके एक माह बाद जनवरी 1766 में वह अपनी सेना के साथ राणा के खिलाफ मोर्चा खोलने गोहद आ पहुंचा। इसी बीच भतरपुर में उत्ताराकिार का सवाल उठा खड़ा होने से, होल्कर को वहां जाना पड़ा। फलतः होल्कर के रूप में आया संकट गोहद के लिए, कुछ समय को टल गया। मार्च 1766 में, जब होल्कर भरतपुर के जाट शासक सूरजमल के पुत्र नाहट सिंह के पक्ष में जवाहर सिंह से टक्कर ले रहा था, उसी समय रघुनाथराव ने गोहद को घेर लिया। चूंकि उस समय स्वयं जवाहर सिंह विपत्ती में था तथायि गोहद के प्रति अपनी मैत्री को नहीं भूला। उसने राणा छत्र सिंह की सहायता के लिए कुमुक भेजी। मराठों और गोहद के जाटों के बीच 13-14 मार्च 1766 को जटवारे के मैदान में घनघोर युद्ध हुआ। उतार चढ़ाव वाले इस युद्ध में मराठों की हार हुई। उधर भरतपुर में भी मराठा, जाटों से परास्त हुए। फलस्वरूप गोहद मराठों के लिए आंख की किरकिरी बन गया। इस पराजय से रघुनाथराव की प्रतिष्ठा को भारी धक्का लगा। इस स्थिति से निपटने के लिए, रघुनाथ राव, मल्हारराव होल्कर और महादजी सिंधिया सहित उनके मराठा सरदार अप्रैल 1766 में झांसी में एकत्र हुए। गहन चर्चा में रघुनाथराव के इस प्रस्ताव कि भतरपुर के जवाहर सिंह से पहले गोहद के राणा को सबक सिखाया जाए पर सहमति हुई। मराठा सेना ने तत्काल झांसी के कूच करते हुए 24 अप्रैल 1766 को भाण्डेर में पड़ाव डाल दिया। कुछ दिनों बाद जब सेना ने गोहद की तरफ कदम बढ़ाए तभी मार्ग में मल्हारराव होल्कर गंभीर रूप से अस्वस्थ हो गया। होल्कर के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखकर महादजी ने ग्वालियर में स्वास्थ्य लाभ लेने का प्रस्ताव रखा, जिसे होल्कर ने नहीं माना नौबत यह आ गई कि होल्कर को आलमपुर नामक स्थान पर ही विश्राम के लिए रूकना पड़ा।

यहां होल्कर का उपचार चला, लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ। 20 मई 1766 को आलमपुर में ही होल्कर का निधन हो गया। मृत्यू के समय रघुनाथराव, महादजी तुकोजीराव और होल्कर के परिजन उसके पास थे। मृत्यू के आसन्न होल्कर ने अपने पात्र और उत्ताराधिकारी मालेराव का हाथ रघुनाथराव के हाथ में सौंप दिया लेकिन रघुनाथराव ने मालेराव का हाथ, महादजी के हाथ में दे दिया। महादजी ने यह दायित्व उचित व्यक्ति तुकोजीराव होल्कर के कंधों पर डाल दिया।

# स्वस्थ रहना है तो ठण्ड के मौसम में ज़रूर करे इन फलो का सेवन

सर्दियों की शुरुआत हो चुकी है, इस मौसम में सेहत का खास ध्यान रखने की ज़रूरत होती है क्योकि इस मौसम में अधिक ठण्ड होने के कारण बीमार पड़ने का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे फलो के बारे में बताने जा रहे है जिनका सेवन करने से आप ठण्ड के मौसम में भी स्वस्थ रह सकते है.

1- वैसे तो सेब हमारी सेहत के लिए हमेशा ही फायदेमंद रहता है पर ठण्ड के मौसम में इसके लाभ दोगुने हो जाते है. अगर आप सर्दियों के मौसम में नियमित रूप से एक सेब का सेवन करते है तो इससे दिल मजबूत होता है साथ ही भूलने की बीमारी से भी छुटकारा मिलता है.

2- सर्दियों के मौसम में संतरे का सेवन भी बहुत फायदेमंद होता है, इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन सी मौजूद होता है जिसके कारण ठण्ड के मौसम में इसके सेवन से सर्दी-जुखाम नहीं होता और बॉडी की इम्युनिटी

पावर भी बढ़ती है, अगर आप नियमित रूप से एक संतरे का सेवन करते है तो आपको कभी भी एंटीबायॉटिक दवाएं खाने की जरुरत नहीं पड़ेगी.

3- लाल अंगूर भरपूर मात्रा में विटामिन सी, ए और बी6 मौजूद होते है और साथ ही इसमें भरपूर मात्रा में फोलेट, पोटैशियम, आयरन, कैल्शियम आदि पाए जाते है, सर्दियों के मौसम में इसके सेवन से कब्ज, थकान और पेट संबधी कोई बीमारी नहीं होती है.

4- कीवी में विटामिन सी की भरपूर मात्रा पायी जाती है, अगर आप नियमित रूप से नाश्ते में कीवी फल में हल्का सा नमक छिड़क कर खाते है तो इससे शरीर गरम रहता है और ठंड नहीं लगती.

## सर्दियों के मौसम में ज़रूर करे गाजर करे जूस का सेवन

ठण्ड के मौसम में लाल लाल गाजर खाना बहुत अच्छा लगता है पर क्या आपको पता है की गाजर हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है. नियमित रूप से कच्ची गाजर खाने या इसका जूस पीने से आप अपने शरीर को कई समस्याओ से बचा सकते है, गाजर में भरपूर मात्रा में औषधीय गुण मौजूद होते है, जो आपकी

सेहत को हमेशा तंदरुस्त बनाये रखने में आपकी मदद करते है,. अगर आपको हमेशा कमज़ोरी महसूस होती है तो रोज सुबह खाली पेट में आधा गिलास गाजर के जूस में पालक का रस मिलाये और फिर इसमें भुना जीरा, काला नमक मिला कर पिए इससे शरीर की कमजोरी दूर हो जाती है. ठण्ड के मौसम में नियमित रूप से गाजर के जूस का सेवन करने से आपकी बॉडी अंदर से गर्म रहती है इसके अलावा अगर आपको ठण्ड के कारण सर्दी जुकाम हो गया है तो गाजर के रस में काली मिर्च मिला कर पिए, ऐसा करने से सर्दी-खांसी, जुकाम और कफ की समस्या ठीक हो जाती है. पेट के लिए भी गाजर का सेवन बहुत फायदेमंद होता है, अगर आपको पेट से जुडी समस्याएँ रहती है तो इसके लिए नियमित रूप से गाजर के रस में नींबू और पालक का रस मिलाकर पिए, इससे पेट तो स्वस्थ रहता है साथ ही कब्ज की समस्या दूर होती है.

## दिमाग को तेज बनाता है टमाटर

शरीर के साथ साथ दिमाग का स्वस्थ रहना भी बहुत ज़रूरी होता है, पर उम्र के बढ़ने के साथ ही हमारे दिमाग के सेल्स सिकुड़ने लगते है जिससे इनको बहुत नुकसान पहुँचता है, आज के समय में तो सिर्फ बड़े ही नहीं बल्कि बच्चे भी दिमाग के कमज़ोर होने की समस्या का शिकार हो रहे है. जिसके कारण वो कम उम्र में ही डिप्रैशन का शिकार हो जाते है, अगर आप भी बार बार भूल जाते है तो इसका मतलब ये है की धीरे धीरे आप भी दिमागी कमज़ोरी का शिकार हो रहे है. ऐसे में आपको कुछ खास आहारों का सेवन करने की ज़रूरत है इन आहारों के सेवन से आपका दिमाग तेज हो जायेगा पालक में भरपूर मात्रा में नेचुरल रूप से एंटीऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं जो हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते है, पालक में भरपूर मात्रा में आयरन और मैग्नीशियम पाए जाते है जो याद रखने की क्षमता को बढ़ाते है और खून को दिमाग से लेकर शरीर के अन्य हिस्सों तक पहुंचाने का काम करते है. अलसी के बीज भी याद रखने की क्षमता को बढ़ाने का काम करते है, अलसी के बीजों में भरपूर मात्रा में फाइबर और प्रोटीन मौजूद होते है अगर आप अलसी के बीजों को दही का सेवन करते है तो इससे दिमाग तेज होता है.

## कब्ज़ की समस्या से छुटकारा दिलाता है अमरुद

अमरूद एक बहुत ही मीठा और स्वादिष्ट फल होता है, पर क्या आपको पता है की अमरुद हमारी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है, अमरुद से कई बीमारियों का इलाज भी किया जा सकता है, अमरूद में भरपूर मात्रा में विटामिन सी, विटामिन ए, कैल्शियम, आयरन जैसे सभी जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं. सिर्फ अमरुद ही नहीं बल्कि इसके बीज और पत्तियां भी हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते है, आज हम आपको अमरुद के कुछ फायदों के बारे में बताने जा रहे है. अगर आप पेट से जुडी समस्याओं से परेशान रहते है तो नियमित रूप से सुबह खाली पेट में अमरूद को काले नमक के साथ खाएं. ऐसा करने से आपकी पाचन क्रिया दुरुस्त हो जाएगी. और पेट से जुडी और भी कई समस्याएं दूर होगी. कई बार बच्चो के पेट में कीड़े हो जाते है जिसके कारण बहुत परेशानी होती है, अगर आप भी इसी समस्या से परेशान है तो अपने बच्चे को अमरूद खिलाये. अमरुद के सेवन से पेट के सभी कीड़े मर जाते है. अमरुद के इस्तेमाल से आँखों की सूजन को भी दूर किया जा सकता है, इसके लिए अमरूद की पत्तियों को पीसकर अपनी आंखों के नीचे लगाएं. ऐसा करने से आपकी आँखों के नीचे की सूजन दूर हो जाएगी. आजकल अधिकतर लोग कब्ज की समस्या से परेशान रहते है. अगर आप कब्ज़ की समस्या से छुटकारा पाना चाहते है तो रोज सुबह खाली पेट पका हुआ अमरूद खाएं. ऐसा करने से कब्ज की समस्या दूर हो जायेगी.

# पुष्पांजली टुडे सामान्य ज्ञान

1. रामायण में कुल कितने अध्याय हैं?

क (ख) 5

क (ग) 7

क (घ) 9

क (ङ) 11

2. रामायण जिस युग से सम्बन्धित है, उसका क्या नाम है ?

क (ख) त्रेतायुग

क (ग) सत्ययुग

क (घ) द्वापरयुग

क (ङ) कलियुग

3. महर्षि वाल्मीकि का बचपन का नाम क्या था ?

क (ख) रत्नाकर

क (ग) रत्नाभ

क (घ) रत्नसेन

क (ङ) रत्नेश

4. समुद्र मंथन से प्राप्त उस हाथी का क्या नाम था, जो श्वेत वर्ण का था ?

क (ख) कुवलयापीड

क (ग) अश्वत्थामा

क (घ) शत्रुजंय

क (ङ) ऐरावत

5. श्रीराम को लक्ष्मण के प्राण बचाने के लिए संजीवनी बूटी का रहस्य किस वैद्य ने बताया ?

क (ख) विभीषण

क (ग) सुषेण

क (घ) अक्रूर

क (ङ) चरक

6. अहल्या के पति का नाम था ?

क (ख) विश्वामित्र

क (ग) बृहस्पति

क (घ) वसिष्ठ

क (ङ) गौतम

7. राम भक्त हनुमान के पुत्र का क्या नाम है ?

क (ख) घटोत्कच

क (ग) सुग्रीव

क (घ) मकरध्वज

क (ङ) अंगद

8. लक्ष्मण को नागपाश से मुक्त किसने किया था ?

क (ख) जटायु

क (ग) सम्पाती

क (घ) गरुड़

क (ङ) जामवन्त

9. राम को वनवास देने की प्रेरणा कैकेयी को किससे मिली थी ?

क (ख) कैकसी

क (ग) मंदोदरी

क (घ) मन्थरा

क (ङ) उर्मिला

10. हनुमान ने अशोक वाटिका में सीता को किस वृक्ष के नीचे बैठा देखा?

क (ख) वट

क (ग) शिंशपा

क (घ) अशोक

क (ङ) पीपल

11. मेघनाद का दूसरा नाम क्या था ?

(ख) विचित्रवीर्य
(ग) दशानन
(घ) कुम्भकर्ण
(ङ) इन्द्रजित

12. राम और लक्ष्मण को आश्रमों की रक्षा करने के लिए वन में कौन-से ब्रह्मऋषि ले गये थे ?

(ख) विश्वामित्र
(ग) अंगिरस
(घ) संदीपन
(ङ) दुर्वासा

13. मधुरापुरी नगरी की स्थापना किसने की थी ?

(ख) लक्ष्मण
(ग) शत्रुघ्न
(घ) भरत
(ङ) राम

# त्वचा पर मुंहासों और दाग-धब्बों को करें दूर

थोड़े ही दिनों में सर्दियां दस्तक देने वाली है, ऐसे में आपकी त्वचा को रूखेपन से बचाना पड़ेगा. इसके लिए आप घर में मौजूद मलाई का प्रयोग कर सकती है. मलाई आपकी त्वचा की नमी को बनाए रखेगा. मलाई से फेसपैक बनाने का तरीका जानने के लिए ये पढ़ें-

**मुंहासों की समस्या-** मुंहासों की समस्या तो आजकल सभी महिलाओं को रहती है है. इसके लिए आप मलाई का फेसपैक प्रयोग कर सकती है. मलाई और शहद को एक साथ चेहरे पर लगाए, फिर से 10 से 15 मिनट बाद गर्म पानी से इसे साफ कर दे. इस पैक में शहद होती है. वह मुँहासों को दूर करती है और मलाई त्वचा को मुलायम बनाती है.चेहरे पर लगाने से स?किन की टिशूज़ में जा कर पोर्स को छोटा करने तथा जमी हुई गंदगी को दूर करने में मदद करता है. इस पैक का इस्तेमाल आप रोज कर सकते हैं या हफ़्ते में एक या दो बार भी कर

सकते हैं.

**त्वचा साफ व मुलायम-** मलाई में बेसन, मुल्तानी मिट्टी, संतरे का छिलके का पाउडर, सेब को पीस कर उबटन बना लें. इसे चेहरे व हाथों पैरों में लगाया जा सकता है. इससे त्वचा साफ व मुलायम होती है. चेहरे तथा कोहनियों पर लगाने से रंग में निखार आता है.झुर्रियाँ और त्वचा के धब्बे दूर हो जाते हैं. त्वचा की नमी बनी रहती है. जिससे चेहरा ग्लो करने लगता है. साथ ही त्वचा के फटने जैसी समस्या भी नहीं होती है. मलाई त्वचा का रूखापन दूर करके उसे स्वाभाविक कोमलता प्रदान करती है. बेसन दाग-धब्बों को दूर करता है.

**त्वचा पर दाग-धब्बे-** अगर आपकी त्वचा पर दाग-धब्बे ज्यादा हो तो बेसन से त्वचा को साफ करने के बाद मलाई और नींबू लगा लें. उसके बाद चेहरे को हल?के गरम पानी से धो लें.सुबह तक आपको असर दिखने लगेगा. मलाई में विटामिन श्व और लैक्टिक एसिड दोनों होता है, जो त्वचा की रंगत को साफ करने का काम करता है. वहीं नींबू में पाया जाने वाला विटामिन ष्ट से त्वचा का रंग साफ होने के साथ साथ धब्बों हल्के पड़ने लगते है.सांवली और धब्बेदार त्वचा के लिए इन दोनो चीजों का साथ मिलाकर लगाना काफी असरदार होता है.

## अब इमली से भी चेहरे पर खूबसूरत निखार

अक्सर महिलाये अपने चेहरे को खूबसूरत बनाने के लिए कई तरह के नुस्खे आजमाती है और कई तरह के कॉस्मेटिक ब्यूटी प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती है. लेकिन क्या आप जानते है कि ब्यूटी प्रोडक्ट्स ही नहीं बल्कि खट्टी मीठी इमली से भी आप अपने चेहरे की खूबसूरती बड़ा सकती है. जी हाँ बिलकुल आप अपने चेहरे की खूबसूरती अब इमली से भी बड़ा सकते है, क्योकि इमली में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है जो आपकी स्किन को डल होने से बचाती

है साथ ही चेहरे पर निखार लाती है. घर में ही इमली का स्क्रब इस तरह तैयार करे, सबसे पहले इमली के बीज को हटा दे फिर इमली को उबलते पानी में भिगोकर इमली का पल्प बनाये. इसके बाद पल्प और सेंधा नमक एक मात्रा में बराबर मिलाये और दोनों का अच्छे से पेस्ट तैयार करे. अब इस पेस्ट को चेहरे पर सर्कुलेशन मोशन में लगाए और थोड़ी देर सूखने के लिए छोड़ दे. इसके बाद सूखने पर स्क्रब को अच्छी तरह ठन्डे पानी से धोले. इससे चेहरे की डेड स्किन निकल जाएगी और चेहरा बेदाग़ हो जायेगा. दाद होने पर भी इमली आपकी मदद कर सकती है, इमली के बीजो को पीसकर उसका पावडर बना ले और उसमे निम्बू का रस मिलाकर दाद पर घिसे, इससे दाद जल्दी ही ठीक हो जाएगी.

## विंटर में वेलवेट लहंगे का ट्रैंड

ब्राइडल लहंगे का चुनाव करना सबसे मुश्किल काम है. एक बार लहंगा सलैक्ट हो जाए तो मेकअप, ज्यूलरी और फुटवियर अपने आप मैचिंग सलैक्ट हो जाते हैं.

अगर आप भी ब्राइडल बनने जा रही हैं तो इस बात का जरूर ध्यान रखें कि जिस लहंगे का चुनाव आप कर रही हैं वो लेटेस्ट फैशन में हो. इन दिनों वेलवेट लंहगा का खूब ट्रैंड चल रहा है. वैसे कुछ समय पहले पेस्टल कलर लहंगा का खूब ट्रैंड चला था लेकिन एक बार फिर डार्क कलर ट्रैंड में आ रहे हैं. भारत के जाने में फैशन डिजाइनर सब्यासाची मुखर्जी,रोहित बल, मनीष मल्होत्रा आदि ने भी अपनी विंटर कलैक्शन 2016 में वेलवेट ट्रैंड को ही प्रिजेंट किया है. प्योर वेलवेट फैब्रिक से बने लहंगे रॉयल सी लुक देते हैं. लक्जरी और रिच स्टफ वेलवेट के साथ एम्ब्रायडरी का शानदार मेल इसकी ग्रैस को और भी बढ़ा देता है. साथ ही नेट स्टफ पल्लू भी लहंगे की शोभा दोगुनी कर देता है. वेलवेट के साथ एम्ब्रायडरी में जरदोजी, पर्ल और स्टॉन वर्क का अच्छा सुमेल देखने को मिलेगा. कलर कॉबिनेशन की बात करें तो नेवी ब्लू, मैहरून और एमराल्ड ग्रीन (पन्ना) बहुत ही अट्रैक्टिव कलर लगते हैं. लहंगे के साथ वेलवेट के ही फुल स्लीव ब्लाऊज अच्छा कॉबिनेशन देते हैं. इ

## फेस पैक का इस्तेमाल करते समय रखें ख्याल

चेहरे की खूबसूरती में निखार लाने के लिए आप फेसपैक का इस्तेमाल तो जरूर करते होंगे, लेकिन फेसपैक को इस्तेमाल करते समय हम अनजाने में कई सारी गलतियां कर देते है. जिसके चलते हमारे चेहरे की स्किन को नुकसान हो जाता है. तो इन गलतियों से बचने के लिए हमे इन बातों पर जरूर ध्यान देना होगा आप जब भी फेसपैक का इस्तेमाल करे तो हमेशा नहाने के बाद ही करे तभी आप पूरी तरह से इसका लाभ उठा सकते है. क्योकि नहाने के बाद त्वचा के रोमछिद्र खुल जाते है, इससे फेसपैक

त्वचा के अंदर तक जाता है और चेहरे की रोनक को बढ़ाता है. कुछ लोग ऐसे होते है जो फेसपैक को चेहरे पर घंटो लगाकर रखते है अगर आप भी ऐसा करते है तो आप गलत है क्योकि चेहरे पर फेसपैक पूरी तरह सुख जाने से चेहरे की त्वचा रूखी हो जाती है और चेहरे पर झुर्रिया जल्दी आने लगती है, इसलिए फेसपैक के सूखने से पहले ही आप चेहरे को धोले. फेसपैक को लगाकर चेहरा धोने के बाद अपने चेहरे पर गुलाब जल जरूर लगाए, इससे आपकी त्वचा में नमी रहेगी और स्किन पर ग्लो आएगा. ध्यान रहे कि चेहरे पर फेसपैक लगाने के बाद बिलकुल भी बात ना करे. ऐसा करने से चेहरा खींचता है और इससे त्वचा ढीली पड़ जाती है.

# भारत के इन ऐतिहासिक स्थलों की बात है निराली

**आगरा का ताजमहल किसी पहचान का मोहताज नहीं है। दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल पूरी दुनिया में आकर्षण का केन्द्र है। उत्तर प्रदेश के आगरा में स्थित ताजमहल को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। भारत का अपना एक ऐतिहासिक महत्व है। यहां पर आपको भव्य महल से लेकर प्राचीन किले और राजसी संरचनाएं पूरी दुनिया के आकर्षण का केन्द्र है। भारत का अपना एक समृद्ध इतिहास रहा है, जिसकी झलक आज भी देखी जा सकती है। भारत के इतिहास को करीब से देखने और जानने के लिए लोग विदेशों से यहां आते हैं। तो चलिए आज हम आपको भारत के कुछ ऐतिहासिक स्थलों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको एक बार जरूर देखना चाहिए-**

### ताजमहल, आगरा

आगरा का ताजमहल किसी पहचान का मोहताज नहीं है। दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल पूरी दुनिया में आकर्षण का केन्द्र है। उत्तर प्रदेश के आगरा में स्थित ताजमहल को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। वैसे तो ताजमहल बनने के बाद बहुत से लोगों ने इसे बनाने की कोशिश की, लेकिन पूरी तरह से कोई भी कामयाब नहीं हो पाया। इस भव्य सफेद संगमरमर की सरंचना को 1632 में शाहजहां द्वारा अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में बनवाया गया था। इस शानदार इमारत को बनने में करीबन 22 साल लग गए थे।

### आगरा का किला

अगर आप मुग़ल काल के समृद्ध इतिहास की जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं तो आगरा के किले को देखें। यह भारत के प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थानों में से एक है जो पूरी तरह से लाल बलुआ पत्थर से निर्मित है। 1565 में अकबर द्वारा निर्मित, भारत के इस ऐतिहासिक पर्यटन स्थल में दो सजावटी द्वार हैं: अमर सिंह गेट और दिल्ली गेट। आप प्रवेश द्वार, दरबार, मार्ग, महल और मस्जिदों से भरे एक प्राचीन शहर को देखने के लिए केवल अमर सिंह गेट से प्रवेश कर सकते हैं। यह आगरा में घूमने के लिए सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है।

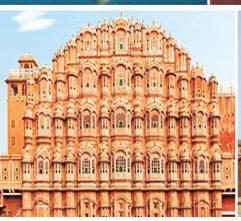

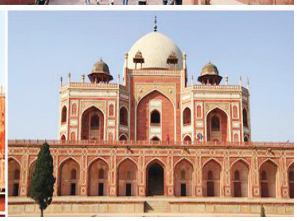

### हुमायूं का मकबरा

भारतीय और फारसी वास्तुकला का एक सुंदर संश्लेषण, हुमायूँ का मकबरा भारत में सबसे प्रसिद्ध और महत्वपूर्ण स्थानों में से एक है। हुमायूँ की पत्नी हमीदा बानू बेगम ने 15 वीं शताब्दी में अपने पति के लिए इस मकबरे का निर्माण शुरू किया। धनुषाकार एल्कॉवर्स, सुंदर गुंबद, विस्तृत गलियारे और कियोस्क- सभी इस स्मारक को भारतीय वास्तुकला की भव्यता बनाते हैं। मुख्य मकबरे के दक्षिण-पश्चिम की ओर एक नाई का मकबरा भी है। यह दिल्ली के सबसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है, जहां आपको निश्चित रूप से जाना चाहिए।

### हवा महल, जयपुर

हवा महल की संरचना आज भी हर किसी को अंचभित करती है। यह अपनी 953 खिड़कियों के साथ मधुमक्खी के छत्ते की तरह दिखता है। इसे महाराजा सवाई प्रताप सिंह ने बनाया था, जो भगवान कृष्ण के एक प्रमुख भक्त थे। यह जयपुर के लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। इस महल को दुनिया की सबसे ऊंची इमारत के रूप में जाना जाता है, जिसकी कोई नींव नहीं है। महल घुमावदार है लेकिन फिर भी इसकी पिरामिड आकार के कारण मजबूती से खड़ा है। यह माना जाता था कि यह इमारत इसलिए बनाई गई थी ताकि शाही महिलाएं बाहर देख सकें, क्योंकि उस समय परदा प्रथा थी।

# फोन भूत में ईशान और सिद्धांत के साथ कॉमेडी का तड़का लगायेगी कैटरीना

बॉलीवुड की बार्बी गर्ल कैटरीना कैफ आने वाली फिल्म 'फोन भूत' में ईशान खट्टर और सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ कॉमेडी का तड़का लगाती नजर आयेगी। सिद्धांत चतुर्वेदी पहले से ही गोवा में है, जहां वह फिलहाल शकुन बत्रा की अगली फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि कैटरीना कैफ और ईशान खट्ट नवंबर के आखिर तक फिल्म फोन भूत की शूटिंग शुरू करने के लिए सिद्धांत चतुर्वेदी को ज्वॉइन करेंगे। फोन भूत के मेकर्स गोवा में इसी महीने यानी नवंबर के आखिर में कॉमेडी फिल्म की शूरू करने के लिए तैयार हैं। फिल्म फोन भूत का एक हिस्सा जो घोस्टबस्टर्स के आसपास घूमता है, उसकी शूटिंग गोवा में होगी। इसके बाद मुंबई का शेड्यूल होगा।

# सर्कस में काम करने के लिये बेताब है जैकलीन

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री और पूर्व मिस श्रीलंका जैकलीन फर्नांडीस फिल्म 'सर्कस' में काम करने के लिये बेताब है। बॉलीवुड फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी, रणवीर सिंह को लेकर फिल्म 'सर्कस' बनाने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म 'सर्कस' एक कॉमेडी फिल्म होगी, जिसमें रणवीर सिंह के अलावा पूजा हेगड़े और जैकलीन फर्नांडीस लीड रोल में होगीं। जैकलीन जल्द ही सर्कस की शूटिंग शुरू करेंगी। जैकलीन ने कहा, ''ऐसी फिल्में बनाना आसान नहीं है जो आपका मनोरंजन करे, आपको हंसाए और अच्छा महसूस कराए। रोहित शेट्टी ऐसे व्यक्ति है जिनका नाम मनोरंजक और कॉमर्शियल सिनेमा के बारे में सोचने पर सबसे पहले आता है। मैंने हमेशा उनकी फिल्मों को देखना एन्जॉय किया है और इसमें लगने वाली कड़ी मेहनत से पूरी तरह परिचित हूं। उनके साथ काम करने के लिए रोमांचित हूं और मैं उनके सेट पर जाने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ।'' बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग अगले महीने से मुंबई, ऊटी और गोवा में की जाएगी जिसे अगले साल विंटर सीजन में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म को रोहित शेट्टी के साथ-साथ भूषण कुमार और रिलायंस एंटरटेनमेंट को-प्रोड्यूस कर रहे हैं।

## आदिपुरूष' में सीता का किरदार निभायेंगी कृति सैनन

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सैनन फिल्म 'आदिपुरूष' में सीता का किरदार निभा सकती हैं। अजय देवगन को लेकर सुपरहिट फिल्म तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर बना चुके ओम राउत अब बाहुबली फेम प्रभास को लेकर फिल्म आदिपुरुष बनाने जा रहे हैं। यह फिल्म एक थ्रीडी एक्शन ड्रामा होगी। फिल्म को हिंदी, तेलुगू, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज किया जाएगा। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में रामायण का भी एक हिस्सा होगा। चर्चा है कि कृति सैनन फिल्म में सीता का किरदार निभाती दिखाई देंगी। निर्देशक ओम राउत ने हाल ही में कृति को फिल्म स्क्रिप्ट सुनाई और वह उनके किरदार से काफी प्रभावित हुईं। कृति को स्क्रिप्ट पसंद आई है। फिल्म की पूरी स्टारकास्ट को लेकर जल्द ही ऑफिशियल अनाउंसमेंट की जाएगी। वर्ष 2021 से फिल्म की टिंग के शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। फिल्म में प्रभास भगवान राम की भूमिका निभाएंगे। सैफ अली खान रावण के अवतार में नजर आएंगे।